www.hindmatamirror.com ●वर्ष: 12 ●अंक: 219 ●ठाणे, बुधवार 6 मई, 2026 ●पेज: 8 ●मूल्य: 2 रुपए hindmatamirror1@gmail.com

RNI. NO. MAHHIN/2011/43060

दैनिक हिंदमाता मिरर

पैनी नजर, पुख्ता खबर

केएल राहुल ने टी-20 में दिखाया अपना दमखम

पेज 8

Met Gala में ईशा अंबानी का जलवा...

8 पेज

सुप्रभात

आयु में आनंद है। समग्र शरीर के मंगल में, स्वास्थ्य एक आनंद है। इसी आनंद का भाग कर देने से दो वस्तुएं प्राप्त होती हैं- एक ज्ञान और दूसरा प्रेम।
- रवींद्रनाथ टैगोर

मौसम का मिजाज

सूर्यास्त (6 मई) 7:03 बजे, सूर्योदय (7 मई) 6:07 बजे, **तापमान:** 31 डिग्री से. (धूप खिली रहेगी।)

शॉर्ट स्टोरी

फर्जी बर्थ सर्टिफिकेट केस की एसआईटी जांच

हिंदमाता नेटवर्क @ मुंबई

मुंबई पुलिस ने शहर में जाली दस्तावेजों के जरिए कथित तौर पर फर्जी जन्म प्रमाण पत्र प्राप्त करने संबंधी मामलों की जांच हेतु विशेष जांच दल (एसआईटी) का गठन किया है। अधिकारियों ने मंगलवार को यह जानकारी दी। शहर के नगर निगम अधिकारियों के अनुसार, सरकारी रिकॉर्ड में हेराफेरी करके 2024 से 2026 के बीच कथित तौर पर 87,000 से अधिक फर्जी जन्म प्रमाण पत्र जारी किए गए थे। इसी तरह के फर्जी पंजीकरणों की कई शिकायतें मिलने के बाद मुंबई पुलिस की अपराध शाखा ने जांच शुरू की। मुंबई पुलिस आयुक्त देवेन भारती ने गहन जांच के लिए एसआईटी के गठन का आदेश दिया है।

एसयूवी-बस भिडंत में दो की मौत, एक घायल

हिंदमाता नेटवर्क @ ठाणे

ठाणे जिले में एक एसयूवी की राज्य परिवहन की बस से टक्कर हो जाने के बाद मंगलवार को दो लोगों की मौत हो गई और एक व्यक्ति घायल हो गया। यहां एक अधिकारी ने यह जानकारी दी। महाराष्ट्र राज्य सड़क परिवहन निगम (एमएसआरटीसी) के ठाणे संभाग के संभागीय आयुक्त सागर पालसुले ने बताया कि यह दुर्घटना पूर्वाह्न करीब साढ़े 11 बजे मुरबाड तालुका के टोकावडे में मुरबाड-अहिल्यानगर रोड पर हुई। एसयूवी कल्याण की ओर जा रही थी, तभी विपरीत दिशा से आ रही एमएसआरटीसी की बस से उसकी टक्कर हो गई। एसयूवी की आगे की सीट पर बैठे दो लोगों की मौके पर ही मौत हो गई, जबकि एक यात्री घायल हो गया।

दत्तक के लिए अब नहीं काटने होंगे चक्कर

हिंदमाता नेटवर्क @ मुंबई

बच्चों को गोद लेने की प्रक्रिया को लेने बॉम्बे हाईकोर्ट ने एक महत्वपूर्ण फैसला सुनाया। उच्च न्यायालय ने में कहा है कि दत्तक (एडॉप्शन) प्रक्रिया की सुनवाई करने और उस पर निर्णय लेने के लिए जिला कलेक्टर सक्षम हैं और उन्हें यह अधिकार दिया जा सकता है। अदालत ने बाल न्याय (बच्चों की देखभाल और संरक्षण) अधिनियम में 2021 में किए गए संशोधन को भी वैध ठहराया है, जिसके तहत दत्तक आदेश देने का अधिकार अदालतों से हटाकर जिला कलेक्टर को दिया गया था। न्यायमूर्ति भारती डांगरे और न्यायमूर्ति मंजुषा देशपांडे की खंडपीठ ने कहा कि जिला कलेक्टर की भूमिका पर संदेह करना गलत है।

खाद्य व्यापारियों को सरकार से बड़ी राहत

हिंदमाता नेटवर्क @ मुंबई

महाराष्ट्र सरकार ने खाद्य वस्तुओं के थोक एवं खुदरा व्यापारियों को बड़ी राहत दी है। अब उन्हें खाद्य, नागरिक आपूर्ति एवं उपभोक्ता संरक्षण विभाग से किसी प्रकार का अनुज्ञप्ति (लाइसेंस) लेने की आवश्यकता नहीं होगी। आपूर्ति विभाग के नए आदेश के अनुसार, तेल, तिलहन, चावल, गेहूं एवं उनके उत्पाद, ज्वार, बाजरा, चीनी, गुड़, दलहन, वनस्पति, प्याज और आलू के व्यापारियों को अब किसी भी प्रकार का खाद्य एवं आपूर्ति विभाग का लाइसेंस लेने की जरूरत नहीं होगी। अखिल भारतीय खाद्य तेल व्यापारी महासंघ के अध्यक्ष शंकर ठक्कर ने फैसले का स्वागत किया है।

'भाजपा ने चुनाव आयोग का इस्तेमाल कर जीत हासिल की है'

मैं हारी नहीं हूं, इस्तीफा नहीं दूंगी

● ममता बनर्जी के ऐलान पर सियासी तूफान!

हिंदमाता नेटवर्क @ कोलकाता

पश्चिम बंगाल विधानसभा चुनाव में तृणमूल कांग्रेस की करारी हार के बाद सीएम ममता बनर्जी ने मंगलवार को प्रेस कॉन्फ्रेंस किया। ममता बनर्जी ने कहा कि हम चुनाव हारे नहीं हैं, हमें हराया गया है। भाजपा ने चुनाव आयोग का इस्तेमाल कर जीत हासिल की है। साथ ही उन्होंने इस्तीफा देने से इनकार कर दिया है। ममता बनर्जी ने कहा कि हमारी लड़ाई भाजपा से नहीं बल्कि चुनाव आयोग से थी। उन्होंने कहा कि मैंने अपनी जिंदगी में ऐसा चुनाव नहीं देखा। ममता ने कहा कि मैंने 2004 से इस तरह का अत्याचार नहीं देखा।

चुनाव आयोग पर लगाया आरोप

ममता बनर्जी ने कहा कि चुनाव आयोग मुख्य विलेन है। उन्होंने कहा कि एसआईआर से 90 लाख वोट हटाए गए। बाजपा ने 100 सीटों की लूट की है। पीएम मोदी और गृहमंत्री अमित शाह ने हमें मिलकर हराया है। ममता ने आरोप लगाया कि बीजेपी ने हर तरह का हथकंड़ा अपनाकर हमें हराया है।

इंडिया ब्लॉक मेरे साथ

ममता बनर्जी ने कहा कि इंडिया ब्लॉक मेरे साथ है। सोनिया गांधी ने मुझे फोन किया। उन्होंने बताया कि राहुल, अरविंद केजरीवाल, उद्धव ठाकरे, हेमंत सोरेन और तेजस्वी यादव ने मुझे फोन किया। ममता ने कहा कि कहा कि इंडिया ब्लॉक मेरे साथ है और कल अखिलेश यादव आ रहे हैं।

पहली बार बंगाल में भाजपा सरकार

ममता बनर्जी को हराकर पश्चिम बंगाल में पहली बार बीजेपी सरकार बनाने जा रही है। पश्चिम बंगाल में बाजपा ने 207 सीटों पर जीत दर्ज की है। बंगाल में भाजपा का ये अब तक का सबसे बेहतरीन प्रदर्शन है। इस बार भाजपा का वोट शेयर 45 .84 प्रतिशत रहा।

15 साल बाद सत्ता से बाहर हुई ममता

बता दें कि ममता बनर्जी 2011 में सत्ता में आई थीं और इसके बाद लगातार तीन चुनाव में उनकी पार्टी टीएमसी ने जीत दर्ज की। 2021 में टीएमसी ने 214 सीटों पर जीत हासिल की थी। इस बार उनकी पार्टी महज 80 सीटों पर सिमट कर रह गई। इस बार बंगाल में भगवा पार्टी ने परचम लहराया। टीएमसी सिर्फ 80 सीटें ही जीत पाई। ममता बनर्जी खुद भवानीपुर से 15 हजार से अधिक वोटों से हार गईं। उनको दूसरी बार बीजेपी के सुवेंदु अधिकारी ने हराया है।

इंडिगो फ्लाइट में पावर बैंक ब्लास्ट

धुआं-धुआं केबिन, इमरजेंसी एग्जिट से स्लाइड्स के जरिए यात्रियों को निकाला

हिंदमाता नेटवर्क @ चंडीगढ़

चंडीगढ़ के शहीद भगत सिंह इंटरनेशनल एयरपोर्ट पर मंगलवार की दोपहर उस वक्त काफी ज्यादा अफरा-तफरी जैसी स्थिति देखने को मिली, जब एक फ्लाइट के केबिन में धुआं भरने के कारण विमान की लैंडिंग कराई गई और सभी यात्रियों को इमरजेंसी एग्जिट से स्लाइड्स के जरिए बाहर निकाला गया। दरअसल, इंडिगो एयरलाइन की एक फ्लाइट 6ई 108 (एचवाईडी-आईएक्ससी), जो हैदराबाद से चंडीगढ़ के लिए रवाना हुई थी, में बीच हवा में ही एक यात्री के पावर बैंक में ब्लास्ट हो गया और धुआं निकलने लगा। पावर बैंक से धुआं निकलता देख यात्री ने इसकी जानकारी तुरंत फ्लाइट क्रू को दी। फ्लाइट क्रू ने तुरंत कार्रवाई करते हुए फायर एक्सटिंगशर्स के जरिए पावर बैंक में लगी आग पर काबू पाया, लेकिन इसकी वजह से फ्लाइट के केबिन में पूरी तरह से धुआं भर गया और यात्रियों में दहशत का माहौल बन गया। इंडिगो एयरलाइन की फ्लाइट 6ई 108 (एचवाईडी-आईएक्ससी) में कुल 198 यात्री, दो छोटे बच्चे और 6 क्रू सदस्य सवार थे। इस घटना के बाद विमान को दोपहर करीब साढ़े तीन बजे सुरक्षित रूप से चंडीगढ़ इंटरनेशनल एयरपोर्ट पर उतारा गया। एहतियात के तौर पर तुरंत इमरजेंसी प्रोटोकॉल लागू किए गए।

अब दुष्कर्मियों को नहीं मिलेगी पैरोल! सीएम फडणवीस का सख्त निर्देश

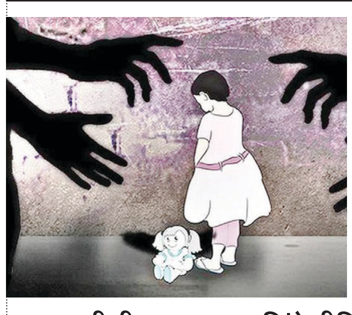

नसरापुर का नासूर...

● डीसीएम एकनाथ शिंदे पीड़िता के गांव वालों से मिले, न्याय का भरोसा दिया

● सरकार को कानून की परवाह किए बिना आरोपी को खत्म कर देना चाहिए: राज ठाकरे

हिंदमाता नेटवर्क @ मुंबई

पुणे जिले के नसरापुर में साढ़े तीन साल की मासूम बच्ची के साथ दुष्कर्म और हत्या की दिल दहला देने वाली घटना के बाद महाराष्ट्र सरकार ने बड़ा और सख्त फैसला लिया है। राज्य मंत्रिमंडल की बैठक में मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस ने सुझाव दिए कि लैंगिक शोषण और दुष्कर्म जैसे गंभीर अपराधों में दोषी ठहराए गए अपराधियों को पैरोल नहीं दी जानी चाहिए। मंगलवार को मंत्रालय में आयोजित कैबिनेट बैठक में मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस ने विधि एवं न्याय विभाग को इस संबंध में नया कानून तैयार करने के सूझाव दिए। सीएम ने कहा कि ऐसे मामलों में बड़ी संख्या में आरोपी पैरोल पर बाहर आने के बाद फिर उसी तरह के अपराधों में शामिल पाए जाते हैं, इसलिए कानून को और सख्त बनाना जरूरी है। सीएम फडणवीस ने बैठक में कहा कि उनके मुख्यमंत्री कार्यकाल (2014 से 2019) के दौरान भी ऐसे अपराधियों को पैरोल न देने का कानून बनाया गया था, जो कुछ वर्षों तक लागू रहा। हालांकि बाद में अदालत ने उसे रद्द कर दिया था। अब सरकार फिर से उसी तरह का सख्त कानून लाने की तैयारी में है।

पीड़ित परिवार से खुद बात की थी

नसरापुर मामले पर मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस ने कहा कि उन्होंने पीड़िता के पिता से दो बार बात की है और भरोसा दिलाया है कि आरोपी को सख्त से सख्त सजा दिलाने के लिए सरकार हरसंभव प्रयास करेगी। उन्होंने कहा कि सरकार चार्जशीट समय पर दाखिल कर मामले को फास्ट ट्रैक कोर्ट में चलाने की दिशा में काम कर रही है ताकि आरोपी को जल्द से जल्द मृत्युदंड की सजा मिल सके। मुख्यमंत्री ने कहा कि लोकतंत्र में कानून के दायरे में रहकर ही न्याय मिलता है। भावनाएं चाहे कुछ भी हों, लेकिन कानूनी प्रक्रिया के जरिए ही दोषी को ऐसी सजा दिलाई जाएगी कि भविष्य में कोई ऐसा अपराध करने की हिम्मत न करे।

छुट्टियां बिताने अपनी नानी के घर आई थी बालिका

पुणे जिले के नसरापुर में छुट्टियां बिताने अपनी नानी के घर आई चार साल की बच्ची घर के आंगन में खेल रही थी। इसी दौरान 1 मई को 65 वर्षीय आरोपी उसे बहला-फुसलाकर गोठे में ले गया और उसके साथ दुष्कर्म किया। इसके बाद आरोपी ने पत्थर से वार कर उसकी हत्या कर दी और शव को गोबर के ढेर के नीचे छिपाकर फरार होने की कोशिश की। घटना के बाद ग्रामीणों ने आरोपी को पकड़कर उसकी पिटाई की और पुलिस के हवाले कर दिया। इस जघन्य वारदात के बाद पूरे महाराष्ट्र में गुस्से की लहर है और आरोपी को फांसी देने की मांग तेज हो गई है।

पीड़िता के गांव वालों से मिले डीसीएम शिंदे

महाराष्ट्र के उपमुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे ने पुणे के उस गांव के निवासियों को न्याय दिलाने का आश्वासन दिया है जहां पिछले सप्ताह एक चार वर्षीय बच्ची की कथित तौर पर यौन उत्पीड़न करने के बाद हत्या कर दी गई थी। शिंदे ने कहा कि दोषियों को फांसी दिलाने तक राज्य सरकार चैन से नहीं बैठेगी। शिंदे ने सोमवार को पुणे जिले के पीड़िता के गांव वालों से मुलाकात के दौरान कहा कि पुलिस को आरोपी के खिलाफ पुख्ता मामला बनाने के लिए कहा गया है। निवासियों ने उन्हें एक ज्ञापन सौंपा जिसमें मामले के आरोपी 65 वर्षीय व्यक्ति के लिए मृत्युदंड की मांग की गई थी। उन्होंने शिंदे को बताया कि आरोपी ने पहले भी दो बार इसी तरह का अपराध किया है।

दोषी को फांसी मिलने तक चुप नहीं बैठेगी सरकार

शिंदे ने सोमवार को अपने दौरे के दौरान ग्रामीणों को बताया कि उन्होंने मुख्यमंत्री फडणवीस से बात की है जिन्होंने इस अपराध को गंभीरता से लिया है। उन्होंने निवासियों से कहा, राज्य सरकार तब तक चुप नहीं बैठेगी जब तक कि दोषी को फांसी नहीं मिल जाती। शिंदे ने कहा कि उन्होंने और मुख्यमंत्री ने पुणे के पुलिस अधीक्षक को निर्देश दिया है कि मुकदमे की पुख्ता तैयारी के लिए पर्याप्त सबूत जुटाए जाएं।

आरोपी को खत्म कर देना चाहिए: राज ठाकरे

इस बीच, महाराष्ट्र नवनिर्माण सेना (मनसे) के अध्यक्ष राज ठाकरे ने फेसबुक पर एक पोस्ट में कहा कि सरकार को कानून की परवाह किए बिना आरोपी को खत्म कर देना चाहिए। उन्होंने यह भी सवाल उठाया कि ऐसे मामले बार-बार क्यों होते रहते हैं।

सुप्रिया सुले ने मुख्यमंत्री फडणवीस से मुलाकात की

राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी (शरदचंद्र पवार) की कार्यकारी अध्यक्ष सुप्रिया सुले ने मंगलवार को कहा कि महाराष्ट्र के मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस ने उन्हें आश्वासन दिया है कि वह नसरापुर बाल यौन उत्पीड़न-हत्या मामले की जांच की व्यक्तिगत रूप से निगरानी करेंगे। बारामती से लोकसभा सदस्य सूले ने सुबह मुख्यमंत्री से मुलाकात कर राज्य में मचे बवाल को हवा दे रहे इस मामले में कड़ी कार्रवाई की मांग की। सुले ने बताया कि गृह विभाग के प्रमुख फडणवीस ने आरोपी को कड़ी सजा मिलने तक मामले की गहन निगरानी का आश्वासन दिया है। नागरिकों की ओर से आभार व्यक्त करते हुए उन्होंने कहा कि न्याय सुनिश्चित करने के लिए राज्य नेतृत्व और पुलिस तंत्र दोनों पर पूरा भरोसा है। हालांकि इस मामले में सरकार पूरी तेजी और सख्ती दिखा रही है, लेकिन सियासत भी तेज है।

पोस्टमार्टम रिपोर्ट में मौत की वजह दम घुटना

महाराष्ट्र के पुणे में पिछले सप्ताह चार-वर्षीय जिस लड़की की कथित रूप से बलात्कार के बाद हत्या कर दी गयी थी, उसकी अंत्य-परीक्षण रिपोर्ट ने दम घुटने से उसकी मौत होने का संकेत दिया है। पुलिस ने मंगलवार को यह जानकारी दी। पुलिस ने बताया कि 65-वर्षीय एक आरोपी ने पीड़िता के मुंह में कपड़ा ठूंस दिया, जिससे दम घुटने से उसकी मौत हो गई। पुलिस के अनुसार, मजदूरी करने वाले आरोपी का आपराधिक इतिहास रहा है तथा उसपर 1998 और 2015 में छेड़छाड़ के आरोप में मामला दर्ज किया गया था, लेकिन बाद में वह दोनों मामलों में बरी हो गया था। एक वरिष्ठ पुलिस अधिकारी ने कहा, पोस्टमार्टम रिपोर्ट से पता चलता है कि मौत दम घुटने से हुई है। प्रथमदृष्टया, आरोपी ने पीड़िता के मुंह में कपड़ा ठूंसकर उसे चुप कराया, जिससे दम घुटने से उसकी मौत हो गई। पोस्टमार्टम रिपोर्ट में बच्ची के शरीर पर चोट के निशान भी मिले हैं।

पुणे जिले के दौंड में पिता ने 9 वर्षीय बेटी की हत्या कर शव जलाया

पुणे। पुणे के नसरापुर में बच्ची से रेप और हत्या का मामला अभी ठंडा भी नहीं हुआ था कि अब जिले के दौंड तालुका के देउलगांव राजे गांव में एक बेहद दुखद और दिल दहला देने वाली घटना सामने आई है। यहां एक पिता ने अपनी ही 9 साल की नाबालिग बेटी की हत्या कर दी। आरोपी नेबच्ची पर लकड़ी काटने वाली मशीन से हमला किया। हत्या के बाद सबूत मिटाने के लिए उसने शव को कपड़ों में लपेटकर घर में आग लगा दी। घटना हनुमान बस्ती, काले वस्ती इलाके में हुई। आरोपी शांताराम दुर्योधन चव्हाण (33) ने अपनी बेटी पर शक किया कि उसने भाई की स्कूल मार्कशीट में कुछ बदलाव किए हैं। इसी शक के चलते वह इतना गुस्सा हो गया कि उसने बच्ची की जान ले ली। पुलिस जांच में पता चला कि आरोपी ने बच्ची की हत्या के बाद शव को छिपाने और नष्ट करने के इरादे से घर में आग लगा दी। इस मामले में एक महिला चिंगू शिंदबाद भोसले पर घटना को छुपाने और मदद करने का आरोप है। दौंड पुलिस स्टेशन में इस मामले में एफआईआर दर्ज कर ली गई है। पुलिस आरोपी शांताराम चव्हाण को हिरासत में लेकर पूछताछ कर रही है। मामले की जांच पुलिस उपनिरीक्षक सुनील उगले कर रहे हैं।

गडचिरोली में लॉयड्स परियोजना के विस्तार को रफ्तार

हिंदमाता नेटवर्क @ मुंबई

महाराष्ट्र सरकार ने हाल ही में लिए गए एक निर्णय में गडचिरोली जिले में खनन गतिविधियों के लिए 937.077 हेक्टेयर आरक्षित वन भूमि के डायवर्जन को मंजूरी दे दी है। यह जमीन लॉयड्स मेटल्स एंड एनर्जी को लौह अयस्क के वैज्ञानिक अन्वेषण और खनन के विस्तार के लिए निर्धारित की गई है। मिली जानकारी के अनुसार यह प्रस्ताव, जो शुरू में मार्च 2024 में प्रस्तुत किया गया था, एक कड़ी अनुमोदन प्रक्रिया से गुजरा और अंततः मई 2025 तक केंद्र से सैद्धांतिक (इन-प्रिंसिपल) स्वीकृति मिल गई। घटनाक्रम वन (संरक्षण) अधिनियम, 1980 के तहत आता है, जिसके तहत राज्य को फरवरी 2026 तक नियमों के पालन की रिपोर्ट जमा करनी थी। अब अप्रैल 2026 में केंद्रीय मंत्रालय द्वारा अंतिम मंजूरी दिए जाने के साथ ही यह परियोजना आगे बढ़ने के लिए तैयार है और इसके लिए अलग से मंजूरी लेने की जरूरत नहीं होगी।

केंद्र सरकार ने वन भूमि के डायवर्जन को मंजूरी दी

खदानों से निकाले जाएंगे लौह अयस्क

राज्य सरकार के एक आदेश में कहा गया है कि केंद्रीय पर्यावरण, वन और जलवायु परिवर्तन मंत्रालय ने गडचिरोली में लॉयड्स मेटल्स एंड एनर्जी लिमिटेड के पक्ष में 937 .077 हेक्टेयर वन भूमि देने के लिए अपनी अंतिम मंजूरी दे दी है। आदेश में कहा गया है कि कंपनी इस भूमि का उपयोग गडचिरोली जिले के एटापल्ली में हेडरी, बांदे और पारसलगोंडी गांवों में मौजूदा खदानों से कम ग्रेड वाले लौह अयस्क की खनन और निकालने के लिए करेगी। आदेश में कहा गया है, अब महाराष्ट्र सरकार इस वन भूमि को लॉयड्स मेटल्स एंड एनर्जी लिमिटेड, गडचिरोली को देने का निर्देश देती है।

आदिवासी आश्रम शालाओं का होगा कायाकल्प

हिंदमाता नेटवर्क @ मुंबई

महाराष्ट्र मंत्रिमंडल ने मंगलवार को आदिवासी विद्यार्थियों के लिए शैक्षिक अवसरों में सुधार लाने के उद्देश्य से स्वयंसेवी संगठनों द्वारा चलाए जा रहे 24 सहायता प्राप्त आश्रमों या आवासीय विद्यालयों के उन्नयन को मंजूरी दी। अधिकारियों ने बताया कि मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस की अध्यक्षता में हुई बैठक में लिया गया यह निर्णय आदिवासी विद्यार्थियों, विशेषकर लड़कियों के बीच पढ़ाई छोड़ देने की प्रवृति को कम करने के उद्देश्य से लिया गया है, ताकि वे अपने स्थानीय क्षेत्रों में ही शिक्षा जारी रख सकें। पांच प्राथमिक आश्रम विद्यालयों का माध्यमिक विद्यालय के रूप में तथा 19 माध्यमिक विद्यालयों को जूनियर कॉलेज में उन्नत किया जाएगा। इन प्रस्तावों को इसी शैक्षणिक वर्ष (2026-27) से लागू करने की तैयारी है। आदिवासी विकास विभाग के अंतर्गत लिए गए निर्णय से पहाड़ी और दूरस्थ क्षेत्रों में रहने वाले बच्चों के लिए उच्च शिक्षा के रास्ते खुलेंगे। सरकार ने आश्रम स्कूलों के बुनियादी ढांचे को मजबूत करने के साथ-साथ वहां शिक्षकों और कर्मचारियों की संख्या बढ़ाने का भी प्रावधान किया है।

सोलापुर को मिली तीन इंजीनियरिंग ब्रांच

आदिवासी क्षेत्रों में शैक्षिक क्रांति

सरकार ने गैर-सरकारी संस्थाओं के 5 प्राथमिक और 19 माध्यमिक सहायता प्राप्त आश्रम विद्यालयों को अपग्रेड करने का निर्णय लिया है। इसके तहत प्राथमिक स्कूलों को माध्यमिक और माध्यमिक स्कूलों को जूनियर कॉलेज स्तर तक उन्नत किया जाएगा। इस प्रक्रिया के लिए आवश्यक नए पदों के सृजन और खर्च के प्रावधान को भी कैबिनेट ने स्वीकृति दे दी है। गैर-सरकारी संस्थाओं द्वारा संचालित 24 सहायता प्राप्त आश्रम विद्यालयों के स्तर में सुधार किया जाएगा। सरकारी तकनीकी संस्थान, सोलापुर में एआई और मशीन लर्निंग जैसे आधुनिक इंजीनियरिंग पाठ्यक्रम शुरू होंगे। वहीं, तुलजापुर स्थित श्री तुलजाभवानी इंजीनियरिंग कॉलेज को अब महाराष्ट्र सरकार संचालित करेगी।

सोलापुर में इंजीनियरिंग का नया केंद्र

उच्च एवं तकनीकी शिक्षा विभाग के तहत सोलापुर के सरकारी तकनीकी संस्थान में तीन नए डिग्री स्तरीय इंजीनियरिंग पाठ्यक्रम शुरू किए जा रहे हैं। इनमें आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (एआई) और मशीन लर्निंग, कंप्यूटर विज्ञान और इंजीनियरिंग, तथा इलेक्ट्रॉनिक्स और दूरसंचार शामिल हैं। प्रत्येक पाठ्यक्रम में 60 सीटों की क्षमता होगी, जिससे स्थानीय छात्रों को राहत मिलेगी।

दिव्यांग महिला की पुकार पर शिंदे ने रोका काफिला

रोजगार का मुद्दा तुरंत सुलझाया

हिंदमाता नेटवर्क @ मुंबई

महाराष्ट्र के उपमुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे अक्सर अपनी आम आदमी की छवि और जनता के प्रति अपने जुड़ाव के लिए चर्चा में रहते हैं। मंगलवार को मंत्रालय में कैबिनेट की एक महत्वपूर्ण बैठक संपन्न हुई थी। इस बैठक के बाद जब उपमुख्यमंत्री अपने सरकारी आवास नंदनवन की ओर लौट रहे थे, तब मंत्रालय के पास एक ऐसी घटना घटी जिसने एक बार फिर उनकी संवेदनशीलता को जगजाहिर कर दिया। शिंदे का काफिला मंत्रालय से बाहर निकल ही रहा था कि भीड़ में खड़ी एक दिव्यांग महिला ने उन्हें अपनी समस्या बताने के लिए जोर से आवाज लगाई। सुरक्षा कारणों से मंत्रियों का काफिला बीच सड़क पर नहीं रुकता है, लेकिन एकनाथ शिंदे ने जैसे ही उस महिला की पुकार सुनी, उन्होंने तुरंत अपने ड्राइवर को गाड़ी रोकने का आदेश दिया। वे न केवल रुके, बल्कि खुद गाड़ी से उतरकर उस महिला के पास पहुंचे और बड़े ही शांत स्वभाव से उनकी पूरी बात सुनी। महिला काफी समय से अपने बेटे के लिए रोजगार की तलाश में भटक रही थी और उसने भावुक होकर उपमुख्यमंत्री से मदद की गुहार लगाई। उपमुख्यमंत्री ने दिव्यांग महिला की समस्या को सुनने के बाद संबंधित विभाग के वरिष्ठ अधिकारियों को समाधान का आदेश दिया।

एसी लोकल ट्रेन की छत पर चढ़ा युवक

विट्ठलवाडी से कल्याण तक मचा हड़कंप

रेलकर्मियों ने बिजली सप्लाई रोक बचाई जान

हिंदमाता संवाददाता @ कल्याण

मंगलवार 5 मई 2026 को विठ्ठलवाडी से कल्याण के बीच एक हैरान कर देने वाली घटना सामने आई, जब एक नशे की हालत में युवक एसी लोकल ट्रेन की छत पर चढ़ गया। इस घटना से रेलवे प्रशासन और यात्रियों में अफरा-तफरी मच गई। जानकारी के अनुसार, दोपहर 2:03 बजे चल रही एसी लोकल ट्रेन विठ्ठलवाडी स्टेशन पर पहुंची, तभी एक युवक अचानक ट्रेन की छत पर चढ़ गया। प्रत्यक्षदर्शियों के मुताबिक युवक नशे की हालत में था। मौके पर मौजूद पुलिसकर्मियों और रेलवे स्टाफ ने उसे नीचे उतारने की कोशिश की, लेकिन उसने किसी की बात नहीं मानी। स्थिति की गंभीरता को देखते हुए ट्रेन को सावधानीपूर्वक कल्याण स्टेशन तक लाया गया। इस दौरान यात्रियों में डर और तनाव का माहौल बना रहा। कल्याण स्टेशन पहुंचने के बाद रेलवे कर्मचारियों और पुलिस ने संयुक्त रूप से रेस्क्यू ऑपरेशन शुरू किया। करीब 2 से 3 स्ट्रेचर हमाल ट्रेन की छत पर चढ़े और लगभग 2:50 बजे युवक को सुरक्षित नीचे उतार लिया गया। इसके बाद उसे तुरंत रेलवे पुलिस के हवाले कर दिया गया। व्यक्ति की पहचान मलका फिद्रे (25) के रूप में हुई, जिसे जीआरपी के हवाले कर दिया गया। अधिकारी ने बताया कि इस घटना के कारण कुछ समय तक ट्रेन सेवाएं बाधित रहीं।

करंट लगने से बचाया

उस व्यक्ति को बिजली का करंट न लगे इसके लिए ओवरहेड उपकरण (डल्एए) की बिजली आपूर्ति बंद कर दी गई। स्टेशन अधिकारियों की समर्पित टीम ने समन्वय के साथ कुछ ही मिनटों में, ओएचई (डल्एए) की बिजली आपूर्ति को समय पर बंद कर उस व्यक्ति को सुरक्षित रूप से प्लेटफॉर्म पर उतारा।

केवल 12 मिनट में ही पूरी कार्रवाई की गई

सफल बचाव अभियान और पूरी सुरक्षा जांच के बाद, 2:52 बजे ओएचई को पुन: चालू किया गया। केवल 12 मिनट में ही पूरी कार्रवाई की गई। 25 वर्षीय व्यक्ति, जिसकी पहचान मलका सिदरे के रूप में हुई है। आगे की कार्रवाई के लिए गवर्नमेंट रेलवे पुलिस को सौंप दिया गया।

बदलापुर में सजेगा छत्रपति शिवाजी महाराज कप का मंच

डिप्टी सीएम ने किया स्पर्धा के लोगो का अनावरण

हिंदमाता संवाददाता @ ठाणे

आगामी 13 से 17 मई तक बदलापुर में होने वाली छत्रपति शिवाजी महाराज कप राज्य स्तरीय बॉलीबॉल स्पर्धा के लिए तैयारी का निर्देश डिप्टी सीएम एकनाथ शिंदे ने ठाणे जिला प्रशासन को दिया है। मुंबई के सह्याद्रि गेस्ट हाउस पर स्पर्धा की तैयारियों को लेकर आयोजित समीक्षा बैठक में जिले के पालकमंत्री एकनाथ शिंदे ने कहा कि यह 18 से 21 साल के लड़के-लड़कियों के लिए एक स्टेट-लेवल कॉम्पिटिशन है।

प्लेयर्स के लिये व्यवस्था

इसे स्पोर्ट्स डिपार्टमेंट और कुलगांव बदलापुर म्युनिसिपल काउंसिल ने ऑर्गनाइज किया है। इस कॉम्पिटिशन की ऑर्गनाइज़िंग कमिटी के चेयरमैन ज़िले के गार्डियन मिनिस्टर हैं। मीटिंग में प्लेयर्स के रहने और खाने के इंतजाम, मैदान की तैयारी, हेल्थ इंतजाम वगैरह पर चर्चा हुई। डिप्टी चीफ मिनिस्टर ने प्लेयर्स के रहने का अच्छा इंतजाम करने के लिए उक्ळ्ळड के जरिए 25 लाख रुपये का फंड देने का निर्देश दिया। इस बीच, इस मौके पर ठाणे डिवीजनल स्पोर्ट्स कॉम्प्लेक्स का भी रिव्यू किया गया।

अधिकारी रहे मौजूद

इस मौके पर स्पर्धा के लोगो का अनावरण डिप्टी चीफ मिनिस्टर ने किया। इस मीटिंग में टछअ किसन कथोरे, कुलगांव-बदलापुर म्युनिसिपल काउंसिल प्रेसिडेंट रुचिता घोरपड़े, डिप्टी चीफ मिनिस्टर के एडिशनल चीफ सेक्रेटरी असीम गुप्ता, स्पोर्ट्स डिपार्टमेंट के डिप्टी डायरेक्टर नवनाथ फरताड़े, डिस्ट्रिक्ट स्पोर्ट्स ऑफिसर सुवर्णा बारटक्के, सिविल सर्जन डॉ. कैलाश पवार, महाराष्ट्र वॉलीबॉल एसोसिएशन के पदाधिकारी वगैरह मौजूद थे। ठाणे डिस्ट्रिक्ट कलेक्टर श्रीकृष्ण पांचाल ने वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के जरिए मीटिंग में हिस्सा लिया।

ठाणे की अदालत ने कलवा में हुई हत्या मामले में तीन आरोपियों को बरी किया

हिंदमाता संवाददाता @ ठाणे

ठाणे की एक अदालत ने 2021 के एक हत्या के मामले में तीन आरोपियों को यह कहते हुए बरी कर दिया कि अभियोजन पक्ष आरोपियों का दोष संदेह से परे साबित करने में विफल रहा और प्रमुख गवाहों ने मामले का समर्थन नहीं किया। प्रधान जिला एवं सत्र न्यायाधीश एस.बी. अग्रवाल ने सोमवार को पारित आदेश में कहा कि मामले में चिकित्सकीय साक्ष्य से हत्या की पुष्टि हुई है लेकिन तीनों व्यक्ति इस अपराध से जुड़े हुए हैं, यह साबित करने के लिए यह साक्ष्य अपर्याप्त हैं। अभियोजन पक्ष के अनुसार, यह हत्या 2021 में महाराष्ट्र के ठाणे शहर के कलवा इलाके में हुई थी जहां आरोपियों ने शराब के सेवन को लेकर हुए आर्थिक विवाद के बाद गुलाब शेख पर छाते के लोहे के पाइप से हमला कर दिया था, जिसकी बाद में मृत्यु हो गई। अभियोजन पक्ष ने मुकदमे के दौरान एक मुखाबिर, एक चिकित्सा अधिकारी, एक जांच अधिकारी और दो "चश्मदीद गवाहों" सहित कुल आठ गवाहों से पूछताछ की। अदालत ने अभियोजन पक्ष के मामले में महत्वपूर्ण कमियां पाईं। दोनों कथित चश्मदीद गवाहों ने भी अभियोजन का समर्थन नहीं किया। अदालत ने कथित हथियार बरामदगी से जुड़े साक्ष्यों को भी कमजोर पाया। अदालत ने टिप्पणी की, "उपरोक्त सभी पहलुओं पर विचार करते हुए, यह नहीं कहा जा सकता है कि अभियोजन पक्ष आरोपियों के दोष को साबित करने में सफल रहा है।" इसके बाद अदालत ने आकाश किसान पालस (25), फैसल फैयाज खान (27) और सनी धानु सोनकर (30) को बरी कर दिया।

पालघर में 44 लाख रुपए की 'ब्राउन शुगर' बरामद

हिंदमाता संवाददाता @ पालघर

महाराष्ट्र के पालघर जिले में पुलिस ने 44 लाख रुपए से अधिक मूल्य की "ब्राउन शुगर" जब्त करने के बाद दो व्यक्तियों को गिरफ्तार कर लिया और एक नाबालिग को हिरासत में लिया। एक अधिकारी ने मंगलवार को यह जानकारी दी। जिले के पुलिस अधीक्षक (एसपी) यतीश देशमुख ने बताया कि मादक पदार्थों की तस्करी की गतिविधियों के बारे में मिली सूचना के आधार पर पुलिस ने रविवार को सफाला के पंडित पाड़ा इलाके की एक इमारत में स्थित फ्लैट पर छापा मारा। उन्होंने कहा, ""छापेमारी के दौरान हमने 224.61 ग्राम "ब्राउन शुगर" जब्त की, जिसकी कीमत 44,92,200 रुपए है। इसके अलावा नकदी, कुछ पैकिंग सामग्री और अन्य सामान भी बरामद किए गए, जिससे जब्त किए गए सामान का कुल मूल्य 45,25,850 रुपये हो गया।""

दो गिरफ्तार, एक नाबालिग को हिरासत में लिया

अधिकारी ने बताया कि पुलिस ने उत्तराखंड निवासी खुदाबक्श मोहम्मद साहिद (38) और उत्तर प्रदेश निवासी हीना जमील अहमद (35) को गिरफ्तार कर लिया तथा एक नाबालिग को हिरासत में ले लिया। उन्होंने बताया कि सोमवार को आरोपी के खिलाफ स्वापक औषधि एवं मन: प्रभावी पदार्थ (एनडीपीएस) अधिनियम की संबंधित धाराओं के तहत प्राथमिकी दर्ज की गई। पुलिस ने बताया कि गिरफ्तार व्यक्तियों को स्थानीय मजिस्ट्रेट के सामने पेश किया गया, जिन्होंने उन्हें आठ मई तक पुलिस हिरासत में भेज दिया, जबकि नाबालिग को सुधार गृह भेज दिया गया।

भिवंडी में नशे और गुटखा कारोबार के खिलाफ एनसीपी (अजित गुट) का प्रदर्शन

हिंदमाता संवाददाता @ भिवंडी

शहर में बढ़ते नशे, गुटखा और कथित अवैध जुआ कारोबार के खिलाफ राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी (अजित पवार गुट) ने मंगलवार को जोरदार विरोध प्रदर्शन किया। पार्टी के शहर अध्यक्ष प्रवीण पाटिल के नेतृत्व में कार्यकताओं ने सड़क पर नशे जैसी सामग्री और गुटखा जलाकर प्रशासन के खिलाफ नारेबाजी की और तत्काल सख्त कार्रवाई की मांग उठाई। प्रदर्शन के दौरान प्रवीण पाटिल ने आरोप लगाया कि सुनियोजित तरीके से भिवंडी को नशे का हब बनाने की कोशिश की जा रही है। उन्होंने कहा कि अन्य राज्यों और शहरों से बड़े पैमाने पर ड्रग्स और कोकीन लाकर गोदामों में जमा किया जा रहा है, लेकिन स्थानीय प्रशासन इस गंभीर मुद्दे पर पूरी तरह लापरवाह बना हुआ है। उन्होंने बताया कि हाल ही में स्थानीय विधायक ने विधानसभा में गुटखा और जुआ अड्डों का मुद्दा उठाया था, जिस पर मुख्यमंत्री ने कार्रवाई का आश्वासन दिया था। इसके बावजूद केवल लगभग 15 दिनों तक ही गुटखा बिक्री पर रोक दिखाई दी और अब फिर खुलेआम इसका कारोबार शुरू हो गया है। साथ ही, कथित रूप से जुआ क्लब भी धड़ल्ले से संचालित हो रहे हैं। प्रवीण पाटिल ने राहनाल क्षेत्र में नारकोटिक्स कंट्रोल ब्यूरो (एनसीबी) की हालिया कार्रवाई का उल्लेख करते हुए कहा कि एक गोदाम से करीब 1700 करोड़ रुपये मूल्य की

ड्रग्स बरामद होना इस बात का प्रमाण है कि बाहरी तत्व भिवंडी को नशे के कारोबार का केंद्र बना रहे हैं। उन्होंने सवाल उठाया कि इतनी बड़ी गतिविधि के बावजूद स्थानीय प्रशासन को इसकी भनक तक क्यों नहीं लगी। उन्होंने आरोप लगाया कि शहर के विभिन्न इलाकों में गांजा, ड्रग्स और अन्य नशीले पदार्थों की गुप्त बिक्री हो रही है, जिससे युवा पीढ़ी प्रभावित हो रही है और शहर की छवि भी धूमिल हो रही है। पार्टी ने मांग की है कि भिवंडी में नशा, गुटखा और जुआ के खिलाफ विशेष अभियान चलाकर दोषियों पर कड़ी कार्रवाई की जाए। इस दौरान पार्टी के कई पदाधिकारी, कार्यकर्ता और स्थानीय नागरिक बड़ी संख्या में मौजूद रहे।

22,38,385 लाख का नशीला माल जब्त, 300 पर कार्रवाई

हिंदमाता संवाददाता @ वसई

मिरा-भायंदर, वसई-विरार पुलिस आयुक्तालय के अंतर्गत पुलिस उप आयुक्त परिमंडल-2, वसई क्षेत्र में 28 अप्रैल 2026 से 4 मई 2026 तक ड्रग्स मुक्त भारत अभियान चलाकर नशीले पदार्थों के खिलाफ व्यापक कार्रवाई की गई। इस अभियान में बड़ी मात्रा में ड्रग्स जब्त करने के साथ ही सैकड़ों आरोपियों पर सख्त कार्रवाई की गई है। जिसमें 3 नाइजीरियन आरोपी भी शामिल है। यह विशेष अभियान पुलिस आयुक्त निकेत कौशिक और अपर पुलिस आयुक्त दत्तात्रेय शिंदे के मार्गदर्शन में चलाया गया। अभियान के दौरान ड्रग्स का सेवन करने वाले, अवैध रूप से नशीले पदार्थों की तस्करी, बिक्री और कब्जा रखने वाले आरोपियों के खिलाफ कड़ी कार्रवाई की गई। परिमंडल-2 वसई के अंतर्गत माणिकपुर, वसई, नायगांव, वालीव, आचोळे और तुलींज पुलिस थानों में कुल 17 पजेशन केस दर्ज कर 2238385 रुपए मूल्य का नशीला पदार्थ जब्त किया गया। इसके अलावा 158 ड्रग्स सेवन के मामलों में आरोपियों पर कार्रवाई की गई। वहीं 134 आरोपियों पर प्रतिबंधात्मक कार्रवाई हुई।

मुंब्रा में ठाणे महानगर पालिका के अस्पताल में एम्बुलेंस नहीं!

हिंदमाता संवाददाता @ मुंब्रा

मुंब्रा में ठाणे महानगर पालिका(ठामपा) का 'स्वतंत्र सेनानी हकीम अजमल खान अस्पताल' अपनी असुविधाओं के चलते हमेशा सुर्खियों में रहा है। कभी मरीज को घंटे कोई डॉक्टर देखने नहीं आता,तो कभी मरीज को भर्ती ही नहीं किया जाता,कभी दूसरे अस्पताल ले जाने को कह कर टाल मटोल कर दिया जाता है। और तो और अस्पताल बने कितने वर्ष हो चुके हैं लेकिन अभी तक यहां एंबुलेंस की सुविधा नहीं है। जिस पर ठाणे महानगर पालिका के विरोधी पक्ष के नेता अशरफ(शानू)पठान ने यहां का दौरा किया और ठाणे महानगरपालिका को एक पत्र जारी कर इस अस्पताल में एंबुलेंस की सुविधा तुरंत कराए जाने की मांग की। पठाण ने बताया के एम्बुलेंस की सुविधा यहां ना होना यह बहुत गंभीर बात है यहां से

मरीजों को इलाज के लिए दुसरे अस्पताल भेजने के लिए बहुत परेशानी और महंगा पडता है। अस्पताल में भर्ती मरीजों को अपने खर्चे पर दूसरे अस्पताल में शिफ्ट करना पड़ता है। जबकि यहां अधिकतम गरीब मरीज ही आते हैं। ऐसे में वह ऐंबोलैंस का खर्च कहां से उठा पऐंगे अशरफ पठान ने बताया कि हमने यहां अस्पताल की डिन और महानगरपालिका के स्वास्थ्य विभाग के कई अधिकारियों के साथ दौरा किया इन अधिकारियों ने भी देखा अस्पताल कि कमियों और खास करके एंबुलेंस की जरूरत को देखा । में ने महानगर पालिका से अपील की है कि तुरंत यहां पर एंबुलेंस उपलब्ध कराई जाए। इस दौरे में राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी शरद चंद्र पवार के मुंब्रा कलवा विधानसभा के अध्यक्ष शमीम खान भी मौजूद थे।

हिंदमाता एंकर: कल्याण में एंटी नारकोटिक्स सेल की बड़ी कार्रवाई, तीन शातिर अपराधी गिरफ्तार, तीनों पर पहले भी दर्ज हैं कई मामले

21 लाख रुपए का 107 किलो गांजा जब्त, तीन गिरफ्तार

हिंदमाता संवाददाता @ कल्याण

कल्याण की अमली पदार्थ विरोधी पथक (एंटी नारकोटिक्स सेल) ने बड़ी कार्रवाई करते हुए 21 लाख 40 हजार रुपये कीमत का 107 किलो गांजा जब्त किया है। पुलिस ने इस मामले में 3 तस्करों को गिरफ्तार किया है। गिरफ्तार आरोपियों के नाम वसीम खान उर्फ पिला, दिनेश कुमार और मोहित वर्मा बताए गए हैं। पुलिस के अनुसार, खडकपाड़ा पुलिस थाना क्षेत्र में मादक पदार्थों की खरीद-फरोख्त होने की गुप्त सूचना एंटी नारकोटिक्स टीम को मिली थी। सूचना के आधार पर सहायक पुलिस निरीक्षक अनिल गायकवाड़ और उपनिरीक्षक जितेंद्र ठोके के नेतृत्व में पुलिस टीम ने वाडेघर परिसर स्थित वाडेकर डम्पिंग ग्राउंड के पास जाल बिछाया।

तलाशी में 107 किलो गांजा बरामद

इस दौरान वहां संदिग्ध गतिविधियां करते हुए 3 युवक दिखाई दिए। पुलिस ने उन्हें रोककर पूछताछ की तो उनके पास हरे और सफेद रंग की बोरियां मिलीं, जिससे शक और गहरा गया। जांच के दौरान तीनों आरोपियों ने मौके से भागने की कोशिश की, लेकिन पुलिस टीम ने तत्परता दिखाते हुए उन्हें दबोच लिया। तलाशी में उनके पास से भारी मात्रा में गांजा बरामद हुआ, जिसका कुल वजन 107 किलो और कीमत 21.40 लाख रुपये आंकी गई है।

नशे के नेटवर्क की तलाश में जुटी पुलिस

पुलिस जांच में सामने आया है कि तीनों आरोपी शातिर अपराधी हैं और इनके खिलाफ पहले भी मादक पदार्थ तस्करी के मामले दर्ज हैं। पुलिस को शक है कि इस मामले के पीछे एक बड़ा रैकेट सक्रिय है। कल्याण के पुलिस उपायुक्त अतुल झेंडे ने बताया कि यह गांजा कहां से लाया गया, किसे सप्लाई किया जाना था और इसके पीछे मुख्य सरगना कौन है, इसकी गहन जांच की जा रही है।

शॉर्ट स्टोरी

पश्चिम बंगाल चुनाव में भाजपा की शानदार जीत के उत्सव में भाजपा महाराष्ट्र प्रदेश कार्यालय में भाजपा महिला मोर्चा की अध्यक्ष चित्रा ताई वाघ, मुंबई महापौर रितु तावडे जी के साथ उत्तर भारतीय मोर्चा, महाराष्ट्र के उपाध्यक्ष अर्जुन गुप्ता, वरली भाजपा के वरिष्ठ उपाध्यक्ष बालगोविंद तिवारी, संदीप गुप्ता आदि ने शमिल होकर जश्न मनाया। बंगाल में पहली बार बीजेपी सत्ता में आई है। बीजेपी को प्रचंड बहुमत मिला है।

15 लाख के गहने वापस किए, डीसीपी राहुल चव्हाण ने किया सम्मान

हिंदमाता संवाददाता @ भायंदर

मीरा भायंदर में एक ऑटो-रिक्शा चालक ने 10 तोला वजन के सोने के गहने वाला एक बैग वापस करके अपनी ईमानदारी दिखाई, जिसे वह अपने ऑटो-रिक्शा में भूल गया था। पुलिस उपायुक्त मीरा-भायंदर राहुल चव्हाण ने इस अवसर पर रिक्शा चालक को गुलदस्ता देकर सम्मानित किया। मीरा रोड ईस्ट के सुरेश सिंह चौधरी (52), जो एक किराने की दुकान के मालिक हैं और बी-विंग, विनय हाइट्स, बेवर्ली पार्क में रहते हैं, राजस्थान से मुंबई लौट रहे थे, जब वह रिक्शा में 10 तोला सोने वाला अपना बैग भूल गए, जब वे मीरा रोड स्टेशन से मैरीगोल्ड, मीरा रोड स्थित अपने आवास पर आ रहे थे। उसी समय, रिक्शा चालक ने खुद लगभग 15 लाख 20 हजार मूल्य के 10 तोला सोने का अपना ईमानदारी से भूल गया बैग मालिक को वापस कर दिया। रिक्शा चालक की पहचान चंद्रशेखर मुरली यादव के रूप में हुई है। पेन्कारपाड़ा के इस कार्य के लिए क्षेत्र में उनकी प्रशंसा की जा रही है। पुलिस उपायुक्त, सर्कल-1, राहुल चव्हाण और सहायक पुलिस आयुक्त गणपत पिंगले ने रिक्शा चालक का स्वागत किया।

उड़ान पुल पर अनाधिकृत डिवाइडर बना खतरा, कार टकराई; बड़ा हादसा टला

हिंदमाता संवाददाता @ भिवंडी

शहर के बीच स्थित राजीव गांधी उड़ान पुल पर रविवार देर रात एक कार अनाधिकृत डिवाइडर से टकरा गई। घटना रात करीब 12 बजे की है। टक्कर में कार क्षतिग्रस्त हुई, लेकिन राहत की बात यह रही कि किसी तरह की जनहानि नहीं हुई। जानकारी के मुताबिक, भिवंडी से शादी समारोह में शामिल होकर लौट रहे परिजन कार (MH04 DR 5584) से वहई जा रहे थे। वाहन जैसे ही बाग-ए-फिरदौस मस्जिद के पास से फ्लाईओवर पर चढ़ा और कल्याण नाका की ओर बढ़ा, तभी बीच सड़क पर बने डिवाइडर से जा टकराया। प्रत्यक्षदर्शियों का कहना है कि डिवाइडर पर न तो रिफलेक्टर लगे थे और न ही कोई चेतावनी संकेत या पेंट किया गया था। अंधेरे में यह दिखाई नहीं दे सका, जिससे हादसा हुआ। स्थानीय लोगों ने आरोप लगाया कि यह डिवाइडर अनाधिकृत रूप से बनाया गया है और इससे पहले भी यहां दुर्घटना का खतरा बना रहता है। घटना के बाद कुछ देर के लिए अफरा-तफरी का माहौल रहा। आसपास के लोगों ने तुरंत मौके पर पहुंचकर मदद की। गनीमत रही कि कार सवारों को गंभीर चोट नहीं आई। स्थानीय नागरिकों ने प्रशासन से मांग की है कि अनाधिकृत डिवाइडर को तुरंत हटाया जाए और पुल पर उचित संकेतक व रोशनी की व्यवस्था की जाए, ताकि भविष्य में इस तरह की घटनाओं से बचा जा सके।

गुंडो ने रात को आटा चक्की में घुसकर की मारपीट और चोरी

हिंदमाता संवाददाता @ कल्याण

कल्याण पूर्व के साईबाबा नगर इलाके में एक आटा चक्की के अंदर सोए हुवे युवक को जबरन ताला खोलने को कहा गया ताला खोलने के बाद उससे मारपीट के साथ पैसों की चोरी किये जाने की घटना हुई है । इस घटना में एक युवक घायल हो गया, जिसके बाद उसने कोलसेवाडी पुलिस स्टेशन में मारपीट और चोरी शिकायत दर्ज कराई है। पीड़ित अवनीश दयानंद पांडे (25) ने बताया कि वह पिछले करीब तीन महीने से साई दर्शन फ्लोर मिल में काम कर रहा है और उसी जगह पर रह भी रहा था। घटना 3 मई की सुबह करीब 3.40 बजे की है, जब वह और उसका दोस्त रामबाबू मौर्य चक्की में सो रहे थे। शिकायत के अनुसार, इसी दौरान कुछ लोग शटर जोर जोर से बजाने लगे । जब पीड़ित ने शटर खोला तो उसके परिचित का आकाश पांडे और प्रदीप पांडे अपने दो अन्य साथियों के मिलकर बिना किसी कारण के लाठी-डंडों से मारपीट की। पीड़ित का कहना है कि आरोपियों ने उसके पेट और हाथ पर वार किया, साथ ही आटा चक्की में लगा मोटर कवर और सीलिंग फैन तोड़ दिया, और चक्की में कमाई का पैसा भी चोरी कर वहां से सभी फरार हो गये । घटना के बाद कोलसेवाडी पुलिस स्टेशन पहुंचा, जहां से उसे पहले इलाज के लिए अस्पताल भेजा गया। इलाज और एक्स-रे के बाद शिकायत दर्ज किया है। पुलिस ने मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है और आरोपियों की तलाश जारी है।

वसई-विरार में तेज हुई भयंकर ट्रैफिक जाम का काम तमाम करने की तैयारी

हिंदमाता संवाददाता @ पालघर

वसई-विरार शहर में लगातार बढ़ती ट्रैफिक समस्या से निजात दिलाने के लिए चार रेलवे ओवरब्रिज (आरओबी) परियोजनाओं को लेकर प्रशासन ने अब तेजी दिखानी शुरू कर दी है। इन महत्वपूर्ण परियोजनाओं को प्राथमिकता देने के उद्देश्य से मंगलवार को जनप्रतिनिधियों और अधिकारियों ने संयुक्त निरीक्षण कर काम को गति देने के निर्देश दिए। वसई-विरार का विस्तार लगभग 380 वर्ग किलोमीटर तक फैला हुआ है और शहर की आबादी 25 लाख के करीब पहुंच चुकी है। इसके साथ ही वाहनों की संख्या में भी तेजी से इजाफा हुआ है, जिससे शहर की सड़कों पर भारी दबाव पड़ रहा है। खासकर पूर्व से पश्चिम जाने वाले मार्गों पर रोजाना गंभीर ट्रैफिक जाम की समस्या सामने आती है। इसी समस्या के स्थायी समाधान के लिए वसई-विरार शहर महानगरपालिका द्वारा चार रेलवे ओवरब्रिज के प्रस्ताव तैयार कर मुंबई महानगर क्षेत्र विकास प्राधिकरण (एमएमआरडीए) को भेजे गए थे। इन प्रस्तावों में उमेळमान (वसई), आचोळे और अलकापुरी (नालासोपारा) तथा विराट नगर (विरार) क्षेत्रों के ओवरब्रिज शामिल हैं। इससे पहले मुंबई में संजय मुखर्जी के साथ हुई बैठक में इन परियोजनाओं को जल्द शुरू करने का आश्वासन दिया गया था। इसी कड़ी में मंगलवार को विधायक स्नेहा दुबे पंडित और महापौर अजीव पाटील ने एमएमआरडीए और महानगरपालिका के अधिकारियों के साथ प्रस्तावित स्थलों का निरीक्षण किया। निरीक्षण के दौरान परियोजनाओं के आराखड़े (डिजाइन) और मौजूदा तकनीकी अड़चनों की समीक्षा की गई। अधिकारियों ने जानकारी दी कि विराट नगर और ओसवाल नगरी क्षेत्र में भूमि उपलब्धता को ध्यान में रखते हुए यहां सबसे पहले काम शुरू किया जाएगा। अब तक रेलवे स्टेशन और ट्रैक चौड़ीकरण के कारण इन परियोजनाओं में देरी हो रही थी, लेकिन अब ये बाधाएं दूर हो चुकी हैं। महापौर अजीव पाटील ने कहा कि सभी आवश्यक प्रक्रियाएं पूरी कर जल्द ही काम को जमीन पर उतारा जाएगा। इसके अलावा वसई विधानसभा क्षेत्र के अंतर्गत आने वाले वसई-उमेळमान रेलवे ओवरब्रिज को गति देने के लिए वसई पूर्व के मधुबन इलाके में भी अधिकारियों के साथ स्थल निरीक्षण किया गया।

ममता दीदी राहुल गांधी की बात मानतीं, तो नतीजा कुछ और होता

संजय राउत का बंगाल हार पर बड़ा दावा

हिंदमाता संवाददाता @ मुंबई

पश्चिम बंगाल और तमिलनाडु के चुनावी नतीजों ने देश की सियासत में हलचल पैदा कर दी है। इन परिणामों पर प्रतिक्रिया देते हुए शिवसेना (यूबीटी) के कद्दावर नेता और सांसद संजय राऊत ने ममता बनर्जी पर तीखा हमला बोला है। राउत ने स्पष्ट शब्दों में कहा कि बंगाल में तृणमूल कांग्रेस की स्थिति के लिए ममता बनर्जी की जिद जिम्मेदार है। संजय राऊत ने राहुल गांधी के नेतृत्व और उनकी राजनीतिक समझ की जमकर तारीफ की। उन्होंने कहा कि राहुल गांधी एक दूरदर्शी नेता हैं और उनका विजन बिल्कुल सही साबित हुआ है। उन्होंने जो कुछ भी भविष्यवाणी की थी, वह आज सच हो गई है। यह ममता दीदी का एक गंभीर अपराध है कि उन्होंने राहुल गांधी की बात नहीं मानी। यदि ममता दीदी समय रहते राहुल गांधी के साथ बैठकर चर्चा करतीं और इंडिया गठबंधन के साथ मिलकर चुनाव लड़तीं, तो आज पश्चिम बंगाल के नतीजे कुछ और ही होते। राऊत के अनुसार, विपक्ष की एकता ही भाजपा को रोकने का एकमात्र रास्ता था, लेकिन व्यक्तिगत महत्वाकांक्षाओं के कारण यह मौका हाथ से निकल गया। उन्होंने राहुल गांधी को एक ऐसा नेता बताया जो आने वाले समय की आहट को पहले ही पहचान लेते हैं।

चुनाव आयोग पर गंभीर आरोप

केवल चुनावी रणनीतियों पर ही नहीं, बल्कि संजय राऊत ने देश की संवैधानिक संस्थाओं पर भी बड़े सवाल खड़े किए हैं। उन्होंने पश्चिम बंगाल चुनाव की निष्पक्षता पर संदेह जताते हुए कहा कि इन राज्यों में चुनाव चोरी किए गए हैं। राऊत ने कहा, पश्चिम बंगाल चुनाव परिणामों को चुनाव आयोग ने पूरी तरह से हाइजैक कर लिया है। इन राज्यों में मतदाताओं के जनादेश के साथ खिलवाड़ किया गया है। उन्होंने संकेत दिया कि जहां विपक्ष मजबूत था, वहां प्रशासनिक मशीनरी का दुरुपयोग कर नतीजों को प्रभावित करने की कोशिश की गई है।

विपक्ष के लिए आत्ममंथन का समय

संजय राऊत का यह बयान विपक्षी खेमे के भीतर चल रही खींचतान को भी उजागर करता है। उनका मानना है कि अगर भविष्य में भाजपा का मुकाबला करना है, तो सभी क्षेत्रीय क्षत्रपों को अपने मतभेद भुलाकर राहुल गांधी के विजन पर भरोसा करना होगा। राऊत ने चेतावनी भरे लहजे में कहा कि अगर विपक्षी दल एक-दूसरे की बात नहीं मानेंगे, तो लोकतंत्र को बचाना मुश्किल हो जाएगा। बंगाल की हार को उन्होंने एक 'सबक' के रूप में देखने की सलाह दी है।

मंत्री नितेश राणे को बड़ी राहत

■ बॉम्बे हाईकोर्ट ने जेल की सजा पर लगाई रोक

हिंदमाता संवाददाता @ कोल्हापुर

महाराष्ट्र के मंत्री नितेश राणे को जेल नहीं जाना होगा। बॉम्बे हाईकोर्ट की कोल्हापुर बेंच ने राणे की सजा पर अमल पर रोक लगा दी है। साल 2019 में एनएचएआई के इंजीनियर पर कीचड़ फेंकने के मामले में पिछले महीने स्थानीय अदालत ने 1 महीने की जेल की सजा सुनाई थी। निचली अदालत ने देवेंद्र फडणवीस सरकार में मंत्री नितेश राणे को पिछले महीने 27 अप्रैल को एक महीने सजा सुनाई थी। लेकिन राणे फैसले के खिलाफ बॉम्बे हाईकोर्ट चले गए और यहां के कोल्हापुर बेंच ने अदालत के इस फैसले पर रोक लगा दी। साथ ही जेल की सजा मिलने के कारण नितेश राणे के विधायक या मंत्री पर आंच आने की जो बात कही जा रही थी उस पर कोई असर नहीं पड़ेगा। पीपल्स रिप्रेजेंटेशन एक्ट के नियम के अनुसार अगर किसी जन प्रतिनिधि को 2 साल या उससे अधिक की सजा होती है, तो उन्हें इस्तीफा देना पड़ता है, लेकिन नितेश राणे के केस में सजा महज एक महीने का है, और उस पर भी स्थगन मिल चुका है।

राणे और समर्थकों पर कई केस

इस प्रकरण के बाद पुलिस ने सख्ती दिखाते हुए राणे और उनके कई समर्थकों के खिलाफ आईपीसी की धारा 353 (सरकारी कर्मचारी को ड्यूटी करने से रोकने के लिए आपराधिक बल का प्रयोग), 504 (शांति भंग करना) और 506 (आपराधिक धमकी) के तहत केस दर्ज कर लिया था। पुलिस ने तब राणे को गिरफ्तार भी किया था। इसके कोर्ट में बाद वह जमानत पर बाहर आ अए थे। हालांकि यह केस कोर्ट में चलता रहा। फैसला आने के बाद राणे के वकील ऊपरी अदालत में चुनौती देंगे। अधिकारी को थप्पड़ मारे जाने की घटना को लेकर नितेश राणे ने कहा था कि उन्होंने यह कदम जनता की परेशानी दिखाने के लिए उठाया था। कोर्ट से सजा सुनाए जाने के फैसले के बाद उन्होंने हाईकोर्ट में अपील की थी।

क्या था मामला?

मामला जुलाई 2019 का है, तत्कालीन विधायक नितेश राणे कणकवली इलाके में मुंबई-गोवा हाईवे की खराब हालत का जायजा लेने पहुंचे थे। लेकिन सड़क पर गड्ढों और कीचड़ को लेकर स्थानीय लोगों ने भारी नाराजगी जताई। इसी दौरान राणे और उनके समर्थकों ने भारतीय राष्ट्रीय राजमार्ग प्राधिकरण (एनएचआई) के एक इंजीनियर को मौके पर बुलाया। लेकिन राणे ने उस इंजीनियर के साथ दुर्व्यवहार किया और उस पर कीचड़ डाल दिया। इस घटना का वीडियो वायरल हो गया और मामला राष्ट्रीय स्तर पर चर्चा में आ गया था।

प्रमोशन के एक दिन बाद ही हुई निलंबित

30 लाख की रिश्वत लेते धरी गई पुणे की महिला एपीआई

हिंदमाता संवाददाता @ पुणे

महाराष्ट्र के पुलिस महकमे से एक बेहद चौंकाने वाली खबर सामने आई है। पुणे पुलिस की आर्थिक अपराध शाखा में कार्यरत महिला सहायक पुलिस निरीक्षक वैशाली तोटेवार के खिलाफ आखिरकार निलंबन की कार्रवाई की गई है। भ्रष्टाचार निरोधक ब्यूरो (एसीबी) ने 30 लाख रुपए की रिश्वत मांगने के मामले में उन्हें रंगेहाथ गिरफ्तार किया था। गिरफ्तारी के बाद अब विभागीय स्तर पर भी सख्त कार्रवाई शुरू कर दी गई है।

जमीन विवाद जुड़े मामले में मांगी रिश्वत

जानकारी के मुताबिक, जमीन विवाद से जुड़े एक शिकायत आवेदन की जांच वैशाली तोटेवार के पास आई थी। आरोप है कि इस मामले में उन्होंने शिकायतकर्ता से 30 लाख रुपये की रिश्वत मांगी थी। अढकने शिकायतकर्ता से पहले 2 लाख रुपये ले लिए थे, बाकी बचे 28 लाख रुपये लेते समय एसीबी ने उन्हें गिरफ्तार कर लिया।

एसीबी ने बिछाया जाल

रिश्वत लेने की शिकायत मिलने के बाद एसीबी ने उन्हें पकड़ रंगे हाथ पकड़ने के लिए जाल बिछाया। इसके लिए पुणे के बंडगर इलाके के एक आलीशान पांच सितारा होटल चुना गया। जैसे API वैशाली तोटेवार शिकायतकर्ता से रिश्वत की बाकी बची रकम लेने होटल पहुंची, वहां मौजूद ACB की टीम ने उन्हें दबोच लिया। इस कार्रवाई के बाद पुलिस महकमे में हड़कंप मच गया।

किस्मत का खेल: प्रमोशन के एक दिन बाद ही हुई निलंबित

खास बात यह है कि इस कार्रवाई के ठीक एक दिन पहले ही वैशाली तोटेवार को पुलिस निरीक्षक (Police Inspector) पद पर पदोन्नति मिली थी और उनका तबादला मुंबई किया गया था। इतना ही नहीं, उन्हें पुणे पुलिस दल से कार्यमुक्त भी कर दिया गया था। लेकिन अगले ही दिन रिश्वतखोरी के मामले में गिरफ्तारी के बाद अब उनके निलंबन के साथ-साथ कार्यमुक्ति आदेश को भी रद्द करने की प्रक्रिया शुरू कर दी गई है। फिलहाल ACB मामले की आगे की जांच में जुटी है। पुणे पुलिस के आला अफसरों का कहना है कि भ्रष्टाचार के प्रति 'जीरो टॉलरेंस' की नीति अपनाई जाएगी। फिलहाल ACB इस बात की जांच कर रही है कि क्या इस रिश्वतकांड में विभाग के कुछ और लोग भी शामिल थे।

महाराष्ट्र विधानपरिषद की सभी 10 सीटों के प्रत्याशी निर्विरोध निर्वाचित घोषित किए गए

हिंदमाता संवाददाता @ मुंबई

महाराष्ट्र विधान परिषद (एमएलसी) चुनाव में सोमवार को उपसभापति नीलम गो-हे, पूर्व नेता प्रतिपक्ष अंबादास दानवे और पूर्व मंत्री बी कडू सहित सभी 10 उम्मीदवार निर्विरोध निर्वाचित घोषित किए गए। इन सीटों में से सत्तारूढ़ महायुति गठबंधन की अगुवाई कर रही भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) ने छह सीटें जीतीं, जबकि विपक्षी शिवसेना (उबाठा) को एक सीट मिली। एक सीट मौजूदा सदस्य के मध्यावधि इस्तीफे के कारण खाली हुई थी, जबकि अन्य सीटें विधान परिषद के द्विवार्षिक चुनावों के तहत भरी जानी थीं। चुनाव के लिए कुल 14 नामांकन दाखिल किए गए थे, जिनमें चार निर्दलीय उम्मीदवार भी शामिल थे। हालांकि, अनिवार्य शर्तें पूरी न करने के कारण इन निर्दलीय उम्मीदवारों के नामांकन खारिज कर दिए गए जिससे मैदान में केवल 10 उम्मीदवार ही रह गए। नामांकन वापस लेने की अंतिम तिथि सोमवार थी। चूंकि अतिरिक्त कोई उम्मीदवार मैदान में नहीं रहा, इसलिए सभी 10 उम्मीदवारों को निर्विरोध निर्वाचित घोषित कर दिया गया। भाजपा की ओर से निर्वाचित उम्मीदवारों में सुनील कर्जतकर, माधवी नाइक, संजय भेंडे, विवेक कोल्हे और प्रमोद जठार शामिल हैं। पार्टी ने एक अलग उपचुनाव के लिए पूर्व कांग्रेस एमएलसी प्रज्ञा सातव को भी मैदान में उतारा है।

मालवणी में दिनदहाड़े महिला से मारपीट

आरोपी के नशे में होने का शक, वायरल वीडियो से इलाके में आक्रोश

हिंदमाता संवाददाता @ मुंबई

मालाड पश्चिम के मालवनी इलाके में एक महिला के साथ दिनदहाड़े मारपीट का मामला सामने आया है। इस घटना का वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल हो गया है, जिसके बाद लोगों में नाराजगी देखी जा रही है। यह घटना एक व्यस्त सड़क पर हुई, जहां अचानक हुए विवाद ने हिंसक रूप ले लिया। दिन के समय हुई इस घटना ने स्थानीय लोगों को भी चौंका दिया है। मिली जानकारी के अनुसार, एक महिला और आरोपी के बीच सड़क पर बहस हो रही थी। देखते ही देखते यह बहस झगड़े में बदल गई और आरोपी ने महिला पर हमला कर दिया।

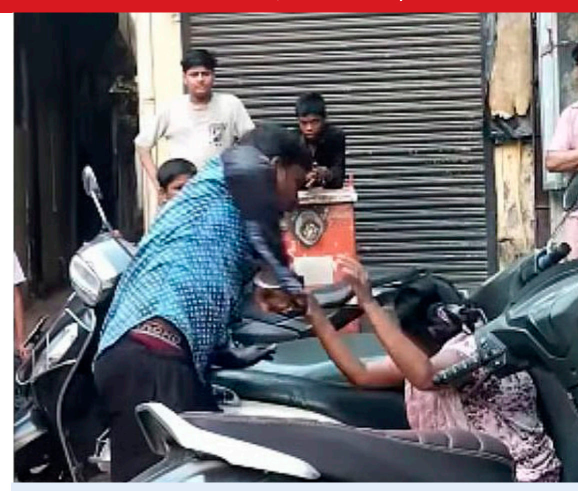

आरोपी फरार

घटना के बाद आरोपी मौके से भाग गया। पुलिस कार्रवाई को लेकर अभी स्पष्ट जानकारी सामने नहीं आई है। वायरल वीडियो में आरोपी को घटना के बाद वहां से जाते हुए देखा जा सकता है।

महिला के साथ मारपीट

घटना के दौरान महिला को लगातार धक्का और घूंसे मारे गए। यह पूरी घटना आसपास मौजूद लोगों के सामने हुई। वीडियो के आधार पर यह अंदेशा लगाया जा रहा है कि आरोपी नशे में था। वह काफी आक्रामक नजर आ रहा था और महिला पर लगातार हमला करता रहा। घटना के दौरान एक अन्य महिला ने हिम्मत दिखाते हुए हस्तक्षेप किया। इससे स्थिति और तनावपूर्ण हो गई। जब दूसरी महिला ने आरोपी को रोकने की कोशिश की, तो आरोपी ने उसे भी धमकाया। हालांकि, महिला समय रहते पीछे हट गई और बड़ा हादसा टल गया।

लोगों में नाराजगी

इस घटना के सामने आने के बाद लोगों में गुस्सा देखा जा रहा है। सोशल मीडिया पर कई लोग इस पर प्रतिक्रिया दे रहे हैं। लोगों का कहना है कि दिनदहाड़े इस तरह की घटना होना चिंता का विषय है और इससे महिलाओं की सुरक्षा पर सवाल खड़े होते हैं। फिलहाल, पुलिस की ओर से इस मामले में कोई आधिकारिक बयान सामने नहीं आया है। यह भी साफ नहीं हो पाया है कि आरोपी और पीड़ित एक-दूसरे को जानते थे या नहीं। मामले की जांच का इंतजार किया जा रहा है। मालवनी की यह घटना एक गंभीर मामला है, जिसने शहर में सुरक्षा को लेकर चिंता बढ़ा दी है। पुलिस की कार्रवाई के बाद ही स्थिति स्पष्ट हो पाएगी।

सलीम डोला की कस्टडी के लिए क्राइम ब्रांच ने कोर्ट में दाखिल की अर्जी

हिंदमाता संवाददाता @ मुंबई

ड्रग्स केस में करेगी जांच

अंडरवर्ल्ड डॉन दाऊद इब्राहिम के करीबी माने जाने वाले सलीम डोला की कस्टडी लेने के लिए मुंबई क्राइम ब्रांच ने विशेष एनडीपीएस कोर्ट में अर्जी दाखिल की है। कोर्ट से कस्टडी मिलने के बाद क्राइम ब्रांच सांगली ड्रग्स केस समेत विभिन्न मामलों के पूछताछ करेगी। क्राइम ब्रांच द्वारा दायर की अर्जी पर एनडीपीएस कोर्ट की अनुमति मिलने और डोला की एनसीबी कस्टडी मिलने के बाद ही मुंबई क्राइम ब्रांच को उसकी कस्टडी मिलेगी। फिलहाल सलीम डोला 8 मई तक एनसीबी की हिरासत में है, जहां उससे ड्रग्स से जुड़े मामलों में पूछताछ जारी है। क्राइम ब्रांच ने अर्जी दायर करके अदालत से प्रोडक्शन वारंट जारी करने की मांग की है, ताकि एनसीबी की रिमांड खत्म होने के बाद डोला को उनकी कस्टडी में लिया जा सके। कानूनी प्रक्रिया के तहत क्राइम ब्रांच को पहले कोर्ट में यह बताना होता है कि आरोपी की कस्टडी क्यों जरूरी है। यदि कोर्ट को लगता है कि अन्य मामलों में पूछताछ जरूरी है, तो वह प्रोडक्शन वारंट जारी कर देती है। इसके बाद संबंधित एजेंसी आरोपी को अपनी हिरासत में ले सकती है।

■ क्राइम ब्रांच पहले सांगली ड्रग्स केस, उसके बाद मैसूर ड्रग्स केस और उसके बाद तेलंगाना ड्रग्स केस समेत कई अन्य मामलों में लगातार कस्टडी लेगी। मुंबई क्राइम ब्रांच के अनुसार, सलीम डोला कई बड़े ड्रग्स नेटवर्क का अहम हिस्सा रहा है। जांच में सामने आया है कि सांगली, मैसूर और तेलंगाना में सामने आए ड्रग्स फैक्ट्री मामलों में उसकी भूमिका संदिग्ध है। इसके अलावा, 2024 में 4 किलो एमडी ड्रग्स जब्ती मामले में भी उसका नाम सामने आया था। क्राइम ब्रांच का मानना है कि डोला से पूछताछ के जरिए ड्रग्स नेटवर्क के बड़े गिरोह का खुलासा हो सकता है। अब इस मामले में अंतिम फैसला एनडीपीएस कोर्ट को करना है। अदालत की मंजूरी मिलने के बाद ही डोला को एनसीबी से मुंबई क्राइम ब्रांच को सौंपा जाएगा।

चुनाव आयोग की अनियमितताओं पर आनंद दुबे ने उठाए बुनियादी सवाल

हिंदमाता संवाददाता @ मुंबई

देश के विभिन्न राज्यों में हाल ही में संपन्न हुए चुनावों और आगामी चुनावी तैयारियों के बीच शिवसेना (UBT) के प्रवक्ता आनंद दुबे ने निर्वाचन आयोग की भूमिका पर गंभीर सवालिया निशान लगाए हैं। मुंबई में मीडिया से बात करते हुए दुबे ने कहा कि केवल एक राज्य नहीं, बल्कि हरियाणा, महाराष्ट्र, बिहार और पश्चिम बंगाल जैसे कई राज्यों से चुनाव आयोग के खिलाफ अनियमितताओं की शिकायतें आ रही हैं।

विपक्ष की मांग और भविष्य की राह

आनंद दुबे का यह बयान उस समय आया है जब विपक्षी दल एकजुट होकर चुनाव आयोग से अधिक पारदर्शिता की मांग कर रहे हैं। उन्होंने स्पष्ट किया कि संवैधानिक संस्थाओं को किसी भी दबाव से मुक्त होकर काम करना चाहिए ताकि जनता का भरोसा बना रहे। चुनावी प्रक्रिया में शुचिता और मतदाता के अधिकारों की रक्षा करना आयोग की प्राथमिक जिम्मेदारी है, जिसमें किसी भी प्रकार की कोताही बर्दाश्त नहीं की जा सकती।

संस्थानों पर बढ़ते आरोप और कानूनी चुनौतियां

आनंद दुबे ने चुनाव आयोग की निष्पक्षता पर चिंता व्यक्त करते हुए कहा कि जब भी चुनाव परिणामों या प्रक्रिया में गड़बड़ी की बात आती है, तो मामला अंततः अदालत की चौखट पर पहुंचता है। उन्होंने न्यायिक प्रक्रिया में होने वाली देरी पर कहा कि हम आरोप लगाते रहते हैं, लेकिन मामला जब कोर्ट जाता है, तो आप जानते ही हैं कि फैसला आने में कितना समय लग सकता है। फैसला तब आता है जब शायद उसकी प्रासंगिकता ही खत्म हो जाए।

मतदाता सूची में गड़बड़ी पर कड़ा रुख

शिवसेना (वइळ) प्रवक्ता ने मतदाता सूचियों में किए जा रहे बदलावों और नामों को हटाए जाने की प्रक्रिया (जैसे रक्षप्रक्रिया) पर विशेष ध्यान केंद्रित किया। उन्होंने जोर देकर कहा कि लोकतंत्र में सबसे बड़ी ताकत नागरिक का वोट है। दुबे ने कहा, यदि किसी भी प्रकार की अनियमितता हो रही है या किसी का नाम गलत तरीके से मतदाता सूची से हटाया जा रहा है, तो यह कतई नहीं होना चाहिए। यह लोकतंत्र की जड़ों को कमजोर करने जैसा है।

गैस संकट से अंतिम संस्कार पर असर

कल्याण-डोंबिवली में गैस शवदाहिनियां ठप

हिंदमाता संवाददाता @ मुंबई

खाड़ी युद्ध का असर अब स्थानीय स्तर पर भी दिखने लगा है। अमेरिका-इजरायल और ईरान के बीच तनाव के चलते गैस सप्लाई प्रभावित हुई है, जिसका सीधा असर कल्याण-डोंबिवली महानगरपालिका (केडीएमसी) के श्मशान घाटों पर पड़ा है। शहर के करीब 6-7 श्मशानों में पिछले डेढ़ महीने से गैस शवदाहिनियां बंद पड़ी हैं। वजह है, कमर्शियल गैस सिलेंडर की कमी। ऐसे में परिजनों को मजबूरन लकड़ी से अंतिम संस्कार करना पड़ रहा है।

स्थानीय लोगों की बढ़ी परेशानी

गैस शवदाहिनी में अंतिम संस्कार कम समय और कम खर्च में होता है, लेकिन फिलहाल सिलेंडर न होने से लोगों को लकड़ी का सहारा लेना पड़ रहा है। इससे समय भी ज्यादा लग रहा है और खर्च भी बढ़ रहा है। कई जगहों पर इसको लेकर परिजनों और श्मशान कर्मचारियों के बीच कहासुनी की भी घटनाएं सामने आई हैं।

स्थायी समाधान की जरूरत

स्थानीय लोगों का कहना है कि युद्धविराम के बाद भी अन्य जगहों पर गैस सप्लाई सामान्य हो चुकी है, लेकिन श्मशानों में अब भी कमी बनी हुई है, जो सवाल खड़े करती है। फिलहाल गैस की कमी के चलते लोगों को पारंपरिक तरीके से अंतिम संस्कार करना पड़ रहा है। ऐसे में अब जरूरत इस बात की है कि श्मशानों में स्थायी गैस व्यवस्था जल्द से जल्द शुरू की जाए, ताकि लोगों को इस कठिन समय में और परेशानी न झेलनी पड़े।

अंतरराष्ट्रीय स्थिति के कारण कमर्शियल गैस सिलेंडर की आपूर्ति प्रभावित हुई है। हमने राशन नियंत्रण विभाग से मासिक कोटे के अनुसार सिलेंडर उपलब्ध कराने की मांग की है। साथ ही श्मशानों में पीएनजी पाइपलाइन से गैस सप्लाई शुरू करने के प्रयास किए जा रहे हैं।
– मनोज सांगले, डोंबिवली कार्यकारी अभियंता

विठ्ठलवाड़ी श्मशान भूमि में महानगर गैस से व्यवस्था चल रही है। बाकी श्मशानों में भी पीएनजी कनेक्शन देने की कोशिश की जा रही है, ताकि भविष्य में ऐसी परेशानी न हो।
– जगदीश कोरे, कल्याण के कार्यकारी अभियंता

हिंदमाता एंकर: पश्चिम रेलवे पर पहली इलेक्ट्रिक ट्रेन (ईएमयू) 1928 में कोलाबा और अंधेरी के बीच शुरू की गई, पहली लेडीज स्पेशल 5 मई, 1992 को चर्चगेट से बोरीवली के बीच चली

34 साल की हुई कामकाजी महिलाओं को समर्पित पश्चिम रेलवे की लेडीज स्पेशल लोकल ट्रेन

हिंदमाता संवाददाता @ मुंबई

देश की आर्थिक राजधानी की लाइफलाइन कही जाने वाली मुंबई लोकल (ईएमयू) का इतिहास 100 साल से भी पुराना है। वर्ष 1925 में मुंबई में 4 डिब्बों की ई.एम.यू. सेवा बंबई वीटी (अब छत्रपति शिवाजी टर्मिनस) से हार्बर लाइन पर कुर्ला तक चलाई गई थी। पश्चिम रेलवे पर पहली इलेक्ट्रिक ट्रेन (ईएमयू) 1928 में कोलाबा और अंधेरी के बीच शुरू की गई। इसी तरह 1990 के दशक में मुंबई के दक्षिणी हिस्से में ज्यादा इंडस्ट्रियल और कमर्शियल ग्रोथ शुरू हुई। इसके साथ मुंबई में कामकाजी महिलाओं की संख्या बढ़ी। मुंबई लोकल में महिला डिब्बा बढ़ाने के साथ महिला स्पेशल लोकल चलाने की आवश्यकता महसूस हुई।

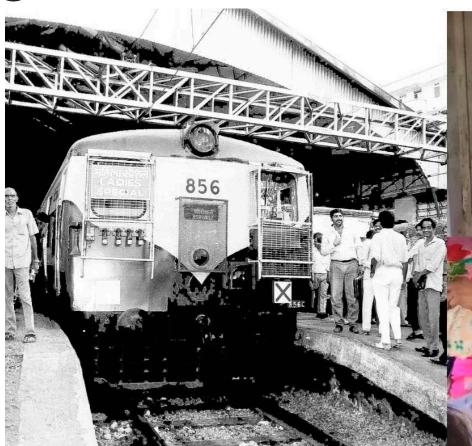

5 मई को चली पहली महिला स्पेशल

कामकाजी महिलाओं के लिए समर्पित पहली महिला स्पेशल लोकल की शुरूआत 5 मई 1992 को पश्चिम रेलवे पर हुई। वेस्टर्न रेलवे ने 5 मई, 1992 को अपनी पहली लेडीज स्पेशल चर्चगेट से बोरीवली के बीच शुरू की। उसे साल 1993 में विरार तक बढ़ा दिया गया था।

पीक आवर में राहत

वेस्टर्न रेलवे के सीपीआरओ विनीत अभिषेक ने कहा कि लेडीज स्पेशल उन काम करने वाली महिलाओं के लिए एक वरदान साबित हुई है, जिन्हें पहले रेगुलर ट्रेनों में लेडीज डिब्बे में चढ़ने के लिए बहुत मेहनत करनी पड़ती थी। लेडीज स्पेशल लोकल से पीक आवर में महिलाओं के लिए काफी राहत होती है। इन सालों में, न सिर्फ इन सर्विस की संख्या बढ़ी है, बल्कि लोकल ट्रेन के यात्रियों के बीच इनकी पॉपुलैरिटी भी बढ़ी है।

महिलाओं के लिए ज्यादा जगह

किसी अन्य लोकल डिब्बे में चढ़ने की सुविधा के अलावा, लेडीज स्पेशल ने सालों से अपनी महिला यात्रियों के बीच कम्युनिटी की भावना पैदा की है। इन सालों में उम्र या कम्युनिटी की परवाह किए बिना कई ट्रेन दोस्तियां बढ़ी हैं। रेगुलर यूजर्स के लिए, इस डेडिकेटेड सर्विस का मतलब है कि वे इस ट्रेन में बने दोस्तों के साथ दिन भर की बातें शेयर कर सकते हैं। ये ट्रेनें सिर्फ रेगुलर यात्रियों के लिए ही नहीं, बल्कि सीनियर महिला यात्रियों, प्रेग्नेंट महिलाओं और बच्चों के साथ यात्रा करने वाली महिलाओं के लिए भी फायदेमंद हैं। कभी-कभी हालात ऐसे होते हैं कि ऐसे लोगों को पीक आवर्स में यात्रा करनी पड़ती है, चाहे वह मेडिकल हो या कोई और वजह। ऐसे यात्रियों के लिए दूसरी ट्रेनों में चढ़ना या उतरना मुमकिन नहीं होता, खासकर बीच के स्टेशनों से, इसलिए लेडीज स्पेशल उनके लिए यात्रा आसान बनाती हैं।

10 लेडीज स्पेशल

इस समय वेस्टर्न रेलवे एक दिन में 10 लेडीज स्पेशल सर्विस चलाती है, जो सुबह और शाम के पीक आवर्स में अप और डाउन लाइनों के बीच चलती हैं। मंगलवार को महिलाओं ने लेडीज स्पेशल के 34 साल पूरा होने का जश्न भी मनाया। चर्चगेट स्टेशन पर महिला टीसी कर्मियों ने महिला यात्रियों को गुलाब के फूल देकर उनका स्वागत किया।

विचार प्रवाह

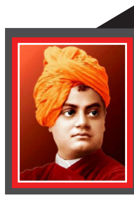

लोगों की निंदा से परेशान होकर, अपना रास्ता ना बदलना, क्योंकि सफलता शर्म से नहीं, साहस से मिलती है।
– स्वामी विवेकानंद

संपादकीय

यूपी में बंगाल इफेक्ट!

असम, केरल, तमिलनाडु, पश्चिम बंगाल और पुडुचेरी विधानसभाओं के चुनाव नतीजों को लेकर उत्तर प्रदेश में सबसे ज्यादा दिलचस्पी, फिलहाल, इस सवाल के जवाब में दिखाई देती है कि अगले साल होने जा रहे उसके विधानसभा चुनाव पर इनका झ्र खासकर पश्चिम बंगाल में भाजपा की 'हैरतअंगेज' दिग्विजय का – किस रूप में और कितना असर पड़ेगा? जवाब आसान होता, अगर यह दिग्विजय वाकई दिग्विजय होती। दूसरे शब्दों में कहें तो उसके लिए किये गए अश्वमेध यज्ञ ने जनादेश को सचमुच जनादेश रहने दिया होता और अम्पायर को अपनी तरफ मिलाकर चुनावी मुकाबले की सारी नैतिकताओं को मटियामेट न कर दिया होता। तब शायद किसी भी विश्लेषक को इस प्रश्न का उत्तर देते हुए इतनी 'सावधानी' न बरतनी पड़ती, जितनी बरतनी पड़ रही है। हैरत की बात यह कि इसके बावजूद कुछ ज्यादा ही सावधान विश्लेषक ऐसे-ऐसे उत्तर दे रहे हैं, जिन्हें सुनकर गत जनवरी में हुए महाराष्ट्र के नगर निकाय चुनाव के नतीजों को लेकर एक स्वनामधन्य विश्लेषक की टिप्पणी याद आने लगती है। उन्होंने लिखा था कि उनमें हुई सत्ता दलों की जीत का राष्ट्रीय स्तर पर व्यापक असर होगा। यह ठकुरसुहाती बर्दाश्त नहीं हुई तो मैंने उन्हें लिखा कि भाई, 2024 के लोकसभा चुनाव के महाराष्ट्र की सीटों के नतीजों का तो राष्ट्रीय स्तर पर कौन कहे, चंद महीनों बाद हुए इस राज्य के विधानसभा चुनाव तक के नतीजों पर कोई असर नहीं पड़ा और वे अप्रत्याशित रूप से उसके विलोम बन गए। फिर आप कैसे कह सकते हैं कि उसके नगर निकाय चुनाव के नतीजे राष्ट्रीय स्तर पर व्यापक प्रभाव डालेंगे? तब से कई महीने बीत गए, लेकिन उनके उत्तर की मेरी प्रतीक्षा खत्म नहीं हुई। कौन जाने, अब भाजपा की अभूतपूर्व पश्चिमबंगाल विजय के अगले बरस उत्तर प्रदेश विधानसभा चुनाव में एक बार फिर उसका कमल खिलाने में निर्णायक होने की बाबत लिख चुकें तो उत्तर देने की सोचें और मैं उनसे पूछूं कि यह असर मतदाताओं द्वारा पांच में से तीन राज्यों में सत्ता दलों को चलता कर देने या भाजपा के लगातार स्वतंत्र व निष्पक्ष चुनाव के आड़े आते रहने के विरुद्ध गुस्से के रूप में क्यों नहीं हो सकता? बहरहाल, उनको सोचने दीजिए और याद कीजिए: उत्तर प्रदेश के गत (2022 के) विधानसभा चुनाव में अखिलेश यादव की समाजवादी पार्टी (सपा) की लगभग उतनी ही मर्मांतक हार, जितनी पश्चिम बंगाल के इस चुनाव में ममता बनर्जी की तृणमूल कांग्रेस (टीएमसी) की हार बताई जा रही है, के बाद ममता ने अखिलेश को उस हार को हार न मानने और निराश न होकर संघर्ष करते रहने की सलाह दी थी। उन्होंने कहा था कि वे चुनाव नतीजे मतदाताओं का ईमानदारी से दिया गया जनादेश नहीं, बल्कि भाजपा द्वारा की गई वोटों की लूट है, हार के बावजूद सपा का वोट प्रतिशत 20% से बढ़कर 37% हो गया है, जो एक बड़ी उपलब्धि है और 'खेला अभी बाकी है'। अब चार साल बाद जब खुद उनके साथ ही खेला हो गया है, अच्छी बात है कि अखिलेश ने यह समझने में कतई देर नहीं की है कि अब ममता को उनसे वैसी ही हमदर्दी की जरूरत है। इसलिए उन्होंने यह कहने में कतई विलंब नहीं किया है कि भाजपा ने उसी मॉडल से बंगाल का चुनाव जीता है, जिससे 2024 के लोकसभा चुनाव में उत्तर प्रदेश में अपनी करारी शिकस्त के बाद विधायकों के सांसद बन जाने से रिक्त हुई विधानसभा सीटों के उपचुनाव जीते थे। तब चुनाव आयोग की मिलीभगत से समूची सरकारी मशीनरी द्वारा सत्तारूढ़ भाजपा को जिताने के लिए कुछ भी उठा न रखने का सिलसिला मिल्कीपुर और कटेहरी विधानसभा सीटों के उपचुनावों तक चलता आया था। इस सिलसिले की शुरुआत 2022 के रामपुर में लोकसभा व विधानसभा सीटों के उपचुनाव से हुई थी। तब एक के बाद एक उपचुनाव हारने से परेशान अखिलेश ने बुरी तरह हताश व निराश सपा कार्यकर्ताओं को यह कहकर आश्वस्त करने की कोशिश की थी कि 2027 में जब प्रदेश की सभी 403 सीटों के लिए विधानसभा का आम चुनाव होगा तो भाजपा के लिए इन उपचुनावों की तरह चुनाव आयोग और अपनी सत्ताशक्ति का दुरुपयोग करके जनादेश का अपहरण करना संभव नहीं होगा। उस वक्त उनकी बात पूरी तरह सही लगती थी, लेकिन अब बंगाल में प्रचंड बहुमत झटक भाजपा ने उसको भी गलत सिद्ध कर दिया है।

आज का इतिहास

- 1906 का रूसी संविधान अपनाया गया था।
- 1910 - जॉर्ज वी अपने पिता एडवर्ड सातवीं की मौत पर यूनाइटेड किंगडम का राजा बन गया था।
- 1916 - बीस लेबनान राष्ट्रवादियों को जेमील पाशा द्वारा मार्टर्स स्क्वायर, बेरूत में निष्पादित किया गया था।
- 1933 - द ड्यूश स्टूडेंटेंसचाफ्ट ने मैग्नस हिर्शफेल्ड के इंस्टिट्यूट फर लैंगिकविसेन्सचाफ्ट पर हमला किया था।
- 1940 - जॉन स्टीनबेक को उनके उपन्यास द ग्रेप्स ऑफ क्रथ के लिए पुलित्जर पुरस्कार से सम्मानित किया गया था।
- 1941 - कैलिफोर्निया के मार्च फील्ड में, बॉब होप ने अपना पहला यूएसओ शो किया था।
- 1945 - द्वितीय विश्व युद्धः एक्सिस सैली सहयोगी सैनिकों को अपना आखिरी प्रचार प्रसारित किया गया था।
- 1954 - रोजर बैनिस्टर चार मिनट से कम समय में मील चलाने वाला पहला व्यक्ति बन गया था।
- 1966 - माइरा हिंडली और इयान ब्रैडी को इंग्लैंड में मूर हत्याओं के लिए उम्रकैद की सजा सुनाई गई थी।
- 1983 - विशेषज्ञों द्वारा जांच के बाद हिटलर डायरीज को धोखाधड़ी के रूप में प्रकट किया गया था।
- 1984 - 103 कोरियाई शहीदों को सियोल में पोप जॉन पॉल द्वितीय द्वारा कैनन किया गया था।
- 1997 - बैंक ऑफ इंग्लैंड को राजनीतिक नियंत्रण से स्वतंत्रता दी गई थी।
- 1998 - रोजर क्लेमेंस द्वारा आयोजित प्रमुख लीग रिकॉर्ड को जोड़ने के लिए केरी वुड ने 20 ह्यूस्टन एस्ट्रोस को हड़ताल की थी।
- 1999 - विकसित स्कॉटिश संसद और वेल्श असेंबली के पहले चुनाव आयोजित किए गए थे।
- 2001 - सीरिया की यात्रा के दौरान, पोप जॉन पॉल द्वितीय एक मस्जिद में प्रवेश करने वाला पहला पोप बन गया था।
- 2002 - हिल्वर्सम में मेडियापार्क में एक रेडियो साक्षात्कार के बाद डच राजनेता पिम फोर्टुइन की हत्या कर दी गई थी।

थलपति विजय के सामने चुनौतियों का अंबार!

अरविंद केजरीवाल और आम आदमी पार्टी का संघर्ष विजय के लिए सबसे सही सबक साबित हो सकते हैं

हिंदमाता डेस्क @ मुंबई

थलपति विजय का पॉलिटिकल डेब्यू तो सुपरहिट हो गया। बेशक यह उपलब्धि हासिल करना भी बहुत बड़ा चैलेंज था, लेकिन आगे की चुनौती और भी ज्यादा लगती है। टॉप पहुंचने से भी कहीं ज्यादा मुश्किल होता है, पोजीशन को बनाए रखना। विजय के सामने अब सरकार बनाने, और उसे चलाने की चुनौती है, साथ ही अपने विधायकों को एकजुट रखने की भी। यह ठीक है कि तमिलगा वेत्री कजगम (टीवीके) के जरिए विजय तमिलनाडु में एमजीआर की 1977 जैसी कामयाबी नहीं हासिल कर पाए हैं, और अपने दम पर सरकार बनाने की स्थिति में नहीं हैं – लेकिन, 2013 के दिल्ली चुनाव में अरविंद केजरीवाल जैसी सफलता मिली थी, वैसा तो मान ही सकते हैं। 2013 में अरविंद केजरीवाल ने दिल्ली की तत्कालीन मुख्यमंत्री शीला दीक्षित को हराया, और कांग्रेस को सत्ता से बेदखल कर दिया था। तमिलनाडु के मुख्यमंत्री एमके स्टालिन भी टीवीके उम्मीदवार से हार गए हैं, और डीएमके सत्ता की दौड़ से बाहर हो गई है। अरविंद केजरीवाल ने पहले चुनाव में कांग्रेस को हराने के बाद उसी पार्टी के समर्थन से गठबंधन की सरकार बनाई थी। तमिलनाडु में टीवीके के डीएमके से सपोर्ट लेने की बात तो अभी तक नहीं सुनी गई है, लेकिन कांग्रेस से नए सिरे से संवाद शुरू हो गया है। चुनाव से पहले भी कांग्रेस के स्थानीय नेताओं की तरफ से ऐसे प्रयास हुए थे। आपको याद होगा, दिल्ली में गठबंधन की सरकार बनाने के बाद अरविंद केजरीवाल ने करीब डेढ़ महीने में ही इस्तीफा दे दिया था। विजय के सामने भी राजनीतिक परिस्थितियां करीब-करीब वैसी ही हैं। अब अगर विजय सोच समझकर और राजनीतिक रूप से परिपक्व फैसले लिए बगैर कदम आगे बढ़ाते हैं, तो अरविंद केजरीवाल की ही तरह मौजूदा सियासत के चक्रव्यूह में फंस सकते हैं।

केजरीवाल से जुड़े सबक काम आएंगे

एमजीआर अगर विजय के लिए प्रेरणास्रोत हैं, तो अरविंद केजरीवाल और आम आदमी पार्टी का संघर्ष विजय के लिए सबसे सही सबक साबित हो सकते हैं। अरविंद केजरीवाल ने बरसों बाद देश में सबसे बड़ा आंदोलन खड़ा किया था। जैसे अरविंद केजरीवाल ने आंदोलन के लिए प्लानिंग की थी, विजय के पिता एस ए चंद्रशेखर ने भी वैसी ही शिद्दत से कामयाबी का नुस्खा तैयार किया था। अरविंद केजरीवाल के मुकाबले थलपति विजय की चुनौती कुछ ज्यादा लगती है। पहली सरकार अरविंद केजरीवाल ने कांग्रेस के बाहरी सपोर्ट से बनाई थी, लेकिन दूसरी और तीसरी बार तो सपोर्ट के लायक कुछ छोड़ा ही नहीं था – विजय को अभी वैसा मौका नहीं मिला है, और चुनौती यही है।

1. जिस किसी भी राजनीतिक दल से 10 सीटों के लिए विजय समर्थन लेंगे, वहीं से नैरेटिव बनेगा। और, कोई कुछ देगा तो बदले में कुछ बड़ा चाहेगा भी। एक्सचेंज ऑफर में तो ऐसा ही होता है। बाकी फील्ड में भी, राजनीति में भी।
2. एडमिनिस्ट्रेशन चलाना थलपति विजय के सामने सबसे बड़ी चुनौती होगी। कौन कौन मंत्री बनेगा? गठबंधन साथियों के साथ विभागों का बंटवारा कैसे होगा? विजय की अपनी प्रशासनिक योग्यता अभी टेस्टेड नहीं है। जैसे विजय अभी तक एक्टिंग करते रहे, और उनके पिता निर्देशक की भूमिका में थे – आगे की रणनीति कैसी होगी, देखना बाकी है।
3. अरविंद केजरीवाल को तो दिल्ली में सिर्फ 6 मंत्री बनाने होते थे, तमिलनाडु में तो 12–35 मंत्री चाहिए होंगे। 234 सीटों वाली विधानसभा में कम से कम 12 मंत्री और ज्यादा से ज्यादा 15 फीसदी हो सकते हैं। एम के स्टालिन की सरकार में मंत्रियों की संख्या 34 थी।

चुनावी चमत्कार के बाद चुनौतियां बेशुमार

थलपति विजय को लेकर तमिलनाडु चुनाव में शुरूआती धारणा यही थी कि टीवीके हर हाल में डीएमके को डैमेज करने जा रही है। विजय ने डीएमके को तो सत्ता से बेदखल किया ही है, सत्ता में आने को बेताब एआईएडीएमके को भी बहुमत के करीब नहीं फटकने दिया है। जाहिर है, सबसे बड़ी पार्टी होने के नाते लोक भवन से सरकार बनाने का बुलावा तो विजय की पार्टी टीवीके को ही मिलेगा। टीवीके को तमिलनाडु विधानसभा चुनाव में 108 सीटें मिली हैं। 234 सीटों वाली तमिलनाडु विधानसभा में बहुमत का नंबर 118 है, और विजय के पास 10 सीटें कम पड़ रही हैं। मुसीबत वहीं से शुरू हो रही है। विजय जिस त्रिकोणीय मुकाबले में कूद पड़े थे, उसमें एक छोर पर डीएमके के नेतृत्व वाला गठबंधन था, जिसमें कांग्रेस भी शामिल है। और, दूसरी तरफ केंद्र में सत्ताधारी बीजेपी के साथ बना एआईएडीएमके गठबंधन। कुछ छोटी छोटी पार्टियां भी हैं, जिनसे बातचीत की कोशिश हो तो विजय को सफलता मिल सकती है।

गठबंधन सरकार ही बनेगी

टीवीके को चुनाव से पहले गठबंधन के प्रस्ताव काफी मिले थे। खबरों के मुताबिक, कई चैनलों से अलग अलग बातचीत हुई थी। खुद विजय ने भी यह बात मानी भी थी, और किसी के भी साथ गठबंधन करने से साफ तौर पर मना भी कर दिया था। अव्वल तो शशि थरूर की बातें कांग्रेस के प्रसंग में निजी बयान से ज्यादा मायने नहीं रखतीं, लेकिन विजय को लेकर उनकी सलाह उनके कुछ साथियों को अच्छी भी लग सकती है। खासकर तमिलनाडु के उन कांग्रेस नेताओं को जो चुनाव से पहले डीएमके की जगह विजय की टीवीके के साथ गठबंधन की पैरवी कर रहे थे। इंडियन एक्सप्रेस के साथ एक इंटरव्यू में शशि थरूर का कहना है, विजय को अब भी इंडिया ब्लॉक में शामिल होने का न्योता मिल सकता है। टीवीके को बाहर नहीं रखा गया है। थलपति विजय के पिता एस ए चंद्रशेखर ने भी कांग्रेस के साथ गठबंधन का प्रस्ताव रखा है। एस ए चंद्रशेखर ने कहा है, कांग्रेस ऐतिहासिक और परंपराओं वाली पार्टी रही है, लेकिन लगातार दूसरी पार्टियों को समर्थन देने के कारण उसकी ताकत कमजोर हुई है।

विजय कांग्रेस को ताकत देने के लिए तैयार!

विजय के पिता कहते हैं, अब वक्त आ गया है जब कांग्रेस अपनी खोई हुई ताकत वापस हासिल करे। एस ए चंद्रशेखर का दावा है, सिर्फ वह खुद नहीं, बल्कि विजय खुद कांग्रेस को वह ताकत देने के लिए तैयार हैं, जिससे पार्टी अपनी पुरानी पहचान और मजबूती फिर से हासिल कर सके। एस ए चंद्रशेखर ने कांग्रेस नेतृत्व से तमिलनाडु में टीवीके के साथ मिलकर आगे बढ़ने की अपील की है। कांग्रेस की मुश्किल यह है कि टीवीके के साथ आगे बढ़ने के लिए डीएमके के साथ गठबंधन तोड़ना होगा। लेकिन, राहुल गांधी अगर एम के स्टालिन से दोस्ती निभाते हुए टीवीके को भी इंडिया ब्लॉक में शामिल करने के लिए राजी कर लें, तो यह असंभव काम संभव भी हो सकता है।

एआईएडीएमके नेतृत्व के भी सुर बदल गए हैं

डीएमके गठबंधन में चुनाव लड़कर कांग्रेस को तमिलनाडु विधानसभा में 5 सीटें मिली हैं। विजय की मुश्किल सिर्फ कांग्रेस के साथ गठबंधन से खत्म नहीं होने वाली है। कांग्रेस के 5 विधायकों के सपोर्ट के बाद भी विजय को 5 विधायकों की जरूरत होगी। वैसे टीवीके के प्रति एआईएडीएमके नेतृत्व के भी सुर बदल गए हैं। एआईएडीएमके प्रवक्ता अप्सरा रेड्डी का कहना है, अगर मुख्य मकसद डीएमके को सत्ता से बाहर रखना है, तो एआईएडीएमके इस विचार के प्रति दिलचस्पी नहीं दिखाएगी, ऐसा नहीं है। अगर गठबंधन का कोई प्रस्ताव आता है, तो पार्टी उसे ठुकराएगी नहीं।

बंगाल में बीजेपी की महाजीत का मेसी कनेक्शन!

GOAT टूर ने ऐसे बदला सियासी समीकरण

हिंदमाता डेस्क @ मुंबई

पश्चिम बंगाल विधानसभा चुनाव 2026 में भारतीय जनता पार्टी की जीत बेहद खास है। हो भी क्यों ना... सालों के संघर्ष के बाद यह पार्टी राज्य में कमल खिलाने में कामयाब रही है। बीजेपी ने उस पार्टी को परास्त किया, जिसने 34 साल तक चली वाम मोर्चे की सरकरार को उखाड़कर सत्ता हासिल की थी और 15 सालों तक पश्चिम बंगाल पर राज किया। ममता बनर्जी की पार्टी तृणमूल कांग्रेस पूरे आत्मविश्वास के साथ जीत का चौका लगाने के उद्देश्य से चुनावी मैदान में उतरी थी, लेकिन बीजेपी की रणनीति का तोड़ वो खोज नहीं सकी। ममता बनर्जी को सत्ता विरोधी लहर का भी सामना करना पड़ा, जिसके कारण वो 100 का आंकड़ा भी नहीं टच पाई। दूसरी ओर बीजेपी ने 207 सीटें जीतकर 2 तिहाई से ज्यादा बहुमत हासिल कर लिया। पश्चिम बंगाल की राजनीति में बदलाव के बीच एक दिलचस्प ट्रेंड सामने आया। राज्य की बदली सियासी तस्वीर को महान फुटबॉलर लियोनेल मेसी के कोलकाता दौरे से जोड़कर भी देखा जा रहा है। पिछले साल 13 दिसंबर को अर्जेंटीना के कप्तान मेसी 'GOAT Tour to India' के तहत सबसे पहले कोलकाता पहुंचे थे। फुटबॉल फैन्स के लिए ये ऐतिहासिक मौका था, लेकिन यह आयोजन तब भारी कुप्रबंधन के कारण विवादों में घिर गया। कोलकाता के विवेकानंद युवा भारती क्रीड़ांगन (सॉल्ट लेक स्टेडियम) में तब हजारों दर्शक अपने चहेते फुटबॉलर लियोनेल मेसी की एक झलक पाने पहुंचे, लेकिन उन्हें गहरी निराशा हाथ लगी थी। फैंस की भारी भीड़ और अव्यवस्था के बीच मेसी स्टेडियम में महज 10 मिनट ही मौजूद रहे। कड़ी सुरक्षा के बीच उन्हें तुरंत बाहर ले जाया गया। सबसे ज्यादा नाराजगी इस बात को लेकर रही कि मेसी ने स्टेडियम का चक्कर भी नहीं लगाया, जबकि फैन्स ने महंगे टिकट खरीदकर उनका इंतजार किया था।

भीड़ प्रबंधन और सुरक्षा व्यवस्था में कमी देखने को मिली

कार्यक्रम के दौरान भीड़ प्रबंधन और सुरक्षा व्यवस्था में कमी देखने को मिली। इसी कारण आयोजन को जल्दी समाप्त करना पड़ा। घटना के बाद गुस्साए फैंस ने स्टेडियम में हंगामा किया, बोतलें फेंकीं और होर्डिंग्स को नुकसान पहुंचाया। इस पूरे मामले के वीडियो सोशल मीडिया पर तेजी से वायरल हुए। इस विवाद ने राजनीतिक रंग भी ले लिया। विपक्ष ने राज्य सरकार पर कुप्रबंधन के आरोप लगाए। वहीं, मामले में आयोजक सताद्रु दत्ता को गिरफ्तार किया गया। यह आयोजन फुटबॉल फैन्स के लिए खास माना जा रहा था, मगर अव्यवस्था के कारण निराशाजनक बन गया। इस आयोजन की अव्यवस्था ने सिर्फ देश में ही नहीं, बल्कि अंतरराष्ट्रीय स्तर पर भी भारत की छवि को प्रभावित किया। इस अव्यवस्था को राज्य की राजनीति में बदलाव के संकेत के रूप में तभी से देखा जाने लगा। विपक्षी पार्टियों और आम जनमानस में ये धारणा बनी कि जब सरकार एक फुटबॉलर को सुरक्षा मुहैया नहीं कर सकती है, तो राज्य के करोड़ों लोगों की बात ही छोड़िए... इस घटना के बाद ममता बनर्जी के बाद सत्ता विरोधी लहर और ज्यादा बढ़ी और कुछ महीने बाद ही बंगाल में सत्ता परिवर्तन हो गया।

लियोनेल मेसी 2011 में भी कोलकाता आए थे

दिलचस्प बात यह है कि लियोनेल मेसी का इससे पिछला दौरा सितंबर 2011 में हुआ था, जब ममता बनर्जी के नेतृत्व में तृणमूल कांग्रेस ने लंबे समय से सत्ता में रही वाम मोर्चा सरकार को हटाकर सत्ता संभाली थी। तब इसी सॉल्ट लेक स्टेडियम में अर्जेंटीना और वेनेजुएला के बीच एक अंतरराष्ट्रीय मैच खेला गया था, जिसमें मेसी भी मैदान पर उतरे थे। उस मुकाबले में मेसी ने शानदार प्रदर्शन करते हुए निकोलस ओटामेंडी के गोल में अहम भूमिका निभाते हुए असिस्ट दिया था। यह मैच आज भी कोलकाता के फुटबॉल फैंस के लिए यादगार पलों में गिना जाता है क्योंकि उन्होंने मेसी को लाइव खेलते हुए देखा था।

मेसी के दोनों दौरों को एक संयोग के रूप में देखा जा रहा है

कुल मिलाकर लियोनेल मेसी के दोनों दौरों को एक संयोग के रूप में देखा जा रहा है। जब 2011 में मेसी भारत आए थे, तो तृणमूल कांग्रेस का स्वर्णिम दौड़ शुरू हो चुका था, वहीं वाम दलों के हाशिए पर आने का आगाज हुआ था। अब मेसी के हालिया दौरे ने कहानी को फिर पलट दिया। जहां टीएमसी सरकार के पतन की पटकथा लिखी गई, वहीं बंगाल में बीजेपी का युग शुरू हुआ। अब जब बंगाल की सत्ता बदल गई है, तो 'मेसी इफेक्ट' ट्रेंड करने लगा। भले ही यह महज संयोग हो, लेकिन इसने सियासी तस्वीर को एक नया और दिलचस्प आयाम जरूर दे दिया।

प्रेरक प्रसंग

परेशानियों की वजह से बढ़ती है हमारी योग्यता और संघर्ष क्षमता

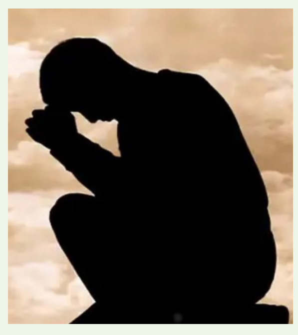

एक किसान की फसल बारिश और ठंड की वजह से बार-बार खराब हो रही थी, उसने भगवान से प्रार्थना की कि अब से मौसम उसकी जरूरत के हिसाब से चलना चाहिए, भगवान ने तथास्तु कह दिया। एक प्रचलित कथा के अनुसार पुराने समय में एक किसान की फसल बार-बार खराब हो रही थी। कभी तेज बारिश की वजह से, कभी तेज धूप की वजह से, कभी ठंड की वजह से उसकी फसल पनप नहीं पा रही थी। एक दिन इससे दुखी होकर किसान भगवान पर नाराज हो गया। वह भगवान को लगातार कोस रहा था। तभी वहां भगवान प्रकट हुए। किसान ने भगवान से कहा कि भगवन् आपको खेती की बिल्कुल भी जानकारी नहीं है, आपकी गलत समय पर बारिश कर देते हो, कभी भी तेज धूप और ठंड बढ़ा देते हो। इससे हर बार मेरी फसल खराब हो जाती है। आप मेरी अगली फसल तक मेरे अनुसार मौसम कर दीजिए। जैसा मैं चाहूं, वैसा ही मौसम रहे। ये बातें सुनकर भगवान ने कहा कि ठीक अब से ऐसा ही होगा। ये बोलकर वे अंतर्ध्यान हो गए। अगले दिन से किसान ने फिर से गेहूं की खेती शुरू कर दी। अब जब वह बारिश चाहता था, तब बारिश होती, फसल के लिए जब उसे धूप की जरूरत होती, तब धूप निकलती। इस तरह उसकी इच्छा के अनुसार मौसम चल रहा था। धीरे-धीरे उसकी फसल तैयार हो गई। हरे-भरे खेत को देखकर किसान बहुत खुश था। जब फसल कटाई का समय आया तो उसने देखा कि फसल की बालियों में गेहूं थे ही नहीं, सब की सब खोखली बालियां थीं। ये देखकर उसने फिर से भगवान को याद किया। भगवान प्रकट हुए तो इसकी वजह पूछी।

भगवान ने कहा कि तुम्हारी फसल ने बिल्कुल भी संघर्ष नहीं किया है, इसी वजह से ये खोखली हो गई है। जब फसलें तेज बारिश में, तेज हवा में खुद को बचाए रखने का संघर्ष करती है, तेज धूप से लड़ती है, तभी उसमें दाने बनने की प्रक्रिया शुरू होती है। जिस तरह सोने को चमकने के लिए आग में तपना पड़ता है, ठीक उसी तरह फसलों के लिए भी संघर्ष जरूरी होता है। ये बात किसान को समझ आ गई और उसे अपनी भूल का अहसास हो गया।

कथा की सीख

इस कथा की सीख यह है कि जब तक हमारे जीवन में बाधाएं नहीं आती है, तब तक हमारी प्रतिभा में निखार नहीं आता है। बाधाएं ही हमें साहसी बनाती हैं। परेशानियों की वजह से ही हमारा सही विकास होता है।

राशिफल

मेष– आज का दिन योजनाओं को अमल में लाने का रहेगा। आप लंबे समय से जिस काम को टाल रहे थे, उसे आज पूरा करने का अवसर मिलेगा। कार्यक्षेत्र में आपकी सक्रियता और तेज निर्णय क्षमता आपको दूसरों से आगे रखेगी, लेकिन जल्दबाजी से बचना जरूरी है।

वृषभ– आज का दिन स्थिरता और समझदारी से आगे बढ़ने का है। कार्यक्षेत्र में आपकी मेहनत का फल मिलेगा और आपको किसी बड़े प्रोजेक्ट में सफलता मिल सकती है। आर्थिक स्थिति मजबूत होगी और आप बचत या निवेश के बारे में सोच सकते हैं।

मिथुन– आज का दिन संचार और नेटवर्किंग में सफलता दिलाने वाला रहेगा। कार्यक्षेत्र में आपके विचारों की सराहना होगी और आपको नए अवसर मिल सकते हैं। व्यापार और मार्केटिंग से जुड़े लोगों के लिए यह दिन खास लाभदायक रहेगा। आर्थिक मामलों में सुधार होगा।

कर्क– आज का दिन भावनात्मक रूप से थोड़ा संवेदनशील रह सकता है। कार्यक्षेत्र में दबाव बढ़ सकता है, लेकिन धैर्य और समझदारी से आप स्थिति को संभाल सकते हैं। आर्थिक मामलों में खर्च बढ़ सकते हैं, इसलिए सावधानी रखें। परिवार का सहयोग मिलेगा।

सिंह– आज का दिन आत्मविश्वास और नेतृत्व क्षमता को बढ़ाने वाला रहेगा। कार्यक्षेत्र में आपको नई जिम्मेदारियां मिल सकती हैं और आप उन्हें सफलतापूर्वक निभाएंगे। आर्थिक स्थिति में सुधार होगा और आय के नए स्रोत बन सकते हैं। सामाजिक जीवन में मान-सम्मान बढ़ेगा।

कन्या– आज का दिन मेहनत और योजना बनाने का रहेगा। कार्यक्षेत्र में आपको कई महत्वपूर्ण निर्णय लेने पड़ सकते हैं, जिनमें आपकी समझदारी काम आएगी। आर्थिक मामलों में सावधानी बरतें-किसी भी निवेश से पहले अच्छी तरह सोच लें। परिवार का सहयोग मिलेगा।

तुला– आज का दिन संतुलन और सामंजस्य का रहेगा। कार्यक्षेत्र में सहयोगियों का साथ मिलेगा और आपके काम समय पर पूरे होंगे। आर्थिक स्थिति में सुधार होगा और रुका हुआ धन वापस मिल सकता है। परिवार के साथ समय बिताने से खुशी मिलेगी। स्वास्थ्य अच्छा रहेगा।

वृश्चिक– आज का दिन थोड़ा सतर्क रहने का संकेत देता है। कार्यक्षेत्र में कुछ नई चुनौतियां आ सकती हैं, लेकिन आपकी समझदारी और धैर्य से आप उन्हें संभाल सकते हैं। आर्थिक मामलों में जोखिम लेने से बचें। परिवार का सहयोग मिलेगा।

धनु– आज का दिन भाग्य का साथ देने वाला रहेगा। करियर और शिक्षा के क्षेत्र में सफलता मिलने की संभावना है। नई योजनाओं में प्रगति होगी। आर्थिक स्थिति मजबूत होगी। परिवार के साथ समय बिताने से खुशी मिलेगी। प्रेम जीवन में सकारात्मकता बनी रहेगी।

मकर– आज का दिन अनुशासन और मेहनत से सफलता दिलाने वाला रहेगा। कार्यक्षेत्र में आपकी लगन की सराहना होगी और आपको कोई नई जिम्मेदारी मिल सकती है। आर्थिक मामलों में स्थिरता बनी रहेगी। परिवार के साथ संबंध मजबूत होंगे। प्रेम जीवन सामान्य रहेगा।

कुंभ– आज का दिन नए अवसर और रचनात्मकता लेकर आएगा। कार्यक्षेत्र में आपकी योजनाएं सफल हो सकती हैं और आपको नई जिम्मेदारियां मिल सकती हैं। आर्थिक स्थिति में सुधार होगा। परिवार के साथ समय बिताने से खुशी मिलेगी। प्रेम जीवन में रिश्तों में मधुरता आएगी।

मीन– आज का दिन आध्यात्मिक ऊर्जा और सकारात्मक सोच से भरा रहेगा। कार्यक्षेत्र में धीरे-धीरे प्रगति होगी। आर्थिक मामलों में सावधानी रखें। परिवार का सहयोग मिलेगा। प्रेम जीवन में भावनात्मक जुड़ाव बढ़ेगा। स्वास्थ्य के लिए योग और ध्यान लाभकारी रहेगा।

बंगाल में भाजपा नहीं देश की जीत, असम में अब विकास की गंगा बहेगी : सीएम हिमंता बिस्वा सरमा

हिंदमाता नेटवर्क @ जबलपुर

असम विधानसभा चुनाव में भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) ने शानदार जीत दर्ज की है। पार्टी ने 126 सीटों वाली विधानसभा में 82 सीटें हासिल की है। असम में एक बार फिर भारी बहुमत के साथ हिमंता बिस्वा सरमा के नेतृत्व में एनडीए सरकार बनने जा रही है। मुख्यमंत्री हिमंता बिस्वा सरमा ने इस जीत का श्रेय असम की जनता और प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को देते हुए कहा कि अब राज्य में विकास की नई लहर आएगी। सीएम हिमंता ने आईएएनएस से बातचीत में कहा, यह बहुत बड़ी जीत हुई है। इसके लिए असम की जनता को बहुत-बहुत धन्यवाद। लोगों ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के ऊपर जो विश्वास दिखाया है, उसके लिए हम बहुत आभारी हैं। अब आगे और विकास कार्य होगा। असम में विकास की गंगा बहेगी। बंगाल चुनाव में भाजपा की जीत पर सरमा ने इसे 'देश की जीत' बताया। उन्होंने कहा, “पूर्व और उत्तर-पूर्व भारत को सुरक्षित करने में भाजपा की जीत की बहुत ही बड़ी भूमिका होगी। मैंने कल भी बोला था और आज भी बोलूंगा कि भाजपा ने बंगाल नहीं जीता है, बल्कि देश ने बंगाल जीता है। आने वाली भाजपा सरकार की प्राथमिकताओं पर सवाल के जवाब में सरमा ने कहा, अभी समय दीजिए, जैसे-जैसे सरकार बनेगी, मैं इसकी जानकारी देता रहूंगा। बांग्लादेशी घुसपैठ पर मुख्यमंत्री ने सख्त रुख अपनाते हुए कहा, यह मुहिम चलते रहेगी। हमारे पहचान की लड़ाई चलते रहेगी।” बॉर्डर पर फेंसिंग को लेकर उन्होंने बताया कि केंद्रीय गृह मंत्री ने पहले ही घोषणा कर दी है और जल्द ही काम शुरू होगा। कांग्रेस पर तंज कसते हुए हिमंता सरमा ने कहा, कांग्रेस के आने की कोई संभावना नहीं है और उन्हें आना भी नहीं चाहिए। वहीं, कांग्रेस प्रवक्ता पवन खेड़ा की अग्रिम जमानत पर सरमा ने कहा, अभी उन्हें बेल ही मिली है, केस से मुक्ति नहीं मिली है। उनके ऊपर केस चलता रहेगा।” हिमंता ने तंज कसते हुए आगे कहा कि चुनाव जीत के बाद हमने पेड़ा खाया। अब और बड़ा पेड़ा खाऊंगा तो सबको बुलाऊंगा। चुनाव परिणामों के अनुसार, भाजपा ने 82 सीटें जीतीं, जबकि मुख्य विपक्षी कांग्रेस मात्र 19 सीटों पर सिमट गई। इसके अलावा बीओपीएफ और एजीपी को 10 सीटें प्राप्त हुई हैं।

सब कुछ संविधान में लिखा है

ममता के इस्तीफा नहीं देने के ऐलान पर बोले सुवेंदु अधिकारी

हिंदमाता नेटवर्क @ तमिलनाडु

तृणमूल कांग्रेस सुप्रीमो और मुख्यमंत्री ममता बनर्जी न केवल भवानीपुर से हार गई हैं, बल्कि उनकी पार्टी तृणमूल कांग्रेस को विधानसभा चुनाव में करारी हार मिली है। हार के बाद ममता बनर्जी ने कहा कि वह हारी नहीं हैं। वोट लूटे गए हैं। वह इस्तीफा नहीं देंगी। ममता बनर्जी के सीएम पद से इस्तीफा नहीं देने के ऐलान के बाद राज्य की सियासत गरमा गई है। ममता बनर्जी को भवानीपुर से पराजित करने वाले बीजेपी नेता सुवेंदु अधिकारी ने इस पर प्रतिक्रिया जताते हुए कहा कि सब कुछ संविधान में लिखा है। मुझे ज्यादा कुछ कहने की जरूरत नहीं है।

संविधान का अपमान बोले सांसद राजू बिस्ट

वहीं, भाजपा सांसद राजू बिस्ट ने कहा, "अगर पूर्व सीएम ममता दीदी सबके सामने कहती हैं कि वह इस्तीफा नहीं देंगी, तो इसका मतलब है कि वह भारत के संविधान का अपमान कर रही हैं, और उन्होंने ऐसा पहले भी कई बार किया है, लेकिन इस बार लोगों का जनादेश उनके खिलाफ आया है। उन्होंने कहा कि वह बंगाल के लोगों का भी अपमान कर रही हैं। पश्चिम बंगाल सिर्फ इसलिए नहीं रुकेगा कि आप इस्तीफा देने से मना कर दें; पश्चिम बंगाल ने PM मोदी के साथ आगे बढ़ना शुरू कर दिया है और आगे भी तरक्की करता रहेगा।

इस्तीफे देने की जरूरत नहीं बोले टीएमसी सांसद

दूसरी ओर, ममता बनर्जी के "मैं इस्तीफा नहीं दूंगी, मैं हारी नहीं हूं" वाले बयान पर टीएमसी सांसद कल्याण बनर्जी ने कहा, "पिछले 3 महीने से मॉडल कोड ऑफ कंडक्ट लागू है। सरकार कौन चला रहा है? चीफ सेक्रेटरी, तो, पिछले तीन महीने से, वह सीएम के तौर पर काम नहीं कर रही थीं। तो, इस्तीफे का क्या सवाल है?" उन्होंने कहा, "इस बार काउंटिंग में 'चोरी' हुई है। वह फाइनल है। सभी कैंडिडेट्स पर बुरी तरह हमला किया गया। सभी काउंटिंग एजेंट्स पर CISF और CRPF ने बुरी तरह हमला किया और उन्हें बाहर निकाल दिया यह डेमोक्रेसी के लिए बहुत बड़ा खतरा है काउंटिंग में कोई ट्रांसपेरेंसी नहीं है यह डेमोक्रेसी पर एक बेरहम हमला है। उन्होंने काउंटिंग में सब कुछ लूट लिया है।"

ममता के ऐलान पर क्या बोले पूर्व ब्यूरोक्रेट?

दूसरी ओर, ममता बनर्जी के ऐलान पर पूर्व ब्यूरोक्रेट जवाहर सरकार ने कहा, जिस दिन विधानसभा का टर्म समाप्त हो जाएगा। विधानसभा खुद का खुद भंग हो जाएगी। नए विधानसभा गठन को कंटिजेंसी प्लान शुरू हो जाएगा। इस असेंबली के लीडर का, जैसे ही असेंबली का टर्म खत्म होगा, असेंबली की सीट चली जाएगी। उन्होंने यह भी कहा, यह इलेक्शन प्रोसेस का हिस्सा है।

इस्तीफा नहीं देने पर कोई दिक्कत नहीं बोले रिटायर्ड जज

रिटायर्ड जस्टिस देबाशीष करगुप्ता ने कहा, "संविधान का आर्टिकल 164 कहता है कि गवर्नर मुख्यमंत्री को शपथ दिलाएंगे। इस मामले में, चुनाव के नतीजे आने के बाद मौजूदा कैबिनेट का कार्यकाल खत्म हो जाता है, लेकिन परंपरा के अनुसार, उनके इस्तीफा देने के बाद, पुराने मुख्यमंत्री को दो या तीन दिनों के लिए केयरटेकर मुख्यमंत्री बनाया जा सकता है। अगर वह अभी इस्तीफा नहीं देती हैं, तो कोई दिक्कत नहीं है। गवर्नर अगला कदम उठा सकते हैं।"

3 विशाल पंडाल, 3000 सुरक्षाकर्मी और 3 लाख लोग सम्राट मंत्रिमंडल के विस्तार की भव्य तैयारी

हिंदमाता नेटवर्क @ नई दिल्ली

पांच राज्यों में विधानसभा चुनाव के परिणाम सामने आने के साथ ही अब सबकी नजरें बिहार में सम्राट चौधरी सरकार के मंत्रिमंडल विस्तार पर टिक गई हैं। सात मई को राजधानी के ऐतिहासिक गांधी मैदान में सम्राट सरकार के मंत्रिमंडल का विस्तार होगा। इस विस्तार को लेकर भव्य आयोजन की तैयारी चल रही है। सम्राट सरकार के इस भव्य मंत्रिमंडल विस्तार को लेकर राजधानी के ऐतिहासिक गांधी मैदान में जोर-जोर से तैयारी चल रही है। सैकड़ों मजदूर लगातार काम पर लगे हुए हैं। गांधी मैदान के मध्य में पूर्व निर्मित मंच के ठीक सामने तीन विशाल पंडाल का आयोजन किया जा रहा है। यह पंडाल हर प्रकार के मौसम के उतार चढ़ाव को झेलने में समर्थ है। अब तक की मिली जानकारी के अनुसार इस आयोजन समारोह में सुरक्षा व्यवस्था के कड़े इंतजाम किए जा रहे हैं। करीब तीन हजार से जुड़ा सुरक्षा कर्मियों की विशेष रूप से तैनाती की जाएगी। इस आयोजन में लगभग तीन लाख लोगों के शामिल होने की संभावना जताई जा रही है।

पहली बार गांधी मैदान में मंत्रिमंडल विस्तार

दरअसल सम्राट सरकार का यह मंत्रिमंडल विस्तार कई महीनो में सबसे अलग और ऐतिहासिक होगा। गांधी मैदान में अब तक मुख्यमंत्री पद की ही शपथ है ली गई है। बिहार की राजनीति में 1990 से लेकर 2015 तक जो भी मुख्यमंत्री बने, उन्होंने गांधी मैदान में ही मुख्यमंत्री पद की शपथ ली है। इनमें राजद सुप्रीमो लालू प्रसाद यादव और नीतीश कुमार के नाम शामिल हैं। दरअसल गांधी मैदान में शपथ लेने की शुरुआत का श्रेय लालू प्रसाद यादव को जाता है। लालू प्रसाद यादव ने 1990 में पहली बार गांधी मैदान में शपथ लिया था। इसके बाद राज्य में जो भी सरकार बनी, उसके मुखिया ने गांधी मैदान को ही शपथ लेने के लिए चुना। 1990 के बाद 1995 और सन 2000 में भी गांधी मैदान में ही मुख्यमंत्री ने अपने पद की शपथ ली। 2005 में जब बिहार में सत्ता का परिवर्तन हुआ और नीतीश कुमार पहली बार मुख्यमंत्री बने तब उन्होंने इस परंपरा को आगे बढ़ाया और उन्होंने भी गांधी मैदान में ही मुख्यमंत्री पद की शपथ ली थी।

शामिल हो सकते हैं पीएम और शाह

इधर भाजपा सूत्रों से मिली जानकारी के अनुसार इस आयोजन में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और गृह मंत्री अमित शाह के साथ भारतीय जनता पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष नितिन नबीन भी शामिल हो सकते हैं। मिली जानकारी के अनुसार शपथ ग्रहण समारोह में भाजपा शासित राज्यों के मुख्यमंत्री के अलावा एनडीए शासित राज्यों के मुख्यमंत्री भी इस आयोजन का हिस्सा हो सकते हैं। एक आंकड़े के अनुसार गांधी मैदान का कुल क्षेत्रफल लगभग 60 एकड़ के करीब है। इस मैदान में लगभग चार लाख लोग खड़े हो सकते हैं, जबकि एक से डेढ़ लाख लोगों की सीटिंग कैपेसिटी है। इसमें बैरिकेटिंग भी शामिल है।

केपी ओली के रास्ते चल रहे नेपाल के नए पीएम बालेन शाह

भारत को लेकर लिए ये दो फैसले

हिंदमाता नेटवर्क @ दक्षिण कोरिया

27 मार्च 2026 को नेपाल में बालेंद्र शाह उर्फ बालेन की अगुवाई में नई सरकार बनी। 35 साल के बालेन शाह नेपाल के सबसे युवा प्रधानमंत्रियों में से एक बने। भ्रष्टाचार विरोधी वादों और सुधारवादी छवि के दम पर उन्होंने सत्ता हासिल की। लेकिन महज एक महीने के अंदर उनके दो फैसलों ने भारत-नेपाल रिश्तों में तल्खी ला दी है, एक फैसले को लेकर नेपाल में ही उनके खिलाफ विरोध प्रदर्शन शुरू हो गए। नेपाल के पूर्व प्रधानमंत्री केपी शर्मा ओली ने 2024 से 2025 में अपने कार्यकाल के दौरान भारत-विरोधी रुख अपनाया था, इसमें लिपुलेख-कालापानी को नेपाली मानचित्र में शामिल करना, राम के जन्मस्थान पर विवादित टिप्पणी और भारत पर तख्तापलट का आरोप लगाना शामिल है। उन्होंने चीन से नजदीकी भी बढ़ाई। आइए बालेन शाह के 2 फैसलों के बारे में जानते हैं

1. भारतीय सामानों पर कस्टम ड्यूटी

बालेन सरकार ने भारत से आने वाले 100 नेपाली रुपये (करीब 63 भारतीय रुपये) से ज्यादा कीमत के सामान पर अनिवार्य कस्टम ड्यूटी लगा दी है। सामान के हिसाब से यह ड्यूटी 5% से लेकर 80% तक है। भारत-नेपाल बॉर्डर दुनिया की सबसे खुले इंटरनेशनल बॉर्डर में से एक रहा है, जहां दशकों से लोग और सामान बिना किसी रोक-टोक के आते-जाते रहे हैं। बॉर्डर इलाकों में रहने वाले नेपाली नागरिक किराने का सामान, दवाइयां, बर्तन, इलेक्ट्रॉनिक्स और शादी-ब्याह का सामान भारतीय बाजारों से खरीदते थे क्योंकि वह नेपाल के मुकाबले सस्ता पड़ता था। कस्टम ड्यूटी लगाने के फैसले के खिलाफ सीमावर्ती इलाकों में बड़े पैमाने पर विरोध प्रदर्शन शुरू हो गए हैं। सख्त कस्टम नीति से न सिर्फ नेपाली नागरिक बल्कि भारत के साथ होने वाला सीमा पार व्यापार भी प्रभावित हुआ है।

2. कैलाश मानसरोवर यात्रा पर आपत्ति

1 मई 2026 को भारत ने ऐलान किया कि 2026 की कैलाश मानसरोवर यात्रा जून से अगस्त के बीच होगी। यात्रा उत्तराखंड के लिपुलेख दर्रे और सिक्किम के नाथू ला दर्रे से संचालित होगी। दोनों रूट से कुल 10 बैचों में 500-500 यात्री जाएंगे। इस पर बालेन शाह सरकार ने 3 मई 2026 को औपचारिक कूटनीतिक विरोध दर्ज कराया। नेपाल के विदेश मंत्रालय ने कहा कि 1816 की सुगौली संधि के मुताबिक, महाकाली नदी के पूर्व में स्थित लिम्पियाधुरा, लिपुलेख और कालापानी नेपाल के अभिन्न हिस्से हैं। भारत ने इस दावे को सिरे से खारिज कर दिया। भारतीय विदेश मंत्रालय ने कहा कि नेपाल के ऐसे दावे न न्यायसंगत हैं, न ऐतिहासिक तथ्यों पर आधारित। मंत्रालय ने यह भी कहा कि लिपुलेख दर्रा 1954 से कैलाश मानसरोवर यात्रा का पुराना रास्ता रहा है। बालेन शाह ने 2023 में काठमांडू के मेयर के तौर पर अपने दफ्तर में ग्रेटर नेपाल का नक्शा लगाया था। जब केपी ओली चीन दौरे पर गए थे, तब बालेन ने सोशल मीडिया पर लिखा था, लिपुलेख हमारा है, इसे मत भूलो। सत्ता में आते ही उन्होंने फिर वही राग अलापना शुरू कर दिया है।

38,555 करोड़ मंजूर, बड़ी विकास परियोजनाओं पर एमपी कैबिनेट ने लगाई मुहर

हिंदमाता नेटवर्क @ नई दिल्ली

मध्यप्रदेश के मुख्यमंत्री डॉ। मोहन यादव ने कैबिनेट बैठक में आज कई अहम फैसले किए। प्रदेश के विकास और जन-कल्याण के लिए 38 हजार 555 करोड़ रुपये की वित्तीय स्वीकृतियां प्रदान कीं। कैबिनेट ने व्यापारियों के कल्याण के लिए राज्य व्यापारी कल्याण बोर्ड के गठन का ऐतिहासिक निर्णय भी लिया है। यह निर्णय प्रदेश के बुनियादी ढांचे, कृषि आत्मनिर्भरता और सामाजिक सुरक्षा को नई ऊंचाई देने के उद्देश्य से लिए गए हैं। बैठक में 16वें वित्त आयोग की अवधि यानी 2026-2031 के लिए सड़क निर्माण, ग्रामीण मार्गों के उन्नयन और शासकीय आवासों के रखरखाव, उत्पादन को बढ़ावा देने, 'मिशन वात्सल्य' के संचालन, आईटी एवं इलेक्ट्रॉनिक्स मैन्युफैक्चरिंग सेक्टर के लिए करोड़ों रुपये की राशि स्वीकृत की गई है।

दलहनों में आत्मनिर्भरता मिशन

कैबिनेट ने मध्यप्रदेश में “दलहनों में आत्मनिर्भरता मिशन” के आगामी 5 वर्षों तक निरंतरता के लिए 2442 करोड़ 4 लाख रुपये की स्वीकृति दी है। योजना के क्रियान्वयन के संबंध में आवश्यक नियम और दिशा-निर्देश जारी करने के लिए किसान कल्याण तथा कृषि विकास विभाग को अधिकृत किया गया है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी द्वारा दलहन फसलों में आत्मनिर्भर बनने के लिए राष्ट्रीय खाद्य सुरक्षा एवं पोषण मिशन में से दलहन फसल को पृथक कर “दलहनों में आत्मनिर्भरता मिशन” 11 अक्टूबर 2025 को प्रारंभ किया गया है। भारत सरकार ने केंद्र प्रायोजित योजना के रूप में नए मिशन “दलहनों में आत्मनिर्भरता मिशन” को मंजूरी दी है। इस मिशन का उददेश्य दलहनी फसलों के उत्पादन वृद्धि एवं क्षेत्रफल का विस्तार करना, किसानों के लिए जलवायु-अनुकूल उन्नत बीजों का उत्पादन एवं उपलब्धता बढ़ाना, कटाई के बाद प्रसंस्करण, भंडारण एवं प्रबंधन तकनीकों को प्रोत्साहित करना है। इस योजना के अन्तर्गत प्रदेश में “दलहनों में आत्मनिर्भरता मिशन” क्रियान्वयन से प्रजनंक बीज, बीज उत्पादन, बीज वितरण, प्रदर्शन और ट्रेनिंग होगी।

सड़क निर्माण और आवास अनुरक्षण

कैबिनेट ने लोक निर्माण विभाग के अंतर्गत सड़क निर्माण और आवास अनुरक्षण के लिए 32 हजार 405 करोड़ रुपये की स्वीकृति दी है। स्वीकृति अनुसार सड़क-सेतु के संधारण से संबंधित योजना को सोलहवें वित्त आयोग की अवधि यानी 1 अप्रैल 2026 से 31 मार्च 2031 तक निरंतर संचालन के लिए 6 हजार 150 करोड़ रुपये का अनुमोदन दिया गया है। इसी तरह एफ टाईप एवं उससे नीचे की श्रेणी के शासकीय आवासों के अनुरक्षण के लिए 1 हजार 345 करोड़ रुपये की राशि स्वीकृत की गई है।

इलेक्ट्रॉनिक्स मेन्युफेक्चरिंग क्लस्टर्स

कैबिनेट ने विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी विभाग के अंतर्गत इलेक्ट्रॉनिक्स मेन्युफेक्चरिंग क्लस्टर्स और सूचना प्रौद्योगिकी संबंधी कार्य से संबंधित योजनाओं की निरंतरता और संचालन के लिए 1295 करोड़ 52 लाख रुपये की स्वीकृति प्रदान की। स्वीकृति अनुसार आरसीबीसी, डीईजीएस और एनआईसी आदि केन्द्रों के आगामी पांच वर्षों 1 मार्च 2026 से 31 मार्च 2031 तक संचालन के लिए 244 करोड़ 20 लाख रुपये की स्वीकृति दी गई है।

व्यापारियों के सर्वांगीण विकास का मिशन

कैबिनेट ने राज्य के व्यापारिक समुदाय के हितों के संरक्षण, उनके सर्वांगीण विकास और समस्याओं के त्वरित निराकरण के लिए 'राज्य व्यापारी कल्याण बोर्ड' (STWB) और जिला स्तरीय समितियों (DLC) के गठन की मंजूरी दी है। भारत सरकार द्वारा स्थापित राष्ट्रीय व्यापारी कल्याण बोर्ड के उद्देश्यों की पूर्ति के लिए उठाए गए इस कदम का मुख्य लक्ष्य प्रदेश के व्यापारियों और सरकार के बीच एक सीधा संवाद तंत्र स्थापित करना है, जिससे व्यापारिक क्षेत्र की बाधाओं को दूर कर प्रदेश की अर्थव्यवस्था को गति दी जा सके।

आंगनवाड़ी केंद्रों और समेकित बाल संरक्षण मिशन

कैबिनेट ने महिला एवं बाल विकास अंतर्गत नवीन, निर्माणाधीन अपूर्ण और अभी शुरू नहीं हुई आंगनवाड़ी भवनों के निर्माण और समेकित बाल संरक्षण योजना के लिए लगभग 2412 करोड़ रुपये स्वीकृत किए हैं। स्वीकृति के अनुसार आंगनवाड़ी केन्द्रों के लिए भवन निर्माण अंतर्गत 1500 नवीन आंगनवाड़ी केंद्रों के निर्माण से सम्बंधित योजना की प्रदेश में 16वें वित्त आयोग की निर्धारित अवधि वित्तीय वर्ष 2026-27 से 2030-2031 में क्रियान्वयन के लिए 1800 करोड़ रुपये की स्वीकृति दी।

एचडीएफसी बैंक के सीईओ के खिलाफ रिश्वतखोरी का मामला खारिज

हिंदमाता नेटवर्क @ मुंबई

बंबई उच्च न्यायालय ने लीलावती कीर्तिलाल मेहता मेडिकल ट्रस्ट की ओर से एचडीएफसी बैंक के प्रबंध निदेशक (एमडी) एवं मुख्य कार्यकारी अधिकारी (सीईओ) शशिधर जगदीशन के खिलाफ दायर रिश्वतखोरी के मामले को मंगलवार को खारिज कर दिया। अदालत ने ट्रस्ट की शिकायत को बैंक की ओर से 65 करोड़ रुपये से अधिक की बकाया राशि की वसूली के लिए शुरू की गई कार्यवाही के 'जवाब में उठाया गया कदम' करार दिया। न्यायमूर्ति एम एस कार्णिक और न्यायमूर्ति एनआर बोरकर की पीठ ने कहा कि वित्तीय संस्थान ऋण राशि की वसूली के लिए कार्यवाही शुरू करने के लिए बाध्य हैं। शिकायत ट्रस्ट के पूर्व और वर्तमान न्यासियों के बीच कड़वाहट और तनावपूर्ण संबंधों का नतीजा थी। उच्च न्यायालय ने कहा कि हमारी राय में यह शिकायत ट्रस्ट के खिलाफ शुरू की गई वसूली कार्यवाही के जवाब में उठाए गए कदम के अलावा और कुछ नहीं है। रिकॉर्ड में मौजूद सामग्री शिकायतकर्ता की ओर से किए गए दावे की जांच को किसी भी तरह से उचित नहीं ठहराती है।

खालिस्तानी उग्रवाद देश की सुरक्षा के लिए गंभीर खतरा

कनाडा की CSIS रिपोर्ट का खुलासा

हिंदमाता नेटवर्क @ नई दिल्ली

कनाडा की प्रमुख खुफिया एजेंसी कनाडियन सिक्योरिटी इंटेलिजेंस सर्विस (CSIS) ने अपनी 2025 की पब्लिक रिपोर्ट में खालिस्तानी उग्रवाद को देश की राष्ट्रीय सुरक्षा के लिए गंभीर खतरा करार दिया है। रिपोर्ट में पहली बार 'कनाडा-आधारित खालिस्तानी उग्रवादी' (CBKE) शब्द का इस्तेमाल किया गया है। एजेंसी के अनुसार, ये समूह कनाडा के लोकतांत्रिक ढांचे का फायदा उठाकर कट्टर विचारधारा फैलाने और अलगाववादी गतिविधियों के लिए फंड जुटाने में सक्रिय हैं। फंडिंग नेटवर्क पर एजेंसी की चिंता CSIS की रिपोर्ट के मुताबिक, ये नेटवर्क गुप्त तरीके से फंडिंग करते हैं। आम लोगों को गुमराह कर उनसे पैसे इकट्ठा किए जाते हैं। बाद में यह पैसा विदेशों में हिंसक गतिविधियों के लिए इस्तेमाल किया जाता है। एजेंसी ने यह भी बताया कि इन समूहों से जुड़े कुछ लोग स्थानीय नागरिकों के साथ करीबी संबंधों का फायदा उठाकर संस्थानों तक पहुंच बनाते हैं और अपने एजेंडे को आगे बढ़ाते हैं।

शांतिपूर्ण समर्थन और उग्रवाद में अंतर

रिपोर्ट में साफ किया गया है कि खालिस्तान के समर्थन में शांतिपूर्ण और गैर-हिंसक गतिविधियां कनाडा के कानून के तहत वैध हैं लेकिन हिंसा, आतंक या अवैध फंडिंग से जुड़े लोग ही राष्ट्रीय सुरक्षा के लिए खतरा माने जाते हैं। रिपोर्ट में 1985 के एयर इंडिया बम धमाके का संदर्भ दिया गया है। CSIS ने अपनी रिपोर्ट में 1985 के एयर इंडिया बम धमाके (Air India Flight 182 bombing) का भी जिक्र किया है। इस हमले में 329 लोगों की मौत हुई थी। यह कनाडा के इतिहास का सबसे बड़ा आतंकी हमला माना जाता है। एजेंसी के अनुसार, इस हमले के आरोपियों का संबंध भी इसी तरह की उग्र विचारधारा से था, जो आज भी चिंता का कारण बनी हुई है।

भारत-कनाडा संबंधों पर असर

यह रिपोर्ट ऐसे समय सामने आई है जब भारत और कनाडा के रिश्ते संवेदनशील दौर से गुजर रहे हैं। 2023 में पूर्व प्रधानमंत्री जस्टिन ट्रूडो के एक बयान के बाद दोनों देशों के बीच तनाव बढ़ गया था। वहीं अब प्रधानमंत्री मार्क केरनी के नेतृत्व में दोनों देश रिश्तों को सामान्य करने की कोशिश कर रहे हैं। हालांकि, खालिस्तानी नेटवर्क का मुद्दा अब भी द्विपक्षीय वार्ता में एक अहम और संवेदनशील विषय बना हुआ है। CSIS की यह रिपोर्ट संकेत देती है कि कनाडा अब खालिस्तानी उग्रवाद को लेकर ज्यादा सतर्क हो गया है और इसे राष्ट्रीय सुरक्षा के लिए एक गंभीर चुनौती के रूप में देख रहा है।

हिंदमाता एंकर मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक यह यात्रा आर्ट ऑफ लिविंग सेंटर के 45वें स्थापना दिवस और इसके संस्थापक गुरुदेव श्री श्री रवि शंकर के 70वें जन्मदिन के उपलक्ष्य में हो रही है

पीएम मोदी 10 मई को जाएंगे 'आर्ट ऑफ लिविंग इंटरनेशनल सेंटर', 'ध्यान मंदिर' का करेंगे उद्घाटन

हिंदमाता नेटवर्क @ नई दिल्ली

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी 'आर्ट ऑफ लिविंग इंटरनेशनल सेंटर' की 45वीं वर्षगांठ पर 10 मई को वहां का दौरा करेंगे। 'आर्ट ऑफ लिविंग' के अनुसार, यह दौरा गुरुदेव श्री श्री रवि शंकर के 70वें जन्मदिन के अवसर पर भी हो रहा है। अपने दौरे के दौरान, PM मोदी इस आध्यात्मिक केंद्र पर इस अवसर को यादगार बनाने के लिए कई सेवा पहलों का उद्घाटन करेंगे। मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक यह यात्रा आर्ट ऑफ लिविंग सेंटर के 45वें स्थापना दिवस और इसके संस्थापक गुरुदेव श्री श्री रवि शंकर के 70वें जन्मदिन के उपलक्ष्य में हो रही है। प्रधानमंत्री 10 मई को सेंटर में 'ध्यान मंदिर' का उद्घाटन करेंगे। इस विशेष अवसर पर, पीएम मोदी संस्था की नई सेवा पहलों का भी शुभारंभ करेंगे। यह कार्यक्रम आध्यात्मिक और सामाजिक कल्याण के क्षेत्र में संस्था के योगदान को मान्यता देने के लिए आयोजित किया जा रहा है।

मार्च में उत्तराखंड के CM धामी पहुंचे थे सेंटर

मार्च में, उत्तराखंड के मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने ऋषिकेश के शीशम झाड़ी स्थित 'आर्ट ऑफ लिविंग सेंटर' में श्री श्री रवि शंकर से मुलाकात की थी। जहां उन्होंने इस आध्यात्मिक गुरु का आशीर्वाद लिया। उनकी चर्चा में सामाजिक सद्भाव और आध्यात्मिक जागरूकता से जुड़े विभिन्न मुद्दे शामिल थे। मुख्यमंत्री ने कहा, “श्री श्री रवि शंकर द्वारा स्थापित 'आर्ट ऑफ लिविंग फाउंडेशन' दुनिया भर में शांति, योग और मानवीय मूल्यों को बढ़ावा देने में महत्वपूर्ण भूमिका निभा रहा है,” और साथ ही यह भी कहा कि इस गुरु का मार्गदर्शन समाज में सकारात्मक ऊर्जा फैलाता है,

संतों और आध्यात्मिक गुरुओं के मार्गदर्शन

इस दौरान श्री श्री रवि शंकर कहा, “उत्तराखंड की आध्यात्मिक विरासत और प्राकृतिक सुंदरता इसे एक अद्वितीय वैश्विक पहचान देती है, और इसे और अधिक मजबूत बनाने के लिए सामूहिक प्रयासों की आवश्यकता है।” मुख्यमंत्री ने राज्य के समग्र विकास के लिए संतों और आध्यात्मिक गुरुओं के मार्गदर्शन के महत्व पर भी जोर दिया। धामी ने कहा, “श्री श्री रवि शंकर लगातार लोगों को सही रास्ते पर चलने का मार्गदर्शन दे रहे हैं,” और उन्होंने कामना की कि युवा अपने भीतर देशभक्ति की भावना जगाएं और समाज के लिए काम करें।

गैर-लाभकारी शैक्षिक और मानवीय संस्था

'आर्ट ऑफ लिविंग' एक गैर-लाभकारी शैक्षिक और मानवीय संस्था है, जिसकी स्थापना 1981 में आध्यात्मिक गुरु गुरुदेव श्री श्री रवि शंकर ने की थी. यह 182 देशों में काम करती है, और पूरे भारत में सरकार, बड़ी कंपनियों और स्थानीय समुदायों के साथ मिलकर काम करती है.

तूफान और बिजली गिरने से बिहार में तबाही

24 घंटों में 20 से ज्यादा लोगों की मौत

हिंदमाता नेटवर्क @ कोलकाता

पिछले 24 घंटों के दौरान बिहार में खराब मौसम ने भारी तबाही मचाई है, जिसके चलते तूफान, भारी बारिश और बिजली गिरने से 20 से ज्यादा लोगों की मौत हो गई और कई अन्य घायल हो गए। सबसे ज्यादा प्रभावित जिलों में पूर्वी चंपारण, गया और औरंगाबाद शामिल हैं। इसके जवाब में, मुख्यमंत्री सचिवालय ने मृतकों के परिवारों के लिए 4 लाख रुपए की अनुग्रह राशि देने की घोषणा की है। मौसम में यह अचानक बदलाव, एक दिन की भीषण गर्मी और उमस के बाद आया। सोमवार देर दोपहर तक, कई जिलों में गहरे बादल छा गए, और शाम तक, बारिश और बिजली कड़कने के साथ तेज तूफान ने राज्य के बड़े हिस्सों को अपनी चपेट में ले लिया। कई जिलों से जान-माल के नुकसान की खबरें आई हैं। पटना जिले के बाढ़ में पेड़ गिरने और दीवारें ढहने से दो लोगों की मौत हो गई, जबकि पूर्वी चंपारण में पांच लोगों की मौत की खबर है। गया में, पूरे जिले में तीन लोगों की मौत दर्ज की गई, जबकि औरंगाबाद में बिजली गिरने से तीन लोगों की मौत हुई। वैशाली (1), सीतामढ़ी (2), और भोजपुर (1) से भी जान-माल के नुकसान की अतिरिक्त खबरें मिली हैं।

उ.प्र. के बिजली उपभोक्ताओं के लिए खुशखबरी!

स्मार्ट मीटर अब पोस्टपेड की तरह काम करेंगेयूजर्स को राहत

हिंदमाता नेटवर्क @ लखनऊ

उत्तर प्रदेश में स्मार्ट मीटर को लेकर चला रहा विवाद अब थम गया है। योगी सरकार ने स्मार्ट मीटर उपभोक्ताओं को बड़ी राहत देते हुए प्रीपेड सिस्टम खत्म कर दिया है। अब बिजली का बिल पोस्टपेड की तरह हर महीने आएगा। इस नई व्यवस्था के तहत, 1 से 30 तारीख तक का बिल अगले महीने के शुरुआती 10 दिनों में SMS या व्हाट्सएप के जरिए भेजा जाएगा। इसके साथ ही उपभोक्ताओं को अपना बकाया भुगतान 10 किस्तों में करने की बड़ी राहत भी दी गई है। प्रदेश के ऊर्जा एवं अतिरिक्त ऊर्जा स्रोत मंत्री ए.के. शर्मा ने इस संबंध में बैठक के बाद विस्तार से जानकारी दी। उन्होंने बताया कि बिलिंग साइकिल वैसे ही रहेगा जैसे पहले पोस्टपेड मीटर में होता था। पहले की तरह 1 तारीख से महीने के आखिर तक बिजली के खपत का एक महीने का बिल एसएमएस और व्हाट्सएप पर आएगा। जिन उपभोक्ताओं का मोबाइल नंबर बदला है, वे अपना नम्बर अपडेट करवा सकते हैं।

उपभोक्ता 1912 पर दर्ज करा सकेंगे शिकायत

उपभोक्ता अपनी शिकायत 1912 पोर्टल पर भी दर्ज कर सकता है। जिन उपभोक्ताओं के परिसर में पोस्टपेड से प्रीपेड मीटर लगाए गए थे और उनकी सिक्योरिटी वापस कर दी गई थी, अब पोस्टपेड व्यवस्था लागू होने पर उनसे सिक्योरिटी एक साथ न लेकर 4 किस्तों में ली जाएगी। ऊर्जा मंत्री ने विद्युत आपूर्ति की समीक्षा करते हुए अधिकारियों को निर्देश दिए कि सभी क्षेत्रों में निर्धारित शेड्यूल के अनुसार बिना किसी कट के बिजली आपूर्ति सुनिश्चित की जाए। उन्होंने कहा कि ट्रांसफॉर्मर खराब न हों और यदि कहीं खराब हों तो उन्हें तत्काल बदला जाए, ताकि उपभोक्ताओं को किसी प्रकार की परेशानी न हो। शक्ति भवन में आयोजित इस बैठक में अपर मुख्य सचिव ऊर्जा एवं उत्तर प्रदेश पावर कॉरपोरेशन के अध्यक्ष डॉ. आशीष कुमार गोयल सहित प्रबंध निदेशक नितीश कुमार और अन्य वरिष्ठ अधिकारी उपस्थित रहे।

स्मार्ट मीटर की व्यवस्था बदली

इस फैसले से प्रदेश के लाखों बिजली उपभोक्ताओं को राहत मिलेगी। बिलिंग प्रक्रिया सरल और पारदर्शी होगी, भुगतान के लिए पर्याप्त समय मिलेगा और शिकायतों का त्वरित समाधान सुनिश्चित होगा। ऊर्जा मंत्री ने बताया कि सभी स्मार्ट मीटर उपभोक्ताओं को प्रत्येक माह की 10 तारीख तक बिल मिल जाएंगे। बिल मिलने की तिथि से भुगतान के लिए 15 दिन का समय दिया जाएगा। जिस उपभोक्ता को समय से बिल न प्राप्त हो वो व्हाट्सएप चैटबॉट्स पर संयोजन संख्या सूचित कर अपना बिल व बकाया बिल प्राप्त कर सकेंगे।

10 किस्तों में जमा हो सकेगा बकाया बिल

यह बिल 1912 पोर्टल पर शिकायत दर्ज कर भी प्राप्त किए जा सकेंगे। उपभोक्ताओं को सुविधा देने के लिए यह बड़ा निर्णय लिया गया है कि 30 अप्रैल तक (मई के बिल से पूर्व) उपभोक्ता का जो भी बिल बकाया रहेगा, वह 10 किस्तों में जमा कर सकता है। अगर किसी उपभोक्ता को बिल संबंधी कोई समस्या है तो खण्ड एवं उपखण्ड स्तर पर मई एवं जून माह में मैग कैंप का आयोजन कर स्मार्ट मीटर बिल संबंधित शिकायत निस्तारण की सुविधा दी जाएगा।

यूपी में अब मिलेगा दोगुना मुआवजा

सीएम योगी के इस फैसले से जानिए किसे होगा सबसे ज्यादा फायदा

हिंदमाता नेटवर्क @ लखनऊ

यूपी में किसानों के हित से जुड़ा एक बड़ा फैसला सामने आया है। लंबे समय से बिजली की हाईटेंशन लाइनों से प्रभावित किसानों की जो शिकायतें थीं, अब उन पर सरकार ने ठोस कदम उठाया है। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ की अध्यक्षता में हुई कैबिनेट बैठक में मुआवजा व्यवस्था को पूरी तरह बदलते हुए किसानों को सीधा आर्थिक लाभ देने का फैसला किया गया है। अब 765, 400, 220 और 132 केवी की हाईटेंशन लाइनों से प्रभावित जमीन पर पहले से कहीं ज्यादा मुआवजा मिलेगा। सबसे बड़ा बदलाव यह है कि जहां टावर (खंभे) खड़े किए जाते हैं, उस जमीन के लिए किसानों को अब जमीन की कीमत का 200% यानी दोगुना मुआवजा मिलेगा। वहीं, जिन खेतों के ऊपर से बिजली की लाइनें गुजरती हैं, उस हिस्से (राइट ऑफ वे/कॉरिडोर) के लिए 30% मुआवजा दिया जाएगा।

क्यों जरूरी था यह बदलाव

दरअसल, बिजली की बड़ी ट्रांसमिशन लाइनों के लिए जमीन की जरूरत पड़ती है। टावर लगाने के साथ-साथ उनके बीच से गुजरने वाली तारों के नीचे भी जमीन का उपयोग सीमित हो जाता है। किसान उस जमीन पर न तो निर्माण कर सकते हैं और न ही कई बार पूरी तरह खेती कर पाते हैं। पहले इस नुकसान के बदले किसानों को या तो बहुत कम मुआवजा मिलता था या कई मामलों में बिल्कुल नहीं मिलता था। यही वजह थी कि कई परियोजनाओं में स्थानीय स्तर पर विरोध भी देखने को मिलता था। ऊर्जा मंत्री एके शर्मा ने बताया कि सरकार ने इसी समस्या को ध्यान में रखते हुए नई व्यवस्था लागू की है, ताकि किसानों के साथ न्याय हो और परियोजनाएं भी बिना रुकावट आगे बढ़ सकें।

पहले क्या था नियम, अब क्या बदला

अगर पुराने सिस्टम की बात करें, तो 2018 से पहले टावर के नीचे आने वाली जमीन पर अक्सर कोई स्पष्ट मुआवजा तय नहीं था। कई मामलों में किसानों को उचित भुगतान नहीं मिल पाता था। 2018 में इसमें सुधार किया गया और टावर बेस के नीचे जमीन की कीमत का करीब 85% मुआवजा देने का प्रावधान किया गया। लेकिन इसके बावजूद एक बड़ी कमी बनी रही लाइन के नीचे आने वाली जमीन (कॉरिडोर) के लिए कोई मुआवजा नहीं था। अब नई व्यवस्था में दोनों हिस्सों को शामिल किया गया है। टावर के नीचे जमीन का 200% (दोगुना) मुआवजा दिया जाएगा इसी तरह लाइन कॉरिडोर (तारों के नीचे) 30% मुआवजा दिया जाएगा। यानी अब किसान को उसकी जमीन के हर प्रभावित हिस्से का भुगतान मिलेगा।

कैसे तय होगा मुआवजा

मुआवजा तय करने के लिए जिलाधिकारी द्वारा निर्धारित सर्किल रेट को आधार बनाया जाएगा। इसका मतलब है कि हर जिले में जमीन की जो सरकारी दर तय होती है, उसी के अनुसार भुगतान किया जाएगा। इससे मुआवजा प्रक्रिया पारदर्शी और एकसमान बनेगी। साथ ही विवाद की संभावना भी कम होगी। सरकार के मुताबिक, इस नए फैसले से किसानों को पहले के मुकाबले 21% से 33% तक ज्यादा लाभ मिलेगा। अधिकारियों का कहना है कि योगी सरकार के इस फैसले को अगर सरल भाषा में समझा जाए तो जहां पहले कम या कोई मुआवजा नहीं मिलता था, अब वहां सीधा आर्थिक लाभ मिलेगा।

क्या होगा इसका असर

सरकार का मानना है कि इस फैसले का असर सिर्फ किसानों तक सीमित नहीं रहेगा, बल्कि इससे बिजली परियोजनाओं को भी गति मिलेगी। पहले जमीन से जुड़े विवादों और विरोध के कारण कई प्रोजेक्ट्स में देरी होती थी। अब जब किसानों को उचित मुआवजा मिलेगा, तो उनकी सहमति भी आसानी से मिलेगी। इससे ट्रांसमिशन लाइन बिछाने का काम तेजी से पूरा हो सकेगा, जिसका सीधा फायदा बिजली आपूर्ति व्यवस्था को मिलेगा।

आंधी में तिनके की तरह टूटी 32 लाख की पानी टंकी

हवा में लटका ऊपरी हिस्सा

हिंदमाता नेटवर्क @ सिद्धार्थनगर

उत्तर प्रदेश के सिद्धार्थनगर जिले के खुनियाव ब्लॉक के रमवापुर विशुनपुर गांव में जल जीवन मिशन योजना के तहत बनाई जा रही एक पेयजल टंकी आंधी के कारण क्षतिग्रस्त हो गई। यह हादसा 5 मई को दोपहर करीब 12 बजे उस समय हुआ जब मेघा इंजीनियरिंग एंड इंफ्रास्ट्रक्चर लिमिटेड के कर्मचारी टंकी के ऊपरी हिस्से में जिंक एलम मटेरियल की बोल्टिंग कर रहे थे। अचानक आए तेज हवा के दबाव के कारण निर्माणाधीन टॉप रूफ टूटकर नीचे की ओर लटक गया। मौसम विभाग की चेतावनी के चलते मजदूर पहले ही नीचे उतर आए थे, जिससे इस घटना में कोई जनहानि नहीं हुई।

32 लाख की लागत से बन रही थी टंकी

हैदराबाद की मेघा इंजीनियरिंग कंपनी द्वारा बनाई जा रही इस पेयजल टंकी की कुल लागत 32.41 लाख रुपये बताई जा रही है। डेढ़ लाख लीटर की स्टोरेज क्षमता वाली यह टंकी निर्माणाधीन अवस्था में थी। कंपनी को जिले में ऐसी करीब 150 टंकियां बनाने का जिम्मा मिला हुआ है।

इंजीनियर ने बताया कैसे हुआ हादसा

जल जीवन मिशन के अधिशाषी अभियंता संजय कुमार जायसवाल ने बताया कि टंकी का आरसीसी निर्माण पहले ही पूरा हो चुका था। वर्तमान में कंटेनर में जिंक एलम का काम लेयर दर लेयर चल रहा था। दो लेयर का काम पूरा होने के बाद आज बोल्टिंग की प्रक्रिया जारी थी। करीब 15-16 मीटर की ऊंचाई पर हवा का दबाव इतना अधिक था कि बोल्टिंग पूरी न होने की वजह से ढांचा भार नहीं सह सका। अब इसे दोबारा मानक के अनुसार तैयार कराया जाएगा।

गंगा एक्सप्रेसवे पर भीषण हादसा, ट्रक से टकराई डबल डेकर बस

30 लोग घायल

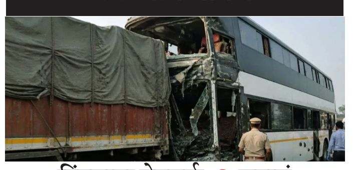

हिंदमाता नेटवर्क @ बदायूं

गंगा एक्सप्रेस-वे पर कुछ ही दिनों में कई सड़क दुर्घटनाएं हो चुकी है। आज सुबह डबल डेकर बस लुधियाना से हरदोई जा रही थी। तभी बस एक खड़े ट्रक से टकरा गई और इसमें लगभग 30 से 35 लोग घायल हो गए। जिन्हें जनपद के संभल के बहजोई सीएससी में भर्ती कराया गया। जिसके बाद गंभीर हालत को देखते हुए इन्हें बदायूं जिला अस्पताल रेफर किया गया है। आपको बता दे कि दूसरा हादसा गंगा एक्सप्रेसवे पर बदायूं के पापड़ के पास रविवार को एक कार के सामने सांड आ जाने से दो महिलाएं घायल हो गई थी, जिन्हें सीएचसी दातागंज पर इलाज के लिए भर्ती कराया गया था। वहीं सोमवार को एक कार का टायर फटने से बड़ा हादसा होते-होते रह गया था।

पश्चिम बंगाल जीत का पूरा श्रेय अमित शाह को

बृजभूषण सिंह ने गृहमंत्री को बताया BJP का 'हनुमान'

हिंदमाता नेटवर्क @ नई दिल्ली

भारतीय कुश्ती संघ के पूर्व अध्यक्ष और भाजपा नेता बृजभूषण शरण सिंह ने बंगाल चुनाव में भाजपा की जीत का श्रेय गृह मंत्री अमित शाह को दिया। उन्होंने अमित शाह को भाजपा में 'हनुमान' की भूमिका निभाने वाला रणनीतिकार बताया। इसी दौरान उन्होंने 10 मई से नंदनी नगर स्टेडियम में शुरू होने वाली ओपन नेशनल रेसलिंग चैंपियनशिप की घोषणा की, जिसमें देश भर के करीब 1300 खिलाड़ी हिस्सा लेंगे। इसमें हरियाणा के सर्वाधिक 800 पहलवानों के शामिल होने की उम्मीद है, जिसका मकसद चोट के कारण पीछे छूटे खिलाड़ियों को मौका देना है।

अमित शाह की रणनीति का लोहा माना

5 मई को अपने गोंडा स्थित आवास विष्णोहरपुर में पत्रकारों को संबोधित करते हुए बृजभूषण शरण सिंह ने बंगाल चुनाव परिणामों पर प्रतिक्रिया देते हुए कहा कि वहां मिली विजय श्री का श्रेय पूरी तरह से अमित शाह की कुशल रणनीति और नेतृत्व को जाता है। उन्होंने बंगाल की जनता और पार्टी कार्यकर्ताओं को बधाई देते हुए अमित शाह की तुलना संकटमोचक हनुमान से की। बृजभूषण के अनुसार, पूरी चुनावी बिसात और जीत का खाका शाह ने ही तैयार किया था, जिसके सुखद परिणाम सबके सामने हैं।

रेसलिंग चैंपियनशिप में हरियाणा का दबदबा

कुश्ती के आयोजन पर चर्चा करते हुए पूर्व सांसद ने स्पष्ट किया कि वर्तमान में उनका रेसलिंग प्रशासन से सीधा लेना-देना नहीं है, क्योंकि उनका बेटा यूपी कुश्ती संघ का अध्यक्ष है। हालांकि, कुश्ती के प्रति अपने शौक के कारण उन्होंने बताया कि 10 मई से शुरू हो रही ओपन रेसलिंग उनकी ही परिकल्पना थी। इसमें हरियाणा के खिलाड़ी सबसे अधिक उत्साहित हैं।

चोटिल खिलाड़ियों के लिए बड़ा मौका

तीन साल के अंतराल के बाद शुरू हो रही इस प्रतियोगिता का उद्देश्य उन प्रतिभाशाली खिलाड़ियों को मंच प्रदान करना है जो चोट या अन्य कारणों से मुख्य मुकाबलों से वंचित रह गए थे। बृजभूषण ने कहा कि यह देश के खेल भविष्य के लिए फायदेमंद साबित होगा। उन्होंने सभी प्रतिभागियों का स्वागत करते हुए उम्मीद जताई कि नंदनी नगर स्टेडियम में होने वाला यह आयोजन भारतीय कुश्ती को नई ऊंचाइयों पर ले जाएगा।

यूपी के 75 जिलों में तैनात होंगे OTD सीएम फेलो

सभी को मिलेगा 50 हजार रुपए प्रति माह

हिंदमाता नेटवर्क @ लखनऊ

यूपी के सभी 75 जिलों में अब 'ओटीडी सीएम फेलो' तैनात किए जाएंगे। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ की अध्यक्षता में हुई कैबिनेट बैठक में यह निर्णय लिया गया है। उत्तर प्रदेश को देश की सबसे बड़ी अर्थव्यवस्थाओं में शामिल करने की योजना को लेकर 'वन ट्रिलियन डॉलर मुख्यमंत्री फेलोशिप कार्यक्रम' को इस तरह डिजाइन किया गया है कि हर जिले में विकास कार्यों की रियल-टाइम मॉनिटरिंग हो सके। अब हर जिले में दो विशेषज्ञ तैनात किए जाएंगे। एक इकोनॉमिक डेवलपमेंट फेलो और एक डेटा एनालिस्ट फेलो। ये दोनों जिलाधिकारी के नेतृत्व में काम करेंगे और जिले की आर्थिक गतिविधियों पर नजर रखेंगे। इनकी भूमिका सिर्फ आंकड़े जुटाने तक सीमित नहीं होगी, बल्कि ये विकास की रणनीति तैयार करने में भी अहम योगदान देंगे। कृषि, उद्योग, निवेश, पर्यटन, रोजगार और जिला घरेलू उत्पाद (DDP) जैसे क्षेत्रों की नियमित समीक्षा की जाएगी।

जिले में कैसे बदलेगा काम करने का तरीका

अब तक योजनाओं की निगरानी अक्सर कागजी रिपोर्ट या देरी से आने वाले आंकड़ों पर निर्भर रहती थी। लेकिन नई व्यवस्था में डिजिटल डैशबोर्ड आधारित मॉनिटरिंग होगी। इसका मतलब है कि हर योजना की प्रगति को ऑनलाइन ट्रैक किया जाएगा। किस जिले में कौन सा सेक्टर पीछे है, कहां सुधार की जरूरत है यह सब तुरंत सामने आ सकेगा। इससे फैसले तेजी से होंगे और योजनाओं का असर भी ज्यादा दिखेगा। सरकार का मानना है कि जब डेटा के आधार पर निर्णय लिए जाएंगे, तो न सिर्फ पारदर्शिता बढ़ेगी, बल्कि जवाबदेही भी तय होगी।

कौन बन सकता है CM फेलो

इस फेलोशिप के लिए सरकार ने स्पष्ट योग्यता तय की है। आवेदन करने वाले उम्मीदवार के पास संबंधित विषय में परास्नातक (पोस्ट ग्रेजुएशन) की डिग्री होना जरूरी है। अधिकतम आयु सीमा 40 वर्ष रखी गई है। चयन प्रक्रिया तीन चरणों में होगी जिसमें लिखित परीक्षा (50 अंक), अधिमानी योग्यता (30 अंक) और साक्षात्कार (20 अंक) का होगा। चयन की जिम्मेदारी स्टेट ट्रांसफॉर्मेशन कमीशन, उत्तर प्रदेश को दी गई है।

क्या मिलेगी सुविधा और वेतन

चयनित फेलो को 50,000 प्रति माह मानदेय दिया जाएगा। इसके अलावा उन्हें काम के लिए जरूरी संसाधन भी दिए जाएंगे जैसे लैपटॉप, यात्रा भत्ता और आवासीय सुविधा या भत्ता। शुरुआती कार्यकाल एक साल का होगा, जिसे प्रदर्शन के आधार पर आगे बढ़ाया जा सकता है। यह फेलोशिप खासतौर पर उन युवाओं के लिए बड़ा अवसर है, जो नीति निर्माण और प्रशासनिक कामकाज में योगदान देना चाहते हैं।

मंत्री ओमप्रकाश राजभर का गनर रेप केस में गिरफ्तार

शादी का झांसा देकर 4 साल तक किया शोषण

हिंदमाता नेटवर्क @ वाराणसी

वाराणसी के सारनाथ थाने की पुलिस ने उत्तर प्रदेश के कैबिनेट मंत्री ओमप्रकाश राजभर के गनर प्रशांत राय को एक महिला के साथ लंबे समय तक दुराचार करने के आरोप में गिरफ्तार किया है। आरोपी सिपाही ने मूल रूप से अजगरा की रहने वाली पीड़िता से चार साल पहले मेलजोल बढ़ाकर उसे शादी का झांसा दिया और वाराणसी के बेनीपुर में किराए के मकान में साथ रहने लगा। इस दौरान आरोपी ने पीड़िता का यौन शोषण किया और गर्भवती होने पर मिर्जापुर के एक अस्पताल में उसका जबरन गर्भपात करा दिया। पीड़िता की शिकायत पर पुलिस ने 4 मई को पूछताछ के बाद यह कार्रवाई की।

शादी के नाम पर किया विश्वासघात

पीड़िता ने अपनी तहरीर में बताया कि 29 वर्षीय प्रशांत राय ने खुद को यूपी पुलिस का जवान बताकर दोस्ती की और फिर शादी का वादा कर शारीरिक संबंध बनाए। जब पीड़िता ने शादी का दबाव बनाया, तो आरोपी मुकर गया। इतना ही नहीं, गर्भवती होने पर प्रशांत ने पीड़िता के साथ मारपीट की और उसकी मर्जी के बिना उसे मिर्जापुर ले जाकर गर्भपात कराया। इस अमानवीय कृत्य के कारण महिला की तबीयत भी काफी बिगड़ गई थी, लेकिन रसूख के नशे में चूर सिपाही उसे धमकाता रहा।

थाने पहुंचते ही खुली सिपाही की पोल

4 मई को हिम्मत जुटाकर पीड़िता सारनाथ थाने पहुंची और आपबीती सुनाई। शिकायत की जानकारी मिलते ही सिपाही प्रशांत राय अपने बड़े भाई के साथ थाने पहुंच गया। एसीपी सारनाथ विदुश सक्सेना के नेतृत्व में जब पुलिस ने उससे कड़ी पूछताछ की, तो वह किसी भी सवाल का संतोषजनक जवाब नहीं दे सका। साक्ष्यों और पीड़िता के बयानों के आधार पर पुलिस ने उसे तुरंत हिरासत में ले लिया। प्रशांत मूल रूप से मिर्जापुर का रहने वाला है और वर्तमान में मंत्री की सुरक्षा एस्कॉर्ट में तैनात था।

2018 में भर्ती हुआ था आरोपी प्रशांत

प्रशांत राय वर्ष 2018 में उत्तर प्रदेश पुलिस में बतौर सिपाही भर्ती हुआ था। उसकी तैनाती गाजीपुर पुलिस लाइन में थी, जहां से उसे कैबिनेट मंत्री ओमप्रकाश राजभर की सुरक्षा में गनर के रूप में भेजा गया था। रक्षक से 'भक्षक' बने इस सिपाही की करतूत ने पुलिस विभाग की छवि को भी नुकसान पहुंचाया है। फिलहाल पुलिस ने आरोपी को जेल भेज दिया है और मामले की गहनता से जांच की जा रही है ताकि पीड़िता को न्याय मिल सके।

हिंदमाता एंकर: आरोपियों ने क्रूरता की सारी हदें पार करते हुए गुलशन को सामने से आ रही देहरादून-हावड़ा एक्सप्रेस ट्रेन के आगे धक्का दे दिया, ट्रेन की चपेट में आने से गुलशन की मौके पर ही मौत हो गई

बिजनौर में खूनी खेल! बहन के प्रेम विवाह से नाराज भाइयों ने पहले जीजा को पीटा, फिर ट्रेन के आगे दिया धक्का, मौत

हिंदमाता नेटवर्क @ बिजनौर

उत्तर प्रदेश के बिजनौर जिले के स्योहारा थाना क्षेत्र से एक बेहद दिल दहला देने वाला मामला सामने आया है। यहां एक युवती के प्रेम विवाह से नाराज उसके भाइयों ने अपने ही जीजा की बेरहमी से हत्या कर दी। आरोप है कि उन्होंने युवक को चलती ट्रेन के आगे धक्का दे दिया, जिससे उसकी मौके पर ही दर्दनाक मौत हो गई। मृतक की पहचान 24 वर्षीय गुलशन के रूप में हुई है, जो स्योहारा थाना क्षेत्र के जुझैला गांव का रहने वाला था। बताया जा रहा है कि गुलशन का गांव रहटौली की एक युवती के साथ पिछले तीन से चार वर्षों से प्रेम संबंध था। दोनों अलग-अलग जातियों से थे। गुलशन दलित समाज से था, जबकि युवती सैनी बिरादरी से ताल्लुक रखती थी। इसी वजह से युवती के परिवार को यह रिश्ता बिल्कुल मंजूर नहीं था और वे इसका लगातार विरोध कर रहे थे।

15 दिन पहले कोर्ट मैरिज कर ली थी

परिवार के विरोध के बावजूद दोनों ने करीब पंद्रह दिन पहले कोर्ट मैरिज कर ली थी। हालांकि शादी के बाद भी युवती अपने मायके में ही रह रही थी। जैसे ही इस विवाह की जानकारी युवती के भाइयों को हुई, वे आक्रोशित हो उठे और बदला लेने की ठान ली। पुलिस जांच के अनुसार, 30 अप्रैल की रात गुलशन अपनी पत्नी से मिलने उसके गांव पहुंचा था। इसी दौरान युवती के भाई अतर सिंह और पंकज ने अपने साथियों के साथ मिलकर उसे रास्ते में ही रोक लिया। आरोप है कि पहले उन्होंने गुलशन की बेरहमी से पिटाई की और फिर उसे जबरन घसीटते हुए पास स्थित महमूदपुर रेलवे ट्रैक तक ले गए। इसके बाद आरोपियों ने क्रूरता की सारी हदें पार करते हुए गुलशन को सामने से आ रही देहरादून-हावड़ा एक्सप्रेस ट्रेन के आगे धक्का दे दिया। ट्रेन की चपेट में आने से गुलशन की मौके पर ही मौत हो गई और उसका शरीर बुरी तरह क्षत-विक्षत हो गया।

शव को रेलवे ट्रैक पर छोड़कर भागे

वारदात को छिपाने के लिए आरोपियों ने इसे हादसा या आत्महत्या का रूप देने की कोशिश की। उन्होंने शव को रेलवे ट्रैक पर ही छोड़ दिया, ताकि मामला सामान्य दुर्घटना जैसा लगे। लेकिन मृतक के पिता नृपेन्द्र सिंह को शुरू से ही हत्या की आशंका थी। उन्होंने पुलिस में शिकायत दर्ज कराई और मामले की गंभीर जांच की मांग की। इस दौरान सामाजिक संगठनों के लोगों ने भी विरोध प्रदर्शन किया। मामले की गंभीरता को देखते हुए पुलिस अधीक्षक ने तुरंत टीम गठित की। प्रभारी निरीक्षक संजय कुमार के नेतृत्व में पुलिस ने तकनीकी साक्ष्यों और मुखबिरों की मदद से पूरे घटनाक्रम का खुलासा किया। जांच के बाद पुलिस ने मुख्य आरोपी अतर सिंह समेत उसके दो साथियों राहुल सैनी और रजनीश को गिरफ्तार कर जेल भेज दिया है।

शॉर्ट स्टोरी

जौनपुर के नए जिलाधिकारी सैमुअल पॉल एन. ने संभाला कार्यभार

हिंदमाता नेटवर्क @ जौनपुर

उत्तर प्रदेश के जौनपुर में नए जिलाधिकारी सैमुअल पॉल एन। ने मंगलवार को कलेक्ट्रेट पहुंचकर विधिवत कार्यभार ग्रहण किया। जिलाधिकारी सैमुअल पॉल ने कार्यभार ग्रहण करने के बाद कहा कि शासन की प्राथमिकताओं, योजनाओं को धरातल पर उतारना उनकी सर्वोच्च प्राथमिकता होगी तथा शिकायत निवारण प्रणाली अंतर्गत आमजन की समस्याओं का त्वरित एवं गुणवत्तापूर्ण निस्तारण सुनिश्चित किया जाएगा। डीएम ने कहा कि जिले में जीरो टॉलरेंस की नीति के तहत काम किया जाएगा, ताकि प्रशासनिक व्यवस्था में जवाबदेही और पारदर्शिता बनी रहे। साथ ही उन्होंने आश्वासन दिया कि किसी भी नागरिक को एक ही कार्य के लिए बार-बार कार्यालयों के चक्कर नहीं लगाने पड़ेंगे। इस अवसर पर मुख्य विकास अधिकारी, अपर जिलाधिकारी (वित्त एवं राजस्व), मुख्य राजस्व अधिकारी, वरिष्ठ कोषाधिकारी सहित अन्य संबंधित अधिकारी एवं कर्मचारी उपस्थित रहे। नवागत जिलाधिकारी सैमुअल पॉल एन। मूल रूप से तमिलनाडु के रहने वाले हैं और 2013 बैच के भारतीय प्रशासनिक सेवा (आईएएस) अधिकारी हैं। इससे पहले, वे कानपुर नगर में प्रबंध निदेशक और अतिरिक्त आयुक्त श्रेणी के पद पर कार्यरत थे।

आकाशीय बिजली से जले घर, उखड़े पेड़, बिहार में आंधी-बारिश से 12 की मौत

हिंदमाता नेटवर्क @ पटना

बिहार में सोमवार देर रात आए आंधी-तूफान और आकाशीय बिजली ने काफी तबाही मचाई है। तेज हवाओं, लगातार बारिश और ब्रजपात (आकाशीय बिजली) की घटनाओं ने कई जिलों को प्रभावित किया है। राज्य भर में अब तक 12 लोगों की मौत हो चुकी है, जबकि कई अन्य घायल हैं। सबसे ज्यादा असर पूर्वी चंपारण जिले में देखने को मिला, जहां 6 लोगों की जान चली गई। पूर्वी चंपारण में कई स्थानों पर ब्रजपात की चपेट में आने से करीब 10 घरों में आग लग गई, जिससे लोगों का सामान पूरी तरह जलकर राख हो गया। आग लगने के बाद इलाके में अफरा-तफरी का माहौल बन गया और लोग अपनी जान बचाने के लिए इधर-उधर भागते नजर आए। इसी बीच एक दर्दनाक हादसा मुफस्सिल थाना क्षेत्र के रूपडीह गांव के पास हुआ। बारिश और तेज तूफान से बचने के लिए एक टेम्पो चालक ने वाहन को सड़क किनारे एक बड़े पेड़ के नीचे रोक दिया। लेकिन तेज हवाओं के चलते वह विशाल पेड़ अचानक गिर पड़ा और सीधे टेम्पो पर आ गिरा। इस हादसे में तीन लोगों की मौके पर ही मौत हो गई, जबकि दो अन्य गंभीर रूप से घायल हो गए। घायलों को स्थानीय अस्पताल में भर्ती कराया गया है, जहां उनका इलाज जारी है। वहीं, सुगौली थाना क्षेत्र के छपराबहास और कैथवलिया गांव में आकाशीय बिजली गिरने से दो लोगों की मौत हो गई और एक व्यक्ति गंभीर रूप से घायल हो गया। मृतकों की पहचान 8 वर्षीय अंशु कुमारी और 15 वर्षीय सन्नी देवल कुमार के रूप में हुई है। बताया जा रहा है कि ये बच्चे खेत में खेल रहे थे, तभी अचानक बिजली गिरने से वे इसकी चपेट में आ गए। घायल मंतोष कुमार का इलाज चल रहा है। इसके अलावा रामगढ़वा थाना क्षेत्र के सिसवनिया गांव में भी आकाशीय बिजली गिरने से एक व्यक्ति की मौत हो गई, जबकि एक अन्य घायल हो गया है। लगातार हो रही इन घटनाओं से लोगों में दहशत का माहौल है। प्राकृतिक आपदा के इस दौर में आगजनी और धुएं के कारण कई इलाकों में अफरा-तफरी की स्थिति बन गई। दमकल की गाड़ियां देर से पहुंचने के कारण ग्रामीणों में नाराजगी देखी गई। स्थानीय लोगों का कहना है कि समय पर राहत और बचाव कार्य शुरू होता, तो नुकसान को कम किया जा सकता था। फिलहाल प्रशासन स्थिति पर नजर बनाए हुए है और लोगों से खराब मौसम के दौरान सतर्क रहने की अपील की गई है। गयाजी में आंधी-तूफान के चलते चार लोगों की जान चली गई, जबकि औरंगाबाद में तीन लोगों की मौत की खबर है। मौसम विभाग ने पहले ही पटना समेत आसपास के इलाकों में तेज आंधी, गरज-चमक के साथ बारिश और आकाशीय बिजली गिरने की चेतावनी जारी की थी, लेकिन इसके बावजूद कई जगहों पर भारी नुकसान हुआ।

सम्राट सरकार के कैबिनेट विस्तार की आ गई तारीख, ये होगा फॉर्मूला!

हिंदमाता नेटवर्क @ पटना

बिहार में सम्राट चौधरी के नेतृत्व वाली सरकार के कैबिनेट विस्तार की तारीख तय हो गई है। आगामी 7 मई को पटना के गांधी मैदान में एक भव्य शपथ ग्रहण समारोह आयोजित किया जाएगा, जहां नए मंत्रियों को पद और गोपनीयता की शपथ दिलाई जाएगी। बीजेपी सूत्रों के मुताबिक, प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह भी पटना पहुंच सकते हैं। मंत्रिमंडल विस्तार के लिए गांधी मैदान में तैयारियों को अंतिम रूप दिया जा रहा है। सूत्रों के मुताबिक, इस विस्तार में कुल 27 मंत्रियों को शपथ दिलाई जा सकती है। मौजूदा वक्त में मुख्यमंत्री सम्राट चौधरी के साथ जेडीयू कोटे से दो डिप्टी सीएम विजय कुमार चौधरी और विजेंद्र प्रसाद यादव ही कैबिनेट का हिस्सा हैं, ऐसे में इस विस्तार के जरिए सरकार को पूर्ण स्वरूप दिया जाएगा। कैबिनेट विस्तार में एनडीए के सभी घटक दलों को प्रतिनिधित्व देने की तैयारी है। मिली जानकारी के मुताबिक, बीजेपी से 12 और जनता दल यूनाइटेड (JDU) से 11 विधायकों को मंत्री पद की शपथ दिलाई जा सकती है। इसके अलावा, चिराग पासवान की पार्टी एलजेपीआर से 2 मंत्रियों को जगह मिल सकती है। जीतन राम मांझी की पार्टी HAM और उपेंद्र कुशवाहा की आरएलएम से भी एक-एक मंत्री को कैबिनेट में शामिल किए जाने की संभावना है। इस संतुलन के जरिए सम्राट चौधरी सरकार राज्य के सभी वर्गों और सहयोगी दलों को साधने की कोशिश कर रही है। शपथ ग्रहण समारोह को देखते हुए पटना का प्रशासन पूरी तरह अलर्ट पर है। गांधी मैदान में भव्य मंच तैयार किया जा रहा है और सुरक्षा के कड़े इंतजाम किए गए हैं। बीजेपी और जेडीयू के कार्यकर्ताओं में इस विस्तार को लेकर भारी उत्साह देखा जा रहा है।

अटलांटिक में क्रूज शिप पर फंसे 23 देशों के 149 लोग

हंतावायरस का दूसरा केस मिला, 3 लोग जान गंवा चुके

हिंदमाता नेटवर्क @ नई दिल्ली

अटलांटिक महासागर में चल रहे क्रूज शिप MV होंडियस पर एक संदिग्ध बीमारी को लेकर चिंता बढ़ गई है। इस जहाज पर हंतावायरस के दो मामलों की पुष्टि हुई है। अब तक तीन लोगों की मौत हो चुकी है। एक ब्रिटिश नागरिक गंभीर हालत में अस्पताल में भर्ती है। जहाज का संचालन करने वाली कंपनी ने बताया कि मरने वालों में एक डच पति-पत्नी और एक जर्मन नागरिक शामिल हैं। 69 साल के ब्रिटिश नागरिक और मृत डच महिला में हंतावायरस की पुष्टि हुई है। हालांकि बाकी मौतों की वजह अभी साफ नहीं है और जांच जारी है। वर्ल्ड हेल्थ ऑर्गनाइजेशन (WHO) ने बताया कि इस जहाज से जुड़े पांच और संदिग्ध मामलों की भी जांच की जा रही है। हंतावायरस आमतौर पर चूहों जैसे जानवरों के मल, पेशाब या लार से फैलता है। इससे गंभीर सांस की बीमारी हो सकती है, लेकिन यह इंसान से इंसान में बहुत कम फैलता है। इस समय MV होंडियस जहाज केप वर्डे के तट के पास खड़ा है। जहाज पर 23 देशों के 149 लोग सवार हैं। केप वर्डे अफ्रीका का आइलैंड नेशन है, जिसने यात्रियों को उतरने की अनुमति नहीं दी है।

कब से शुरू हुआ मौतों का मामला?

घटनाओं की टाइमलाइन के मुताबिक, 11 अप्रैल को एक यात्री की तबीयत बिगड़ी और उसकी मौत हो गई। 24 अप्रैल को जहाज सेंट हेलेना पहुंचा, जहां उसका शव उतारा गया। उसकी पत्नी भी वहीं उतरी, लेकिन बाद में उसकी भी तबीयत खराब हुई और मौत हो गई। 27 अप्रैल को एक ब्रिटिश नागरिक गंभीर रूप से बीमार हुआ, जिसे साउथ अफ्रीका ले जाया गया। वह इस समय अस्पताल में भर्ती है। शनिवार को एक जर्मन यात्री की भी मौत हो गई, जिसकी वजह अभी पता नहीं चली है।

दो क्रू मेंबर में बीमारी के लक्षण मिले

कंपनी के मुताबिक, जहाज पर माहौल शांत है और लोग घबराए नहीं हैं। हालांकि, दो क्रू मेंबर (एक ब्रिटिश और एक डच) में सांस से जुड़ी बीमारी के लक्षण मिले हैं। इनमें से एक की हालत गंभीर है, लेकिन अभी हंतावायरस की पुष्टि नहीं हुई है। इन दोनों क्रू मेंबर और एक अन्य व्यक्ति को जल्द ही खास मेडिकल विमान से जहाज से बाहर ले जाने की तैयारी की जा रही है। इसके लिए स्थानीय प्रशासन से बातचीत चल रही है।

केप वर्डे ने यात्रियों को अनुमति नहीं दी

WHO के यूरोप निदेशक हंस हेनरी पी क्लुगे ने कहा कि यह बीमारी दुर्लभ है और आम लोगों के लिए खतरा कम है, इसलिए घबराने की जरूरत नहीं है। फिलहाल, केप वर्डे प्रशासन ने सुरक्षा कारणों से यात्रियों को उतरने की अनुमति नहीं दी है। जहाज अब लास पालमास या टेनेरिफे ले जाने पर विचार कर रहा है, जहां सभी की जांच की जाएगी।

यूएई पर अटैक में घायल हुए तीन भारतीय

विदेश मंत्रालय ने कहा- ये अस्वीकार्य

हिंदमाता नेटवर्क @ नई दिल्ली

यूएई के फुजैराह में हुए हमले को लेकर भारत ने कड़ा रुख अपनाया है। इस हमले में तीन भारतीय नागरिक घायल हुए हैं, जिसे भारत सरकार ने अस्वीकार्य बताया है। विदेश मंत्रालय ने अपने बयान में कहा कि फुजैराह पर हमला और उसमें भारतीयों का घायल होना गंभीर मामला है। भारत ने सभी देशों से तुरंत हिंसा रोकने की अपील की है। सरकार ने कहा कि आम लोगों और नागरिक ढांचे को निशाना बनाना बिल्कुल गलत है और इसे तुरंत बंद किया जाना चाहिए। भारत ने एक बार फिर कहा कि इस तरह के संकट का हल बातचीत और कूटनीति से ही निकल सकता है, ताकि पश्चिम एशिया में शांति बनी रहे।

भारत ने समुद्री सुरक्षा पर भी चिंता जताई

भारत का कहना है कि स्ट्रेट ऑफ होर्मुज से अहम समुद्री रास्ते पर बिना रुकावट आवाजाही जरूरी है। यह इलाका दुनिया के लिए बहुत महत्वपूर्ण है। विदेश मंत्रालय ने यह भी कहा कि भारत शांति बनाए रखने के लिए हर संभव मदद करने को तैयार है।

ऑयल इंडस्ट्री जोन में हुआ था हमला

यह हमला सोमवार को फुजैराह ऑयल इंडस्ट्री जोन (FOIZ) में हुआ। रिपोर्ट्स के मुताबिक, हमला ड्रोन के जरिए किया गया, जिसके बाद वहां आग लग गई। स्थानीय अधिकारियों ने बताया कि आग लगते ही सिविल डिफेंस की टीम मौके पर पहुंच गई और आग बुझाने का काम शुरू किया। इस घटना में घायल तीनों भारतीयों को चोटें आई हैं, उन्हें अस्पताल में भर्ती कराया गया है। UAE स्थित भारतीय दूतावास ने बताया कि वह स्थानीय प्रशासन के संपर्क में है और घायलों के इलाज और देखभाल पर नजर रखे हुए है। वहीं UAE की डिफेंस मिनिस्ट्री के मुताबिक, ईरान ने चार मिसाइलें दागी थीं। इनमें से तीन को हवा में ही रोक दिया गया, जबकि एक समुद्र में गिर गई। स्थानीय प्रशासन ने लोगों से कहा है कि वे अफवाहों पर ध्यान न दें और केवल आधिकारिक जानकारी पर भरोसा करें।

4 महीने जॉर्डन एयरपोर्ट पर फंसे 4 फिलिस्तीनी बच्चे

राष्ट्रपति की मदद से UAE लौटे

हिंदमाता नेटवर्क @ तेल अवीव

जॉर्डन के क्वीन आलिया एयरपोर्ट पर चार महीने से फंसे चार फिलिस्तीनी बच्चों को आखिरकार यूएई वापस लाया गया। दरअसल, बच्चों का एक भावुक वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल हुआ और वह यूएई के राष्ट्रपति शेख मोहम्मद बिन जायद तक पहुंच गया। इन बच्चों के पिता ईद सुलेमान अल अब्बासी यूएई में रहते हैं। उन्होंने अपने चार बच्चों को जॉर्डन भेजा था, ताकि वे वहां नई जिंदगी शुरू कर सकें। लेकिन जैसे ही बच्चे जॉर्डन पहुंचे, उन्हें एयरपोर्ट पर ही रोक दिया गया। वजह यह थी कि जॉर्डन में एंट्री के लिए जरूरी कागज पूरे नहीं थे। दूसरी तरफ, पिता पहले ही बच्चों के यूएई वीजा रद्द कर चुके थे, इसलिए वे वापस भी नहीं आ सकते थे। बच्चों ने बताया कि शुरुआत में उन्हें 14 से 16 दिन तक एयरपोर्ट पर ही रखा गया। इसके बाद उन्हें करीब ढाई महीने तक एयरपोर्ट के एक होटल में ठहराया गया। फिर उन्हें दोबारा एयरपोर्ट पर भेज दिया गया। इस दौरान उनकी पढ़ाई, दिनचर्या और सामान्य जीवन पूरी तरह रुक गया था। वे लगातार तनाव में थे।

बच्चों ने राष्ट्रपति को बाबा कहकर पुकारा

जब कोई रास्ता नहीं बचा, तो बच्चों ने एक वीडियो बनाकर मदद मांगी। इस वीडियो में एक छोटी बच्ची ने राष्ट्रपति को बाबा कहकर पुकारा और कहा कि हम चार बच्चे हैं, चार महीने से एयरपोर्ट पर फंसे हैं। हमारा घर यूएई है, हमारी मदद कीजिए। यह वीडियो तेजी से वायरल हुआ और सीधे राष्ट्रपति के दफ्तर तक पहुंच गया। इसके बाद यूएई सरकार ने तुरंत कदम उठाया। बच्चों के पिता ने बताया कि उन्होंने शाम को अपील भेजी थी और रात करीब 1:30 बजे उन्हें फोन आया। अधिकारियों ने कुछ सवाल पूछे और कुछ घंटों बाद फिर संपर्क किया। उसी दिन शाम तक उन्हें बता दिया गया कि वे बच्चों की वापसी की फ्लाइट बुक कर सकते हैं। पिता ने जब वीजा की समस्या बताई, तो अधिकारियों ने कहा कि बच्चों को वीजा के लिए एयरपोर्ट पर इंतजार नहीं करना पड़ेगा।

राष्ट्रपति पहले भी इस परिवार की मदद कर चुके

अल अब्बासी परिवार ने यह भी बताया कि राष्ट्रपति पहले भी उनकी मदद कर चुके हैं। 2007 में उनके पिता का इलाज राष्ट्रपति के खर्च पर हुआ था, जबकि उनका वीजा खत्म हो चुका था। 2012 में भी उनका इलाज फिर से कराया गया था। अब बच्चों की सुरक्षित वापसी से पूरा परिवार बेहद खुश है। वीडियो में अपील करने वाली बच्ची ने कहा कि राष्ट्रपति ने उन्हें बचाया और उनके पिता से मिलाया। उसने धन्यवाद देते हुए कहा कि वह उनसे बहुत प्यार करती है

ट्रंप की हत्या की कोशिश करने वाले आरोपी से जज ने मांगी माफी, वजह भी बताई

हिंदमाता नेटवर्क @ वाशिंगटन

ट्रंप की व्हाइट हाउस कॉरेस्पॉन्डेट डिनर पार्टी में फायरिंग करने वाले शख्स से अमेरिका के जज ने माफी मांगी है। आरोपी कोल एलन के साथ जेल में किए जा रहे व्यवहार पर कोर्ट ने चिंता जताई। जज जज जिया फारूकी ने सुनवाई के दौरान कोल एलन से कहा, आपके साथ जो भी हुआ, उसके लिए मैं माफी मांगता हूं। एलन पर अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप की हत्या की कोशिश का आरोप लगा है। अमेरिकी मजिस्ट्रेट जज ने कहा कि आरोपी के साथ इंसानी सम्मान के साथ व्यवहार नहीं किया जा रहा है। उन्होंने यह भी कहा कि 6 जनवरी 2021 को कैपिटल पर हमला करने वालों के मुकाबले एलन के साथ ज्यादा सख्ती हो रही है। जबकि उस पर भी वैसे ही आरोप लगे हैं। हालांकि जज के कमेंट से ट्रंप प्रशासन गुस्से में है, अमेरिकी राष्ट्रपति के एक करीबी ने कहा कि जज आरोपी के लिए तवज्जो देने वाले बर्ताव की मांग कर रहे हैं।

सुसाइड वॉच पर रखा लगा आरोपी

फिलहाल एलन को वॉशिंगटन की जेल में सुसाइड वॉच पर रखा गया है। उसके वकीलों का कहना है कि मेडिकल जांच में उसमें आत्महत्या के कोई संकेत नहीं मिले, फिर भी उसे कड़ी निगरानी में रखा गया है। उसे एक गद्देदार कमरे में रखा गया है, जहां हमेशा लाइट जलती रहती है। उसे एक खास जैकेट पहननी पड़ती है, जो उसे ज्यादा हिलने-डुलने नहीं देती। एलन को कमरे से बाहर सिर्फ मेडिकल या कानूनी काम के लिए जाने दिया जाता है। हर बार बाहर जाने और आने पर उसकी तलाशी ली जाती है। उसके वकीलों का कहना है कि उसे अपने केस से जुड़े कागज भी रखने नहीं दिए जाते, जिससे वह अपनी कानूनी तैयारी ठीक से नहीं कर पा रहा।

10 दिन पहले अरेस्ट हुआ था एलन

31 साल के कोल एलन को 25 अप्रैल को गिरफ्तार किया गया था। आरोप है कि उसने व्हाइट हाउस कॉरेस्पोंडेंट्स डिनर के दौरान सुरक्षा घेरा तोड़ा और होटल की लॉबी में फायरिंग की। उसके पास से शॉटगन, पिस्टल और चाकू भी मिले थे। जांच में यह भी सामने आया कि उसके पास ट्रंप प्रशासन के बड़े अधिकारियों की एक टारगेट लिस्ट थी।

होर्मुज से अचानक दूर क्यों भागने लगे जहाज!

ईरान-अमेरिका तनाव के बीच दुबई के पास डाला डेरा

हिंदमाता नेटवर्क @ नई दिल्ली

होर्मुज स्ट्रेट पर ईरान अपना नियंत्रण बढ़ाने की कोशिश कर रहा है। इस बीच मंगलवार को दुबई के पास सैकड़ों जहाज एक जगह जमा होते नजर आए क्योंकि जहाज बंद पड़े होर्मुज स्ट्रेट से दूर जा रहे हैं। अमेरिका और ईरान के बीच युद्धविराम अब काफी कमजोर होता दिख रहा है। दोनों पक्षों के बीच गोलीबारी जारी है, वहीं अमेरिका ने कहा है कि उसने होर्मुज स्ट्रेट में रास्ता खोल दिया है। CBS की रिपोर्ट के अनुसार, दो अमेरिकी विध्वंसक जहाज फारस की खाड़ी में प्रवेश कर चुके हैं। क्रू मेंबर्स ने बताया कि उन्हें रेडियो ब्रॉडकास्ट के जरिए चेतावनी दी जा रही है कि इस्लामिक रिवोल्यूशनरी गार्ड कॉर्प्स (IRGC) की ओर से संरक्षित नए सीमाई क्षेत्र लागू कर दिए गए हैं। इस बीच ईरान फुजैरा बंदरगाह पर हमले कर रहा है जिससे साफ है कि वो इसे अपना विस्तारित नियंत्रण क्षेत्र मानता है।

ऑपरेशन सिंदूर में पाक सेना ने हाफिज सईद और मसूद अजहर के लिए लड़ी लड़ाई

शाहीर सियालवी के बयान ने खोली पाकिस्तान की पोल

हिंदमाता नेटवर्क @ इस्लामाबाद

ऑपरेशन सिंदूर की पहली बरसी से ठीक पहले पाकिस्तान से एक ऐसा बयान सामने आया है, जिसने एक बार फिर वहां की सेना और आतंकी संगठनों के रिश्तों को लेकर बहस छेड़ दी है। पाकिस्तान के नेता शाहीर सियालवी ने कथित तौर पर एक कार्यक्रम में ऐसा बयान दिया, जिसे लेकर अब सवाल उठ रहे हैं। बताया जा रहा है कि यह कार्यक्रम लश्कर-ए-तैयबा से जुड़ा हुआ था। अपने संबोधन में सियालवी ने कहा कि पहली बार पाकिस्तान की सेना ने हाफिज सईद और मसूद अजहर जैसे लोगों के लिए लड़ाई लड़ी। उनके इस बयान के बाद भारत के उन आरोपों को फिर बल मिला है, जिनमें कहा जाता रहा है कि पाकिस्तान की सेना और वहां का सिस्टम आतंकी संगठनों को समर्थन देता है। जानकारी के मुताबिक, इस कार्यक्रम में कई ऐसे लोग भी मौजूद थे, जिन पर अंतरराष्ट्रीय स्तर पर आतंकवाद के आरोप हैं। हाफिज सईद, जो लश्कर-ए-तैयबा का संस्थापक माना जाता है, और मसूद अजहर, जो जैश-ए-मोहम्मद का सरगना है, दोनों ही संयुक्त राष्ट्र द्वारा घोषित आतंकवादी हैं। इसके अलावा मुजम्मिल इकबाल हाशमी नाम का शख्स भी कार्यक्रम में मौजूद बताया गया, जिसे अमेरिका भी आतंकवादी घोषित कर चुका है। ऐसे में इस पूरे कार्यक्रम और उसमें दिए गए बयानों को लेकर अंतरराष्ट्रीय स्तर पर भी चर्चा तेज हो सकती है।

पाक नेता ने स्वीकारा सेना-आतंकी संगठनों का गठजोड़

सियालवी ने अपने बयान में यह दावा भी किया कि पिछले साल भारत ने मुरीदके और बहावलपुर में कई ठिकानों पर हमले किए थे, जिनमें कई आतंकी मारे गए। इसके बाद पाकिस्तान ने अपनी रणनीति बदल दी और मारे गए लोगों को आतंकी की बजाय आजादी के लड़ाके के तौर पर पेश करना शुरू कर दिया। उन्होंने यह भी कहा कि इन लोगों के जनाजे धार्मिक मौलवियों की बजाय पाकिस्तान सेना के धार्मिक अधिकारियों ने पढ़ाए। इतना ही नहीं, सेना के जवानों ने खुद वर्दी पहनकर शवों को उठाया, ताकि दुनिया को यह संदेश दिया जा सके कि ये लोग आतंकवादी नहीं, बल्कि किसी मकसद के लिए लड़ने वाले लोग थे।

पाकिस्तान की आतंकवाद पर दोहरी नीति पर सवाल

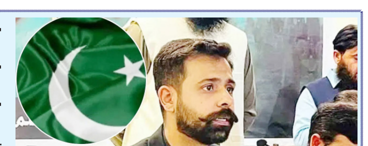

गौरतलब है कि भारत ने 7 मई को ऑपरेशन सिंदूर शुरू किया था। यह कार्रवाई 22 अप्रैल को पहलगाम में हुए आतंकी हमले के जवाब में की गई थीय इस हमले में 26 निर्दोष लोगों की मौत हो गई थी, जिसके बाद पूरे देश में भारी गुस्सा देखने को मिला था। इसके बाद भारतीय सेना ने पाकिस्तान के कब्जे वाले इलाकों में मौजूद कई आतंकी ठिकानों को निशाना बनाया। इनमें लश्कर-ए-तैयबा और जैश-ए-मोहम्मद से जुड़े ठिकाने भी शामिल बताए गए। ऑपरेशन के बाद करीब चार दिनों तक दोनों देशों के बीच तनाव और सैन्य झड़पें जारी रहीं, जो 10 मई को आपसी समझ के बाद थमीं। अब पाकिस्तान के नेता के इस बयान ने एक बार फिर दोनों देशों के रिश्तों में तनाव बढ़ा दिया है। आने वाले दिनों में इस मुद्दे पर अंतरराष्ट्रीय स्तर पर भी बहस तेज होने की संभावना जताई जा रही है।

हिंदमाता एंकर पुतिन ज्यादा समय अंडरग्राउंड बंकरों में रह रहे हैं और यूक्रेन युद्ध पर ही पूरा ध्यान दे रहे हैं

पुतिन को हत्या और तख्तापलट का डर, सुरक्षा में हुए 5 बड़े बदलाव

हिंदमाता नेटवर्क @ नई दिल्ली

रूस के राष्ट्रपति व्लादिमिर पुतिन की सुरक्षा को लेकर खतरा बढ़ गया है। हत्या या तख्तापलट की आशंका के कारण उनकी सुरक्षा पहले से कहीं ज्यादा सख्त कर दी गई है। अब पुतिन ज्यादा समय अंडरग्राउंड बंकरों में रह रहे हैं और यूक्रेन युद्ध पर ही पूरा ध्यान दे रहे हैं। ये दावा फाइनेंशियल टाइम्स की रिपोर्ट में किया गया है। आइए पुतिन की सुरक्षा में हुए 5 बदलावों के बारे में जानते हैं।

1. घर की बजाय बंकर में बढ़ा समय

पुतिन अब मॉस्को और वाल्दाई स्थित अपने घरों में कम जा रहे हैं। वे दक्षिण रूस के क्रास्नोदार इलाके में बने बंकरों में कई-कई हफ्तों तक रहकर काम कर रहे हैं। इस दौरान सरकारी मीडिया पुराने रिकॉर्डेड वीडियो दिखाकर सामान्य हालात का संदेश देता है। जनवरी में वेनेजुएला के राष्ट्रपति निकोलस मादुरो की गिरफ्तारी के बाद भी

2. ड्रोन खतरे के बाद सुरक्षा सख्त

मार्च के बाद ड्रोन हमलों का खतरा बढ़ने से सुरक्षा एजेंसी फेडरल प्रोटेक्टिव सर्विस (FSO) ने सुरक्षा और कड़ी कर दी है। यूक्रेन के ड्रोन हमलों और ऑपरेशन स्पाइडरवेब जैसी घटनाओं की वजह से रूस की चिंता और बढ़ गई है। सुरक्षा खतरा सिर्फ पुतिन तक सीमित नहीं है। हाल के समय में रूस के कई बड़े सैन्य अधिकारियों पर हमले हुए हैं, जिनमें लेफ्टिनेंट जनरल फानिल सरवारोव की हत्या भी शामिल है। इसे लेकर अलग-अलग सुरक्षा एजेंसियों के बीच जिम्मेदारी को लेकर बहस भी हुई।

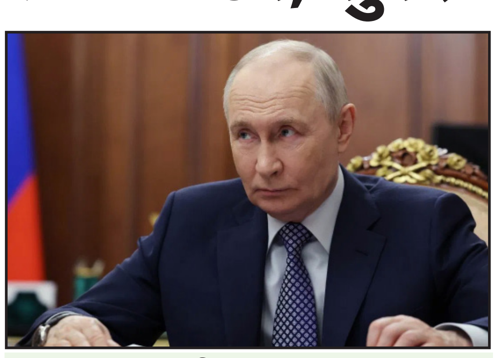

3. स्टाफ पर सख्त नियम

पुतिन के आसपास काम करने वाले लोगों, जैसे- रसोइए, फोटोग्राफर और बॉडीगार्ड पर भी कड़े नियम लागू किए गए हैं। उन्हें पब्लिक ट्रांसपोर्ट, मोबाइल फोन और इंटरनेट डिवाइस इस्तेमाल करने की अनुमति नहीं है। उनके घरों में भी निगरानी सिस्टम लगाए गए हैं।

4. मॉस्को में हाई अलर्ट

सुरक्षा एजेंसियां स्निफर डॉग्स की मदद से बड़े स्तर पर जांच कर रही हैं। मॉस्को नदी के किनारों पर भी तैनाती बढ़ा दी गई है, ताकि किसी भी संभावित ड्रोन हमले को रोका जा सके। मॉस्को हाल ही में हुई इंटरनेट शटडाउन की घटनाओं को भी इसी सुरक्षा से जोड़कर देखा जा रहा है।

5. बढ़ती दूरी और घटती लोकप्रियता

पुतिन अब अपना ज्यादातर समय युद्ध पर खर्च कर रहे हैं। आम लोगों और अधिकारियों से कम मिल रहे हैं। एक्सपर्ट्स का कहना है कि पुतिन अब पहले से ज्यादा अलग-थलग हो गए हैं और आम लोगों से उनकी दूरी बढ़ गई है। इसका असर उनकी लोकप्रियता पर भी पड़ा है। पुतिन की लोकप्रियता 2022 के बाद सबसे निचले स्तर पर पहुंच गई है। सोशल मीडिया पर लोग सरकार की नीतियों, इंटरनेट बंदी और आर्थिक समस्याओं को लेकर नाराजगी जता रहे हैं। पुतिन ने 27 अप्रैल को सेंट पीटर्सबर्ग में एक स्कूल का दौरा किया। यह इस साल उनकी दूसरी सार्वजनिक मौजूदगी थी। हालांकि क्रेमलिन में उनकी उपस्थिति की तस्वीरें आती रहती हैं। उनके कम होते सार्वजनिक कार्यक्रम और बढ़ती सुरक्षा अलग ही तस्वीर पेश कर रही हैं।

बिजनेस वर्ल्ड

TATA.ev ने 16.99 लाख रुपये में Curvv.ev SeriesX लॉन्च की

हिंदमाता नेटवर्क @ मुंबई

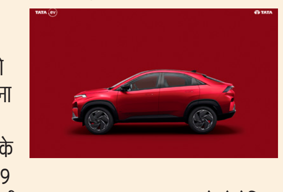

भारत की सबसे बड़ी 4-व्हीलर EV मैन्युफैक्चरर, TATA.ev ने आज नई Curvv.ev SeriesX पेश की – दो लंबी रेंज, फीचर-रिच और प्रीमियम पर्सोना जो उन कस्टमर्स के लिए बनाई गई हैं जो एक ऐसी SUV चाहते हैं जो कॉन्फिडेंस के साथ लंबी दूरी तक चल सके। रुपये16.99 लाख की आकर्षक कीमत से शुरू होने वाली, Curvv.ev SeriesX में दो वेरिएंट होंगे – Accomplished X 55 और Empowered X 55। पैलेट को पांच कलर ऑप्शन तक बढ़ाते हुए, Curvv.ev SeriesX आइकॉनिक #DARK एडिशन के अलावा एक शानदार नए नाइट्रो क्रिमसन कलर में भी उपलब्ध होगी। बोल्ड और शानदार SUV-कूप स्टाइल के साथ, Curvv.ev SeriesX को ग्राहकों की रोज़ाना की ज़रूरतों के हिसाब से सोच-समझकर बनाया गया है। असल जिंदगी में C75 रेंज ₹400 km* और ARAI सर्टिफाइड (P1+P2) रेंज 502 kms** के साथ, Curvv.ev SeriesX एक कॉन्फिडेंट इंटरसिटी कार है जो स्मार्ट टेक्नोलॉजी और ज़बरदस्त परफॉर्मेंस के साथ रोज़ाना आराम देती है। लाइफटाइम HV बैटरी वारंटी के साथ, नई SeriesX की खासियतें Curvv.ev लाइनअप को साफ तौर पर बताए गए, फीचर से भरपूर ऑप्शन में आसान बनाती हैं जो ज़्यादा वैल्यू देते हैं, जिससे इलेक्ट्रिक मोबिलिटी रोमांचक, भरोसेमंद और सच में चिंता-मुक्त बनती है।मुंबई में एक्स-शोरूम कीमत के अनुसार, पर्सोना Accomplished X 55 की कीमत रुपये16.99 लाख है। वहीं, Empowered X 55 वेरिएंट रुपये19.19 लाख में उपलब्ध है, जबकि इसके #DARK एडिशन की कीमत रुपये19.49 लाख रखी गई है। नई Curvv.ev SeriesX पर्सोना पेश करते हुए, टाटा पैसेंजर इलेक्ट्रिक मोबिलिटी लिमिटेड के चीफ कॉमर्शियल ऑफिसर विवेक श्रीवत्स ने कहा, "हम हमारी और से पेश हर नई EV के साथ इलेक्ट्रिक मोबिलिटी को ज़्यादा सुलभ और फायदेमंद बनाने की कोशिश करते हैं।

एमिटी यूनिवर्सिटी ऑनलाइन ने की AONSAT 2026 की घोषणा

हिंदमाता नेटवर्क @ मुंबई

भारत के अग्रणी ऑनलाइन विश्वविद्यालयों में से एक, Amity University Online ने Amity Online National Scholarship Aptitude Test (AONSAT) 2026 की शुरुआत की घोषणा की है। उच्च शिक्षा के क्षेत्र में यह अपनी तरह की एक अनूठी पहल है। AONSAT को पूरे देश में शैक्षणिक क्षमता की पहचान करने और योग्यता-आधारित स्कॉलरशिप मॉडल के ज़रिए उच्च शिक्षा तक व्यापक पहुंच सुनिश्चित करने के लिए डिज़ाइन किया गया है। रविवार, 10 मई 2026 को आयोजित किया जाने वाला पहला AONSAT स्नातक (UG) और स्नातकोत्तर(PG) स्तर के छात्रों के लिए अधिक सुलभ, महत्वाकांक्षी और अवसर प्रदान करने वाला भविष्य बनाने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है। आज के छात्र अपने शिक्षा के विकल्पों में अधिक लचीलापन, सामर्थ्य और मूल्य की तलाश कर रहे हैं। इसलिए, AONSAT को एक बड़े स्तर की स्कॉलरशिप पहल के रूप में तैयार किया गया है, जो पारंपरिक प्रवेश प्रक्रिया से कहीं आगे जाती है। इस पहल का उद्देश्य एक पारदर्शी, ऑनलाइन-निगरानी वाला और योग्यता-आधारित प्रतिस्पर्धी मंच बनाकर, योग्यता को शुरू में ही पहचानना और योग्य छात्रों को उनके शैक्षणिक लक्ष्यों को पूरा करने के लिए मज़बूत वित्तीय सहायता तक पहुंच प्रदान करना है। लॉन्च के इस मौके पर, एमिटी यूनिवर्सिटी ऑनलाइन के चेयरमैन, श्री अजीत चौहान ने कहा, "आज उच्च शिक्षा को सिर्फ़ शिक्षा के नए द्वार खोलने से कहीं अधिक महत्वपूर्ण भूमिका निभानी होगी। इसे ऐसे रास्ते बनाने होंगे जिनके ज़रिए प्रतिभा को पहचाना जा सके, उसे सहारा दिया जा सके और उसे निखारा जा सके। AONSAT इस बड़े बदलाव को दिखाता है कि संस्थानों को अब पहुँच, योग्यता और अवसरों के बारे में अलग तरीके कैसे सोचना चाहिए। पूरे भारत में ऐसे अनगिनत योग्य छात्र हैं जिनकी उम्मीदें अक्सर उनकी आर्थिक स्थिति और अवसरों की सीमित जानकारी के अनुसार आगे बढ़ती हैं। AONSAT के ज़रिए, हम एक ऐसा विश्वसनीय और बड़े स्तर पर काम करने वाला प्लेटफ़ॉर्म बनाना चाहते हैं जो योग्यता को प्रोत्साहन दे और छात्रों को अपने पढ़ाई के सफ़र में ज़्यादा आत्मविश्वास के साथ अगला कदम उठाने के लिए प्रेरणा दे। हमारे लिए, यह सिर्फ़ एक स्कॉलरशिप की पहल नहीं है। यह एक बड़े प्रण का हिस्सा है जिसके तहत हम अच्छी गुणवत्ता वाली उच्च शिक्षा को ज़्यादा समावेशी, उम्मीदों से भरपूर और नई पीढ़ी के छात्रों की महत्वाकांक्षाओं के अनुरूप बनाना चाहते हैं।"एमिटी ऑनलाइन नेशनल स्कॉलरशिप एप्टीट्यूड टैस्ट (AONSAT) के तहत स्कॉलरशिप का ढाँचा इस तरह से बनाया गया है कि अंडरग्रेजुएट और पोस्टग्रेजुएट, दोनों ही श्रेणियों में सबसे अच्छा प्रदर्शन करने वालों को पुरस्कार मिल सके।

महंगे मेमोरी से स्मार्टफोन की आपूर्ति 12 प्रतिशत तक घटने का अनुमान: सीएमआर

हिंदमाता नेटवर्क @ नई दिल्ली

पांच मई (भाषा) मेमोरी चिप्स की कीमतों में तेज बढ़ोतरी होने से इस साल भारत में स्मार्टफोन की आपूर्ति 10-12 प्रतिशत तक घट सकती है। बाजार शोध फर्म सीएमआर की एक रिपोर्ट में मंगलवार को यह जानकारी दी गई। सीएमआर की 'इंडिया मोबाइल हैंडसेट मार्केट रिव्यू' रिपोर्ट के मुताबिक, देश के स्मार्टफोन बाजार में सालाना आधार पर आपूर्ति में दो प्रतिशत की गिरावट दर्ज की गई है। रिपोर्ट में कहा गया है कि डीआरएएम और एनएएनडी फ्लैश जैसी मेमोरी की कीमतों में तेज वृद्धि से मोबाइल फोन की लागत बढ़ गई, जिससे कंपनियों को कीमतें बढ़ानी पड़ीं। इसका असर खासकर कीमत के प्रति संवेदनशील उपभोक्ताओं पर पड़ा है और उन्होंने फोन बदलने की योजना टाल दी है। साइबरमीडिया रिसर्च (सीएमआर) के उपाध्यक्ष (उद्योग शोध समूह) प्रभु राम ने कहा कि भारत में 2026 के दौरान स्मार्टफोन बाजार में गिरावट लागत बढ़ने के दबाव और सतर्क मांग दोनों का मिला-जुला असर दर्शाती है। उन्होंने कहा, ''डीआरएएम और एनएएनडी मेमोरी की ऊंची कीमतों ने स्मार्टफोन की लागत बढ़ा दी है, जिससे आम उपभोक्ता वर्ग में खरीद क्षमता प्रभावित हुई है जबकि प्रीमियम वर्ग अपेक्षाकृत सुरक्षित बना हुआ है।'' उन्होंने कहा कि इससे किफायती और वैल्यू-फॉर-मनी श्रेणियों की आपूर्ति में इस साल 10-12 प्रतिशत की गिरावट आने का अनुमान है। रिपोर्ट के अनुसार, भारत में एप्पल के आईफोन की आपूर्ति में सालाना आधार पर छह प्रतिशत की वृद्धि हुई और उसकी बाजार हिस्सेदारी नौ प्रतिशत रही। सीएमआर रिपोर्ट के अनुसार, वर्ष 2026 की पहली तिमाही में शीर्ष पांच में शामिल कंपनियों में से केवल वीवो और ओप्पो की आपूर्ति में क्रमशः एक प्रतिशत और 12 प्रतिशत की वृद्धि हुई। वहीं सैमसंग, शिओमी और रियलमी की आपूर्ति में क्रमशः 8 प्रतिशत, 7 प्रतिशत और 12 प्रतिशत की गिरावट दर्ज की गई। चीन का स्मार्टफोन ब्रांड वीवो 21 प्रतिशत हिस्सेदारी के साथ बाजार में शीर्ष पर रहा। इसके बाद सैमसंग (17 प्रतिशत), ओप्पो (14 प्रतिशत), शिओमी (12 प्रतिशत) और रियलमी (10 प्रतिशत) का स्थान रहा। रिपोर्ट के अनुसार, ट्रांसियन और वनप्लस को सबसे अधिक नुकसान हुआ जिनकी आपूर्ति में क्रमशः 30 प्रतिशत और 28 प्रतिशत की गिरावट दर्ज की गई। फीचर फोन खंड में चीन का ब्रांड आईटेल मोबाइल 35 प्रतिशत हिस्सेदारी के साथ शीर्ष पर रहा। हालांकि इसकी आपूर्ति में 26 प्रतिशत की गिरावट आई। इसके बाद लावा (34 प्रतिशत) और एचएमडी (18 प्रतिशत) का स्थान रहा। मोबाइल चिप बनाने वाली कंपनियों में मीडियाटेक 48 प्रतिशत हिस्सेदारी के साथ भारत के स्मार्टफोन चिपसेट बाजार में अग्रणी रही। वहीं 25,000 रुपये से अधिक कीमत वाले प्रीमियम खंड में क्वालकॉम 36 प्रतिशत हिस्सेदारी के साथ शीर्ष पर रही।

मंत्रिमंडल ने दो नई सेमीकंडक्टर इकाइयों को मंजूरी दी, कुल निवेश 3,936 करोड़ रुपये

हिंदमाता नेटवर्क @ नई दिल्ली

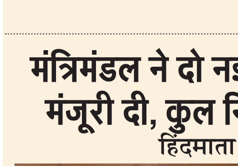

केंद्र सरकार ने मंगलवार को दो और सेमीकंडक्टर विनिर्माण इकाइयों को मंजूरी दी। इसमें 3,936 करोड़ रुपये से अधिक का निवेश होगा। सूचना और प्रसारण मंत्री अश्विनी वैष्णव ने बताया कि इन परियोजनाओं को इंडिया सेमीकंडक्टर मिशन (आईएसएम) के तहत मंजूरी दी गई है। इनमें गैलियम नाइट्राइड प्रौद्योगिकी पर आधारित देश की पहली वाणिज्यिक मिनी/माइक्रो-एलईडी डिस्प्ले इकाई और एक सेमीकंडक्टर पैकेजिंग इकाई शामिल है। ये इकाइयां गुजरात में 3,936 करोड़ रुपये के कुल निवेश से स्थापित की जाएंगी और इनसे लगभग 2,230 कुशल पेशेवरों के लिए रोजगार के अवसर सृजित होने की उम्मीद है। क्रिस्टल मैट्रिक्स लिमिटेड (सीएमएल) गुजरात के धोलेरा में कंपाउंड सेमीकंडक्टर विनिर्माण और एटीएमपी (निर्माण तथा संयोजन, परीक्षण) की एकीकृत इकाई स्थापित करेगी, जहां मिनी/माइक्रो-एलईडी डिस्प्ले मॉड्यूल का उत्पादन किया जाएगा। वहीं, सुची सेमीकॉन प्राइवेट लिमिटेड (एसएसपीएल) गुजरात के सूरत में आउटसोर्स्ड सेमीकंडक्टर संयोजन एवं परीक्षण (ओएसएटी) इकाई स्थापित करेगी, जहां डिस्क्रीट सेमीकंडक्टर का निर्माण होगा। इन दो नई मंजूरियों के साथ देश में सेमीकंडक्टर उद्योग को और मजबूती मिलेगी। इंडिया सेमीकंडक्टर मिशन के तहत स्वीकृत परियोजनाओं की संख्या बढ़कर 12 हो गई है, जिनमें कुल निवेश लगभग 1.64 लाख करोड़ रुपये है।

दैनिक ठाणे, बुधवार 6 मई, 2026

हिंदमाता मिरर

पैनी नजर, पुख्ता खबर

केएल राहुल ने टी-20 में दिखाया अपना दमखम

स्टार बल्लेबाज केएल राहुल ने स्वीकार किया है कि उनके टी-20 अंतरराष्ट्रीय करियर के मामले में हालात हमेशा उनके मन मुताबिक नहीं रहेंगे। लेकिन उन्हें खुशी है कि वह खुद को टेस्ट विशेषज्ञ मानने की धारणा को 'तोड़ने' में कामयाब रहे हैं। इस 34 वर्षीय बल्लेबाज ने पिछले महीने पंजाब किंग्स के खिलाफ आईपीएल मैच में 64 गेंद पर नाबाद 152 रन बनाए थे जो इस प्रारूप में उनके लगातार बेहतर प्रदर्शन का नमूना है। कर्नाटक के इस खिलाड़ी ने 2022 के बाद से भारत के लिए कोई टी-20 मैच नहीं खेला है, लेकिन वह टेस्ट और वनडे में नियमित रूप से खेलते हैं।

ह्यतब कुछ भी करने को तैयार थाह्न

राहुल ने जियोस्टार से कहा, ह्यदस साल पहले मैं टी20 टीम का हिस्सा बनने के लिए कुछ भी करने को तैयार था। मुझे कभी टी20 खिलाड़ी के रूप में नहीं आंका गया और न ही मुझे सीमित ओवरों का अच्छा खिलाड़ी माना गया। मुझे तो केवल टेस्ट खिलाड़ी के रूप में ही देखा जाता था।ह्न

टेस्ट के सांचे से बाहर निकल यहां तक पहुंचना गर्व की बात

उन्होंने कहा कि इसलिए उस सांचे से बाहर निकलना, सीमित ओवरों के अपने खेल को बेहतर बनाना और यहां तक पहुंचना मेरे लिए वाकई गर्व की बात है। इस दौरान मैंने गलतियां भी की हैं और ऐसी कई चीजें हैं जिन्हें मैं बेहतर कर सकता था। राहुल ने कहा कि लेकिन, मुझे इस बात पर गर्व है कि मैंने हर बार अपना सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन किया है और सफलता सुनिश्चित करने के लिए यथासंभव अच्छी तैयारी की है। खेल ऐसा ही होता है। हालात हमेशा आपके पक्ष में नहीं होते हैं। राहुल ने कहा कि उन्होंने नतीजों की परवाह किए बिना अपने खेल पर ध्यान केंद्रित रखने की कोशिश की है। उन्होंने कहा कि आपको इसे सहजता से लेना होगा और इस सफर का आनंद लेना होगा। मेरे पास अभी भी कुछ समय बचा है। इसलिए मैं अपना सर्वश्रेष्ठ प्रयास करता रहूंगा और देखूंगा कि मैं कितनी ट्रॉफियां जीत सकता हूं। राहुल पिछले साल पिता बने जब उनकी अभिनेत्री पत्नी अथिया शेट्टी ने एक बेटी को जन्म दिया। उन्होंने कहा कि इस नई भूमिका से उनके क्रिकेट करियर को भी फायदा हुआ है। उन्होंने कहा कि पिता बनना मेरे लिए सबसे खूबसूरत अनुभव रहा है। मुझे लगता था कि मेरे जीवन में शांति और खुशी है, लेकिन मैं गलत था। जब तक आप अपने बच्चे को गोद में नहीं लेते, तब तक आपको सच्ची खुशी, शांति या आनंद का अनुभव नहीं होता।

Met Gala में ईशा अंबानी का जलवा...

ग्लैमर की सबसे बड़ी रात Met Gala 2026 में हर किसी का अंदाज देखने लायक था। कलाकारों ने एक से बढ़कर एक तरह के कपड़े पहनकर दर्शकों का मन अपनी तरफ खींच लिया। फैशन की इस दौड़ में अंबानी की बेटी ईशा भी पीछे नहीं थी। उनके इस अलग अंदाज ने सबको अपनी तरफ मोहित कर लिया। मेट गाला 2026 में इस बार ईशा अंबानी ने इस तरह की साड़ी पहनी जो सोने के धागों से बनी हुई थी। इतना ही नहीं ईशा अंबानी का ब्लाउज कोई साधारण ब्लाउज नहीं था क्योंकि ईशा ने कोई कपड़े का नहीं बल्कि अपनी मां के गहनों से बना ब्लाउज पहना हुआ था।

■ रेड कारपेट पर ईशा अंबानी किसी हीरोइन से कम नहीं लग रही थीं। ईशा अंबानी की लुक में सबसे खास चीज चीज थीं, वो था उनके हाथ में आम। सुनकर थोड़ा अजीब लगा होगा लेकिन ये ईशा का सबसे ज्यादा सेंटर ऑफ अट्रैक्शन था। बहुत ही तरीके से उन्होंने इस आम को अपने हाथ में पकड़ा हुआ था। एक तरफ तो करोड़ों के कपड़े तो वहीं दूसरी तरफ एक साधारण सा आम सबको ये सोचने पर मजबूर कर रहा था कि ईशा से ऐसा स्टाइल क्यों केरी किया? इतना ही नहीं ईशा के ब्लाउज में लगी निजाम की सरपेच कम से कम 150 घंटों नें तैयार की गई थी।

गौरव गुप्ता ने स्टाइल की ईशा की साड़ी

ईशा अंबानी को खास बनाने के पीछे गौरव गुप्ता का हाथ था। गौरव ने साड़ी में बहुत सी तरीके से सोने के धागों का यूज किया था, जो इसे बहुत ही ज्यादा खूबसूरत बना रहा है। Anaita Shroff Adajani Met Gala 2026 लुक को सिर्फ स्टाइल नहीं किया, बल्कि उसकी पूरी क्रिएटिव सोच को भी खुद डिजाइन किया। इनके द्वारा बनाया गया ईशा का ये रूप किसी आर्ट पीस से कम नहीं था। ईशा के बेहतरीन रूप में कला, कारीगरी और हाई-फैशन का शानदार संगम दिखाई दिया।

Met Gala में अनन्या बिड़ला का रहस्यमयी अंदाज

फिलहाल सबकी नजर मेट गाला पर टिकी हुई है। एक बाद एक सितारों का स्टाइलिश रूप सुर्खियां बटोर रहा है। बॉलीवुड से लेकर राजघरानों तक हर किसी ने इसमें डेब्यू किया है। आज तक हिस्ट्री में जिसने सबसे ज्यादा हटके कपड़े पहनें हैं, उसी ने हमेशा से ही लाइमलाइट लूटी है। हाल में ही में ऐसा ही एक हटके लुक Ananya Birla का सोशल मीडिया पर काफी वायरल हो रहा है। सबसे रईस लोगों में से एक शुमार कुमार मंगलम बिड़ला की बेटी अनन्या बिड़ला ने मेट गाला में शिरकत की। उनका यह अंदाज हर किसी को उनकी तरफ खींचने पर मजबूर कर रहा है। जहां हर कोई यहां पर अपना चेहरा दिखाता है तो वहीं अनन्या बिड़ला ने इस लुक में अपने चेहरे को छुपाया है। उनका यही स्टाइल हर जगह से लाइमलाइट चुरा रहा है। उन्होंने इस इवेंट में ब्लैक रंग के कपड़े पहने हैं लेकिन उनके मैटेलिक मास्क सबसे ज्यादा चर्चा का केंद्र बन गया है।

1 लाख करोड़ रुपए की मालकिन हैं अनन्या

आपको बता दें कि कुछ रिपोर्ट्स के अनुसार अनन्या कम से कम 1 लाख करोड़ रुपए की मालकिन हैं। आये दिन वो अपने लुक से सबका ध्यान अपनी तरफ खींचती रहती हैं लेकिन मेट गाला का उनका यह रूप तारीफ के काबिल था। दुनियाभर से आए सितारों के बीच उनका यह अवतार चर्चा का विषय बन गया है। अब देखा जाए तो हर जगह सिर्फ उनके ही लुक की बातें चल रही हैं।

रिया कपूर ने किया अनन्या बिड़ला के ड्रेस को डिजाइन

अब हुए मेट गाला में पहली बार अनन्या बिड़ला ने इस इवेंट में हिस्सा लिया। मेट गाला में अपना जलवा बिखेरने के लिए उन्होंने रिया कपूर का साथ लिया। मतलब रिया कपूर ने ही उनके इस लुक को तैयार किया। रिया ने अनन्या को फेमस डिजाइनर रॉबर्ड वून के आउटफिट में स्टाइल किया। अनन्या बिड़ला के इस लुक में तेज कटिंग, स्ट्रक्चर और ड्रामेटिक एलिमेंट्स का शानदार संतुलन देखने को मिला। ब्लैक और ब्लू कलर का यह कॉम्बिनेशन बेहद ही शानदार लग रहा था।

पहनी वॉल्यूमिनस प्लीटेड स्कर्ट

पेपलम टॉप के साथ अनन्या ने फ्लोर लेंथ वॉल्यूमिनस प्लीटेड स्कर्ट पेयर की। आउटफिट की बारीकियों पर यदि ध्यान दिया जाए तो उन्होंने निचले हिस्से में पेपलम जैसी डिटेलिंग दी गई, जिसने इसे एक अलग और स्टाइलिश टच दिया। ब्लेजर में कॉलर के साथ सिंगल बटन और डीप वी-नेक डिजाइन रखा गया।

मास्क ने बटोरी लाइमलाइट

उनके इस लुक की सबसे खास बात की उनका ये मास्क। फ्यूचरिस्टिक मैटेलिक से बना ये फेस मास्क आर्टिस्ट सुबोध गुप्ता ने डिजाइन किया। बहुत ही डिटेलिंग के साथ उनके इस मास्क को तैयार किया गया। उनका यह मास्क मुंह तो छिपा रहा था साथ ही उनके लुक को वियरेबल आर्ट की तरह रिप्रेजेंट कर रहा था।

'बंदर' फिल्म करना मेरे कंफर्ट जोन से बिल्कुल बाहर

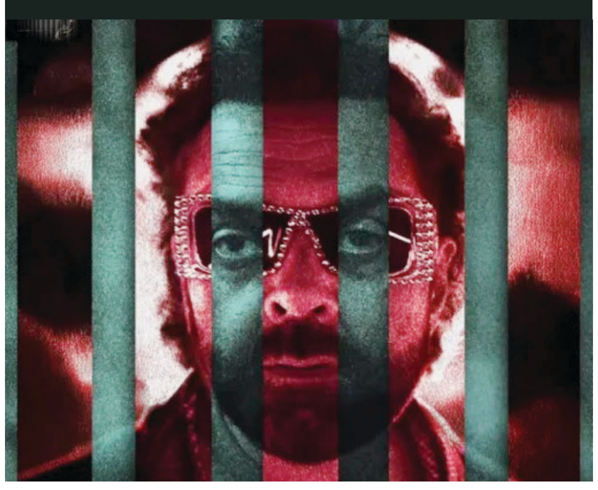

अनुराग कश्यप के डायरेक्शन में बन रही बॉबी देओल स्टारर 'बंदर' सबसे एक्साइटिंग थिएटर रिलीज में से एक बनने की तैयारी में है। निखिल द्विवेदी द्वारा प्रोड्यूस की गई इस फिल्म को लेकर एक्साइटमेंट बढ़ती जा रही है क्योंकि इसमें देखने लायक स्टार कास्ट है। फिल्म में बॉबी देओल एक बहुत ही इंटेंस और पहले कभी न देखे गए अवतार में नजर आएंगे, जिसने उन्हें अपने कंफर्ट जोन से बाहर निकलने के लिए मजबूर कर दिया है।

■ 'बंदर' में अपने रोल के बारे में बात करते हुए बॉबी देओल ने कहा कि हर एक्टर कुछ अलग करना चाहता है, क्योंकि एक इमेज सेट हो जाती है और उससे बाहर निकलना बहुत मुश्किल हो जाता है, हम टाइपकास्ट हो जाते हैं। मैं भी इस दौर से गुजरा हूं, लेकिन अब मुझे कहना पड़ेगा कि यह फिल्म करना मेरे कंफर्ट जोन से बिल्कुल बाहर था, मैंने अपनी झिझक को एक तरफ रखा और बेझिझक होकर यह फिल्म की।

■ लगातार दमदार परफॉरमेंस देने के बाद, बॉबी देओल इस इंटेंस ड्रामा फिल्म में लीड रोल निभा रहे हैं। इस फिल्म को निखिल द्विवेदी ने प्रोड्यूस किया है और इसे जी स्टूडियोज का साथ मिला है। फिल्म को सुदीप शर्मा और अभिषेक बनर्जी ने लिखा है, जो 'पाताल लोक', 'कोहरा' और 'उड़ता पंजाब' जैसे बेहतरीन प्रोजेक्ट्स के लिए जाने जाते हैं। सुदीप शर्मा ने हाल ही में 'कोहरा 2' को डायरेक्ट भी किया है, जिसे क्रिटिक्स ने काफी सराहा है।

'हॉन्टेड 3डी' का टीजर आउट

'1920' और 'शापित' जैसी हॉरर फिल्मों के लिए मशहूर फिल्म निर्माता-निर्देशक विक्रम भट्ट की 'हॉन्टेड 3डी एकोस ऑफ द पास्ट' का टीजर रिलीज कर दिया गया है। यह एक हॉरर फिल्म है। इसके साथ ही निर्माताओं ने अपनी नई हॉरर फिल्म 'हॉन्टेड 3डी' की रिलीज डेट से भी पर्दा उठा दिया है।

'हॉन्टेड 3डी' का टीजर हुआ रिलीज

फिल्ममेकर्स ने मंगलवार को फिल्म 'हॉन्टेड 3डी' का टीजर रिलीज कर दिया है। 'हॉन्टेड 3डी' के टीजर को देखने के बाद फैंस काफी उत्साहित हो गए हैं, क्योंकि विक्रम भट्ट की हॉरर फिल्में लोगों के दिलों में दशहत पैदा कर देती हैं। निर्देशक विक्रम भट्ट की फिल्म 'हॉन्टेड 3डी एकोस ऑफ द पास्ट' 12 जून को सिनेमाघरों में रिलीज होगी। इस फिल्म को हिंदी, तमिल और तेलुगु भाषा में रिलीज किया जाएगा। पहले यह फिल्म 21 नवंबर, 2025 को रिलीज होने वाली थी, लेकिन फिल्म की रिलीज को बदलकर 30 जनवरी 2026 और फिर 6 फरवरी 2026 तक टाल दिया गया। अब मेकर्स ने फिल्म को 12 जून को रिलीज करने का फैसला किया है।

मौनी रॉय को एक दिन में लेनी पड़ती थी 30 गोलियां और इंजेक्शन

मौनी रॉय टीवी से लेकर बॉलीवुड तक अपनी पहचान बना चुकी हैं। हालांकि उनके लिए यह सफर आसान नहीं रहा है। मौनी रॉय ने अपने एक्टिंग करियर की शुरुआत 'क्योंकि सास भी कभी बहू थी' से की थी। लेकिन उन्हें टीवी शो 'नागिन' से जबरदस्त पहचान मिली थी। मौनी राय के जीवन में ऐसा वक्त भी आया था जब उन्हें 30 गोलियां और इंजेक्शन लेकर काम करना पड़ रहा था। इस बात का खुलासा मौनी रॉय ने मैशेबल इंडिया को दिए इंटरव्यू के दौरान किया था। मौनी ने अपनी फिजिकल हेल्थ के सबसे मुश्किल दौर को याद किया था।

■ मौनी राय ने कहा था कि नागिन शुरू होने से पहले में एक ऐसे फेज में थी जहां मुझे लगा कि मेरा जीवन खत्म हो गया है। मैं गंभीर तौर पर बीमार थी। मैंने झलक दिखला जा 9 खत्म ही किया था और मुझे L-4-L-5 की समस्या हो गई थी। जिससे मैं सीधा खड़ा नहीं हो पाती थी। मैं एक दिन में 30 गोलियां लेती थी। इंजेक्शन भी लगते थे। एक्ट्रेस ने बताया था कि वह तीन महीने तक बिस्तर पर पड़ी रही थीं, जब उन्हें नागिन ऑफर हुआ था। मौनी ने कहा कि मुझे नहीं मालूम मेरा कितने किलो वजन बढ़ गया था। यह बहुत बुरा वक्त था। मैं तीन महीने तक बिस्तर पर थी और यही समय था जब मुझे नागिन के लिए कॉल आया। मौनी ने कहा था कि क्योंकि मैं नागिन से पहले देवों का देव महादेव में काम कर चुकी थी। इसलिए मैं एक और फैंटेसी फिक्शन नहीं करना चाहती थी। जब मैं प्रोडक्शन हाउस गई, तो मुझे स्टोरी सुनाई गई। मैंने उनसे कहा, एक बार मैं एकता मैम से मिलना चाहती हूं। मुझे याद है जब मैं एकता मैम से मिली तो वह इस प्रोजेक्ट के लिए बहुत पैशेनेट थीं। उन्होंने जिस तरह से स्टोरी नरेट की मैं इसे करने के लिए राजी हो गई।

'पेड्डी' के मेकर्स ने जारी किया राम चरण का पोस्टर

राम चरण की 'पेड्डी' 2026 की सबसे बहुप्रतीक्षित भारतीय फिल्मों में से एक है, जिसने अपनी घोषणा के बाद से ही जबरदस्त चर्चा बटोरी है। जान्हवी कपूर और जगपति बाबू जैसी मजबूत स्टारकास्ट के साथ, इस फिल्म ने पोस्टर्स से लेकर गानों तक, हर अपडेट के साथ दर्शकों का उत्साह लगातार बढ़ाया है। हर नई झलक ने प्रोजेक्ट को लेकर उत्सुकता को और बढ़ा दिया है।

■ इसी उत्साह को आगे बढ़ाते हुए, मेकर्स ने अब एक शानदार नए पोस्टर के साथ फिल्म की रिलीज का काउंटडाउन आधिकारिक रूप से शुरू कर दिया है। लेटेस्ट पोस्टर में राम चरण एक रिलैक्स्ड लेकिन इंटेंस अवतार में नजर आ रहे हैं, जिसमें वे रात के बैकड्रॉप और पेड़ों के बीच लेटे हुए, हाथ में स्मोक लिए, नाक में नथ पहने और एक हल्की मुस्कान के साथ दिखाई दे रहे हैं, जो फिल्म के दिलचस्प मिजाज को बखूबी सेट कर रहा है। पोस्टर शेयर करते हुए मेकर्स ने लिखा, "उनकी कहानी 30 दिनों में शुरू होगी #PEDDI वर्ल्डवाइड रिलीज सिनेमाघरों में 4 जून को #GetReadyForPeddi

■ 'पेड्डी' का म्यूजिक फिल्म की सबसे बड़ी खूबियों में से एक बनता जा रहा है, और हर नई रिलीज के साथ फिल्म को लेकर उत्साह बढ़ता जा रहा है। फिल्म का पहला गाना "चिकिरी चिकिरी" अपने जबरदस्त म्यूजिक और ए. आर. रहमान के खास टच के साथ आते ही लोगों के दिलों में उतर गया। इस गाने ने सभी प्लेटफॉर्म्स पर 200 मिलियन व्यूज का आंकड़ा पार कर लिया है, जो कि फिल्म के लिए एक बड़ी शुरूआत है। इसी जोश को आगे बढ़ाते हुए, दूसरा गाना "राई राई रा रा" एक अलग लेकिन उतना ही शानदार अनुभव लेकर आया है, जिसके हाई-एनर्जी बीट्स और कमाल की कोरियोग्राफी दर्शकों को खूब पसंद आ रहे हैं। ऑनलाइन इस गाने को जबरदस्त रिस्पॉन्स मिला है, और यह यूट्यूब पर 65 मिलियन व्यूज के पार पहुंच चुका है।

मालिक, मुद्रक, प्रकाशक नरेश पी. बजाज द्वारा बैरक नंबर 887/27 सेक्शन 18, उल्हासनगर -421 003, जिला ठाणे से प्रकाशित व सोमानी प्रिंटिंग प्रेस, गाला नं. 4, आमीन इंडस्ट्रियल इस्टेट, सोनवाला क्रॉस रोड -2, जवाहरनगर के पास, फाटक पुल, गोरेगांव, मुंबई -63, (महाराष्ट्र) से मुद्रित।
दूरध्वनि: 0251- 3238100, **कार्यकारी संपादक:** पंजू बजाज (पी. आर. बी. एक्ट के तहत कंटेंट चयन के लिए जिम्मेदार) न्याय क्षेत्र ठाणे जिला। **hindmatamirror1@gmail.com** RNI. NO. MAHHIN/2011/43060 **स्थानीय संपादक:** शिवप्रताप